ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की करीबी सहयोगियों के साथ बैठक, गारंटी सरकार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-279

एसआईआर पर ममता ने कहा, आग से मत खेलो, दंगे होंगे

जब सीएम ही दंगा कराने की धमकियां देने लगे तो..!

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद को सुप्रीम कोर्ट से भी सुप्रीम मानने लगी हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को सुप्रीम कोर्ट ने भी उचित ठहराया, लेकिन ममता बनर्जी एसआईआर के खिलाफ आग उगल रही हैं और यह धमकी दे रही हैं कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर हुआ तो वे राज्य को दंगे की आग में झोंक देंगी। प्रदेश में संविधान और कानून की शीर्ष पीठ पर आसीन ममता बनर्जी खुलेआम कानून को चुनौती दे रही हैं और प्रदेश को दंगे की आग में झोंकने की धमकियां दे रही हैं, लेकिन उनके समक्ष कानून बौना साबित हो रहा है। यह बात आम लोगों को समझ में आनी चाहिए, जिन्हें तुच्छ कानूनी अवहेलना पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई झेलनी पड़ती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप को गलत बताया और कहा कि भारत की आंतरिक व्यवस्था और घुसपैठ के मुद्दे पर राजनीति करना देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि

मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर बौखला गईं ममता बनर्जी

अगर घुसपैठ जारी रही तो देश धर्मशाला बन जाएगा। घुसपैठ को राजनीतिक नजरिए से नहीं बल्कि देशहित के नजरिए से देखा जाना चाहिए। अमित शाह ने घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण देने की गतिविधि पर सख्त आपत्ति की और कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। एसआईआर चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस प्रक्रिया का जोरदार विरोध किया है और इसके खिलाफ व्यापक और घातक विरोध की चेतावनी दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कहना है कि फर्जी वोटरों के कटने के डर से ममता बनर्जी इसका विरोध कर रही हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए चेतावनी दी और कहा, आग से मत खेलो। जनता के आक्रोश के लिए तैयार रहो।

▶10 पर

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ भारत का राजनयिक संबंध स्थापित

भारत दौरे पर आए अफगानी विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने कहा

करीबी दोस्त भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने कहा है कि भारत उसका करीबी दोस्त है और अफगानिस्तान भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देगा। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने भारत दौरे पर यह महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने

एस जयशंकर का ऐलान : चार साल बाद काबुल में खुलेगा भारतीय दूतावास

कहा कि अफगानिस्तान भारत को एक करीबी मित्र राष्ट्र के रूप में देखता है। अफगानिस्तान की यह घोषणा इस वक्त अधिक अहम इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है और अफगानिस्तान पर बम गिरा रहा है। जिस समय अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और उनका प्रतिनिधिमंडल भारत के दौरे पर आया, उस दरम्यान भी पाकिस्तान ने

काबुल पर बमबारी करने से परहेज नहीं किया। अफगानिस्तान और भारत के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर करार हुए और दोस्ताना संबंधों को प्रगाढ़ करने की दिशा में कई जरूरी फैसले लिए गए। चार वर्ष बाद भारत ने काबुल में फिर से भारतीय दूतावास खोलने की घोषणा की है।

भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के

कई रणनीतिक एवं व्यापारिक मसलों पर हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता

विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय समकक्ष डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भारत को अफगानिस्तान का करीबी दोस्त देश बताया और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की मांग की। मुत्तकी ने कहा कि दिल्ली आकर अच्छा लग रहा है और यह दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर करेगा। ▶10 पर

पूरे देश में शुरू होगी एसआईआर की चरणबद्ध प्रक्रिया

पांच राज्यों में पहले शुरू होगा एसआईआर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू करेगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत उन राज्यों से हो सकती है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन अभियान नहीं चलाएगा जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं या हो रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव मशीनरी, निकाय चुनाव में व्यस्त है और इसके चलते वे एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे।

गौरतलब है कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांच राज्यों के अलावा पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बिहार में एसआईआर का काम पूरा हो गया है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण शुरू करने का काम चल रहा है और इसे शुरू करने पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा।

चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में एक सम्मेलन में राज्य के मुख्य

बंगाल, असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु कतार में पहले

चुनाव अधिकारियों (सीईओ) से अगले 10 से 15 दिनों में एसआईआर शुरू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने राज्यों की मतदाता सूचियों को अंतिम एसआईआर के बाद प्रकाशित रखें। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम बार गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में, अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था, और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची की अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच थी।

▶10 पर

आरएसएस के स्वयंसेवकों का कत्लगाह बना केरल, सैकड़ों मारे गए

स्वयंसेवकों की हत्या के 15 साल बाद भी नहीं मिला न्याय

कन्नूर (केरल), 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में पंद्रह साल पहले आरएसएस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले ने राज्य की कानून-व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया था। अब इसी मामले में अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। कन्नूर के थालास्सेरी अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार अभियोजन पक्ष ठोस सबूत पेश करने में विफल रही। अब सवाल उठता है कि आखिर ये सभी हत्याकांड में शामिल नहीं थे तो हत्या किसने की? क्या पुलिस ने गलत नाम एफआईआर में दर्ज किए? यदि ऐसा है तो पुलिस पर कार्रवाई के निर्देश अदालत ने क्यों नहीं दिए और क्यों नहीं राज्य सरकार की इस मामले में जिम्मेदारी तय की? कोर्ट का निर्णय बुधवार को सामने आया है।

इस हत्याकांड में 16 आरोपी थे जिसमें से दो की मौत ट्रायल के दौरान हो चुकी है, जबकि बाकी 14 आरोपी केके मुहम्मद शफी, के शिनोज, टी सुजीत, टीके सुमेश, राहुल, केवी विनेश, पीवी विजिथ, फैसल, सारिश, टीपी शमील, एके शम्मास, केके अब्बास, एनके सुनील कुमार उर्फ कोडी सुनी, और टीपी सजीर अब अदालत से बरी कर दिए गए हैं।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं विजित और शिनोज पर 28 मई 2010 को पल्लूर में हमला हुआ था। वे माहे की एक अदालत में पेश होकर घर लौट रहे थे। दोनों पर बम से हमला किया गया था। सामने आया था कि यह हमला सीपीएम से

हत्याकांड में शामिल अब्बास और शमील समेत 14 आरोपी बरी

जुड़े कार्यकर्ताओं ने संघ के प्रति नफरत और बदले की भावना से किया था। इस संबंध में विश्व हिन्दू परिषद की प्रतिक्रिया सामने आई है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, केरल से सामने आया ये निर्णय न्यायालय से अधिक तंत्र की विफलता की पोल खोलता है, यह राज्य पर जिहादियों और कम्युनिस्टों के शिकंजे का भी द्योतक है। अदालत ने कहा, पुलिस सही साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रही है, जबकि साक्ष्य प्रस्तुत करना सरकारी तंत्र का काम है, जिसमें कि यहां देखा गया कि जानबूझकर उदासीनता बरती गई और अपराधी मुक्त हो गए। उन्होंने कहा, अब राज्य सरकार को अविलम्ब इसके विरुद्ध केरल हाईकोर्ट में अपील फाइल करके दोषियों को मृत्यु दंड दिलाकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने का काम करना चाहिए। इससे ऐसे निर्मम कांड करनेवालों के मन में डर पैदा होगा। वहीं सरकार और न्यायव्यवस्था के प्रति भी विश्वास को बहाल किया जा सकेगा।

इस प्रकरण में केरल में रह रहे वीएचपी के राष्ट्रीय पदाधिकारी वेंकटेश कुमार का कहना है कि राज्य में लगातार स्वयंसेवकों को निशाना बनाया जा रहा है, विशेषकर उत्तर केरल में ऐसी घटनाएं आए दिन हो रही हैं। आरएसएस कार्यकर्ता, जिसकी पहचान शाजू के रूप में हुई, एक मंदिर उत्सव में जाते समय हमला किया गया। संघ के कार्यकर्ता श्रीनिवासन की हत्या पलक्कड़ जिले में हुई। केरल के अलाप्पुझा के वायलार ग्राम पंचायत के नागमकुलंगरा में 22 वर्षीय आरएसएस शाखा मुख्य शिक्षक आर नंदू उर्फ नंदू कृष्णा की हत्या की गई। रंजीत श्रीनिवासन की बेहरमी से हत्या कर दी गई थी।

▶10 पर

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का मसला

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

एक महीने में केंद्र को जवाब देने का निर्देश

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को चार हफ्ते में जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिकाओं में केंद्र से सुप्रीम कोर्ट के दिसंबर 2023 के फैसले के अनुरूप कार्रवाई की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

जम्मू-कश्मीर से संबंधित याचिकाएं शिक्षाविद जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता अहमद मलिक सहित कई लोगों ने दाखिल की हैं। इन याचिकाओं के जरिए यह मांग की गई है कि केंद्र सरकार दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दिए गए वादे के अनुसार जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य का दर्जा दे। इस मामले में याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें अनुच्छेद 370 को रद्द करने को सही ठहराया गया था और केंद्र को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर 2024 तक कराने और जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया गया था। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को मिला शांति का नोबेल

...ट्रंप को न खुदा मिला, न विसाले सनम

स्टॉकहोम (स्वीडन), 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न खुदा मिला, न विसाले सनम। यानि, यह पुरानी कहावत कहती है कि खुदा की बात तो छोड़िए, उन्हें अपनी प्रेमिका का दर्शन भी नसीब नहीं हो पाया। नोबेल शांति पुरस्कार हासिल करने के लिए अवांछित हरकतों पर उतरने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झुंझलाहट के सिवा कुछ भी नहीं मिला। नोबेल पुरस्कार तय करने वाली समिति ने शांति स्थापना के लिए वेनेजुएला की मुख्य विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस पुरस्कार से वंचित रह गए। खीझे हुए ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा को राजनीतिक फैसला बताया।

वेनेजुएला की मुख्य विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो फिलहाल अपने ही देश में भूमिगत हैं।

वेनेजुएला की आयरन लेडी के नाम से मशहूर मारिया कोरिना मचाडो का नाम टाइम पत्रिका की 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में प्रकाशित हुआ। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा करते हुए नोबेल समिति की अध्यक्ष ने मचाडो को शांति की एक साहसी और प्रतिबद्ध समर्थक बताया और कहा कि वह महिला बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती है।

पुरस्कार की घोषणा के दौरान नोबेल समिति ने कहा कि वह वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में मचाडो के अथक कार्य और तानाशाही से लोकतंत्र में एक न्यायसंगत और शांतिपूर्ण बदलाव प्राप्त करने के संघर्ष के लिए उन्हें सम्मानित करती है। उल्लेखनीय है कि मचाडो ने सुमाते नाम के संगठन की स्थापना की, जो लोकतंत्र की बेहतरी के लिए काम करता है। जो कि मुफ्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करता रहा है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,25,160/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,66,725/-
(प्रति किलोग्राम)

भावनाओं के आधार पर निर्णय लेना प्रमाद : साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि आदमी जी रहा है, लेकिन उसके जीवन में जीने का आनंद कहां है? छोटी-छोटी खुशियों के लिए भी हमें पराधीन होना पड़ता है। परवशता के कारण निर्बलता आती है। हमारे जीवन में तीन निर्बलता हैं प्रलोभन, प्रमाद और पाप। इन तीन निर्बलता के विषचक्र से बचने के लिए तीन शक्तियां हमारी मदद कर सकती है– त्याग की शक्ति, जागृति की शक्ति, गुण की शक्ति।

त्याग प्रलोभन से बचाता है, जागृति प्रमाद को दूर रखती है और गुण पापों को पास आने नहीं देते। रावण गुणवान् व्यक्ति था फिर भी उसकी पूजा नहीं की जाती क्योंकि वह सीताजी के प्रलोभन के कारण उनके अपहरण का पाप कर बैठा। राम की पूजा होती है उनके त्याग के कारण। लंका जीतने के बाद भी उसका राज्य बिभीषण को दिया। जीवन में मानसिक दु:खों को कम करना चाहते हो तो त्याग की शक्ति को सक्रिय करो। पैसों से झगड़े होते हैं तो पैसे छोड दो। अहं के कारण सम्बन्ध बिगड़ते हैं तो अहं छोड़ दो। राग की शक्ति से त्याग की शक्ति अधिक बलवान् होती है। सही क्या है, गलत क्या है, इस बात का विस्मरण प्रमाद है जागृति की शक्ति प्रमाद से बचाती है। आंखों के सामने प्रलोभन आता है तब हमारी बुद्धि काम कर देना बंद कर देती है, भावना मन पर हावी हो जाती है। हम भावना के आधार पर ही निर्णय लेते है, भावनाओं के आधार पर निर्णय लेना प्रमाद है। बुद्धिपूर्वक निर्णय लेना जागृति है। प्रमाद मन को निर्बल बनाता है। संकल्प करने नहीं देता। हर एक चीज या आदत जो आपके लक्ष्य में रुकावट डालती है, प्रलोभन से पैदा होती है वह प्रमाद है। गुणों की शक्ति पाप से दूर रखती है। जीवन में सुख की कीमत गुण से ज्यादा होगी तो पाप अवश्य होगा। सुख की इच्छा पाप की जनेता है। गुण को नजर के सामने रखो, पाप से बच जाओगे। रावण की एक ही गलती उसके पतन का कारण बनी। उसने सीताजी को आंख उठाकर देखा। रावण के प्रलोभन और डर के बीच सीता जी अपने आपको पवित्र रख सकी। एक ही गुण के कारण उन्होंने रावण के सामने आंख उठाकर कभी नहीं देखा। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ द्वारा करनूल से पधारे रामलाल जैन, अंबालाल जैन, पंकज कुमार जैन, राजेन्द्र जिरावला, जयंतीलाल जैन का बहुमान अंबालाल शाह, संजय कुमार पोरवाल जैन ने किया। भंवरलाल जैन, मोहनलाल जैन, सुरेश पोरवाल उपस्थित रहे।

जैसे हमारे कर्म होते हैं वैसी ही हमारी गति: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चल रही उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के अंतर्गत साध्वी उपासना ने चौदहवें और पन्द्रहवें अध्ययन का गहन और प्रेरक विवेचन प्रस्तुत किया।

चौदहवें अध्ययन में उन्होंने कहा कि इसमें पिता और पुत्र का प्रसंग आता है, जो यह सिखाता है कि जैसे हमारे कर्म होते हैं, वैसी ही हमारी गति होती है। उत्तम कर्म से उत्तम गति और नीच कर्म से नीच गति प्राप्त होती है। उन्होंने कहा आत्मा को जाने बिना कोई परमात्मा नहीं बन सकता। जो त्यागता है वही पाता है। आत्मा ही परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग है। पन्द्रहवें अध्ययन में साध्वी ने 'सभिक्षु' का विवेचन करते हुए कहा कि सभिक्षु का अर्थ है आदर्श और उच्चकोटी का भिक्षु और भिखारी में यही अंतर है कि भिक्षु को देने वाला अहोभाव से देता है, जबकि भिखारी को देने वाला दयाभाव से देता है। भिक्षु को हम हाथ जोड़कर देते हैं, और भिखारी स्वयं हाथ जोड़कर लेता है।

उन्होंने कहा कि चाहे भिक्षु हो या गृहस्थ, सभी को जीवन में वस्त्र, भोजन और आश्रय की आवश्यकता होती है। परंतु जो साधु निष्काम भाव से, नियम और मर्यादा में रहकर, राग-द्वेष से रहित होकर विहार करता है, वही सच्चा सभिक्षु कहलाता है। साधु बनना आसान है, पर साधुपना पाना कठिन। हमारा कल्याण साधु के बाने से नहीं, साधकत्व से होता है। सभिक्षु वही है जो नौ तत्वों का ज्ञाता हो, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समभाव रखे, निर्भय होकर विहार करे और राग-द्वेष पर विजय प्राप्त करे। जो अभय है वही सच्चा साधु है, जो राग-द्वेष से रहित है वही सभिक्षु कहलाने योग्य है। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन किया और साध्वी उपमा ने स्तवन प्रस्तुत किया। अंत में साध्वी निर्मला ने मंगलपाठ दिया। आभार अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

प्रतिशोध की भावना से हमारी दुर्गती संभव: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा ने कहा कि संसार में प्रत्येक गृहस्थ की यह कामना रहती हैं कि उसका घर का घर हो जाए। किंतु ज्ञानियों की दृष्टि में यह संसार मात्र एक धर्मशाला है और धर्मशाला को कोई भी बुद्धिमान घर के समान नहीं मानता है। यहां का प्रवास तो मात्र कर्म निर्जरा के लिए है।

हमे अपने अंतर का दीप जलाना है और स्वयं का शोध करना है। अर्जुन मुनि की तरह किसी से भी वैर भाव नहीं रखते हुए सभी अशुभ भावों और स्वयं को मुक्त कर लेना चाहिए। प्रतिशोध की भावना से हमारी दुर्गती हो सकती है। इसलिए मात्र स्वयं पर शोध का पुरुषार्थ होना चाहिए।

प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की शरण लेते वक्त स्वार्थ पूर्ति की कामना नहीं होनी चाहिए। प्रभु की शरण में जाकर प्रभु के समान गुण हम में भी आवे, ऐसी कामना होनी चाहिए। मूर्ख व्यक्ति ही हीरे के प्रतिष्ठान में जा कर सब्जी का भाव पूछता है। मन को एकाग्र कर और काया को समर्पित कर प्रभु की शरण में पहुंचने से मन शांत हो जाता है और ऊर्जा उर्ध्वगमन होती है। बाहर के साधन या तो धोखा देंगे या धक्का देंगे। शाश्वत सुख तो मात्र प्रभु मार्ग में है। प्रवचन सभा में हनुमान चंद बागरेचा के नेतृत्व में आए कोयम्बत्तूर ओपन कारा संघ की ओर से मंत्री धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल ने साध्वी वृंद के समक्ष 2026 के लिए चातुर्मास हेतु विनती प्रस्तुत की।

अलसूर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने चातुर्मास की उपलब्धियों से आगंतुक संघ को अवगत कराया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

जो आज है वह कल नहीं होगा यही अटल सत्य: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के प्रसंग पर प्रभु की शिक्षा सूत्रों का श्रवण चल रहा है। इस वाणी से भूतकाल में लाखों जीवों का कल्याण हुआ। वर्तमान में हजारों प्राणी उनके पथ पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। भविष्य में भी हजारों लोग इस पथ पर चलने का प्रयास करते रहेंगे। भगवान की वाणी ने हजारों के जीवन की नैया पार की है। जैसे अर्जुन ने मुक्ति पाई वैसे ही परदेसी भी तर जाएंगे। भगवान की वाणी बहुत ही अनमोल है। इसको श्रवण करने का जो मौका मिला है उससे चूकना नहीं चाहिए। वाणी सुन कर कई राजा भी संसार का वैभव ठुकरा कर दास बन गए। हजारों हत्यारो ने भी वाणी सुन कर जीवन का कल्याण किया है। भगवान की वाणी आज भी कल्याणी है। इसको मनोमंथन कर दिल में लाने का प्रयास करना चाहिए। चौथा अध्ययन छोटा है लेकिन उसमें ही बहुत है। छोटे वचन भी गहरे होते हैं। संसार में सब चीजें बिगड़ कर सुधर सकती है। लेकिन आयु का अंत आया तो कभी नहीं सुधरेगा। घर, भोजन, सब्जी, फर्नीचर बिगड़ जाए तो सुधर सकती है। लेकिन आयु के अंत कभी नहीं सुधर सकते है। यहां किसी की सिफारिश नहीं चलती है। समय आ गया तो जाना ही पड़ेगा। मनुष्य को अपना दर्द अपने को ही भोगना पड़ता है। ऐसा जान कर मनुष्य भव बेकार नहीं करना चाहिए। एक बार पेड़ का पत्ता झड़ गया तो उसे वापस जोड़ना संभव नहीं होगा। दुनिया का पाप करके धन इकट्ठा कर रहे हैं। लेकिन यह कहीं काम नहीं आएगा। जब अंत समय आयेगा तो धन दौलत परिवार के लोग सब यहीं रहेंगे। साथ में कोई जाने वाला नहीं है। मनुष्य भव वापस मिलना नहीं है। किए हुए कर्मों को भोगने के बिना किसी को मोक्ष नहीं मिलेगा। जो कर रहे हैं वह भोगना ही पड़ेगा। मनुष्य का धन उसको प्राण नहीं देगा। परिग्रह और धन दौलत के कारण बहुत अनर्थ कर रहा है। इसको लेके ही बेटा बाप से लड़ता है, भाई से लड़ता है। लेकिन जब अंत समय आता है तो वही धन उसको काम नहीं आता है। पांचवां अध्ययन अटल सत्य है। जो आता है वह जाता है, जो उगेगा वह ढलेगा यही अटल सत्य है। लेकिन मानव इसको अनदेखा कर रहा है। सूर्य उगता है तो अस्त भी होता है। मनुष्य भव मिलता है और जाता है। यह अटल सत्य है। भगवान से अंत समय चित्त भगवान में रहे यही प्रार्थना करनी चाहिए। पांचवां अध्ययन मरण सुधारने का होता है। मनुष्य का जीवन अच्छा है लेकिन मरण उससे अच्छा होना चाहिए। भगवान से यही प्रार्थना करनी चाहिए। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

दपरे ने अपनी स्थापना के बाद से

सितंबर महीने में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ माल लदान प्रदर्शन हासिल किया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने अपनी स्थापना के बाद से सितंबर महीने में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ माल लदान प्रदर्शन हासिल किया है, जो माल ढुलाई में मजबूत और निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। सितंबर 2025 के दौरान, जोन ने कुल 4.17 मिलियन टन (एमटी) प्रारंभिक माल लदान किया, जो रेलवे बोर्ड के 4.15 एमटी के लक्ष्य को पार कर गया और पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान लदान किए गए 3.3 एमटी की तुलना में 25 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की। सितंबर के लिए, पिछला सर्वश्रेष्ठ लदान 2023-24 में हासिल किया गया 4.1 एमटी था, जिसे अब पार कर लिया गया है। प्रमुख वस्तुओं में बेहतर प्रदर्शन के कारण यह उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लौह अयस्क लदान 2.8 प्रतिशत बढ़कर 1.628 एमटी हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 1.583 एमटी था। इस्पात लदान में 53.3 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 0.591 एमटी के मुकाबले 0.906 एमटी हो गया। कोयला लोडिंग में 45.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष के 0.511 मीट्रिक टन की तुलना में 0.745 मीट्रिक टन रही। आरएमएसपी (इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल) में 306 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, जो सितंबर 2024 में 0.083 मीट्रिक टन की तुलना में 0.337 मीट्रिक टन तक पहुँच गई। उर्वरक लोडिंग 29.8 प्रतिशत बढ़कर 0.109 मीट्रिक टन हो गई, जबकि कंटेनर यातायात में 37.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के 0.058 मीट्रिक टन की तुलना में 0.080 मीट्रिक टन तक पहुँच गई। सितंबर 2025 के दौरान, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने यात्री सेवाओं से 282 करोड़ कमाए, जो सितंबर 2024 में अर्जित 264.83 करोड़ की तुलना में 6.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। जोन ने यात्री यातायात में भी वृद्धि देखी, जिसमें 14.34 मिलियन यात्री थे, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान संभाले गए 13.37 मिलियन यात्रियों की तुलना में 7.26 प्रतिशत की वृद्धि है। माल ढुलाई का प्रदर्शन कमाई का प्रमुख चालक बना रहा, जिसमें माल ढुलाई राजस्व 427.50 करोड़ तक पहुंच गया, जो सितंबर 2024 में दर्ज 314.85 करोड़ की तुलना में 35.78 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है। यह हाल के वर्षों में जोन के लिए सर्वश्रेष्ठ मासिक माल ढुलाई प्रदर्शनों में से एक है।

महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र विभाजन के फैसले के खिलाफ सरकार को कोर्ट का नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उच्च न्यायालय ने सरकार को नोटिस जारी किया है, जो महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र को बेंगलूरु पूर्व और दक्षिण नगर निगमों के बीच विभाजित करने के ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन के फैसले के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार कर रही है। बेंगलूरु बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ए.पी. रंगनाथ ने एक जनहित याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि सरकार ने महादेवपुरा को विभाजित करने का एकतरफा फैसला लिया है। याचिका में, रंगनाथ ने तर्क दिया था कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा बेंगलूरु पूर्व नगर निगम में और एक छोटा हिस्सा दक्षिण नगर निगम में शामिल कर दिया गया है, जो वृहद बेंगलूरु प्रशासन अधिनियम, 2024 की धारा 26(3) का उल्लंघन है। मतदाताओं, निवासी कल्याण संघों और अन्य कार्यकर्ताओं की आपत्तियों के बावजूद, अंबालीपुर, हरालूर, कैलांद्राहल्ली, कसावनहल्ली, केपीसीएल लेआउट, जुन्नासंद्रा, डोड्डाकोनाली सहित कई गाँवों को पूर्वी और दक्षिणी नगर निगमों के बीच विभाजित करने का एकतरफा निर्णय लिया गया और उन्होंने अदालत से इसमें सुधार का अनुरोध किया। रंगनाथ ने बताया कि याचिका पर सुनवाई करने वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस संबंध में प्रतिवादी के रूप में सरकार को नोटिस जारी किया है।

डॉ. दिलीप धींग और उत्तमचंद कोठारी का सम्मान कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गुरु मधुकर अर्चना शताब्दी सम्मान समिति, बेंगलूरु द्वारा साहित्य के क्षेत्र में सतत, सुदीर्घ व उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतराष्ट्रीय प्राकृत केंद्र (चेन्नई) के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग को गुरु मधुकर अर्चना साहित्य पुरस्कार (2025) से सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए चिक्कबल्लापुर के उत्तमचंद कोठारी को सेवा सम्मान प्रदान किया जाएगा। राजस्थान प्रवर्तिनी साध्वी डॉ. सुप्रभाजी 'सुधा' की प्रेरणा से श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य मधुकरमुनि और गुरुमाता साध्वी उमरावकुँवरजी 'अर्चना' के नाम से ये सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर दिए जाते हैं। सम्मान समारोह आचार्यश्री हस्ती के सुशिष्य, श्रमणसंघीय संत, पंडित रत्न रोचक व्याख्यानी ज्ञानमुनिजी की निश्रा में श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ के नेतृत्व में रविवार को होगा। संघ के महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने बताया कि प्राकृत में विश्वविद्यालय स्वर्णपदक विजेता राजस्थान डॉ. धींग की लिखित व संपादित 73 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्हें अब तक आचार्य हस्ती स्मृति सम्मान, आचार्य हस्ती अहिंसा अवार्ड, अणुव्रत लेखक पुरस्कार, कुंदकुंद ज्ञानपीठ पुरस्कार, आचार्य हस्ती करुणा उद्घोषक पुरस्कार, आचार्य नानेश स्मृति सम्मान, गुरु अमर श्रुतसेवा सम्मान, कांतिदेवी गुप्त श्रुतसेवा सम्मान, पाँच बार जिनवाणी लेखक पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मान मिले हैं। उत्तमचंद कोठारी का जीवन मानवसेवा, समाजसेवा, जीवदया, सत्साहित्य प्रकाशन आदि के लिए समर्पित रहा है।

आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी, अध्यक्ष कांता रायसोनी के सानिध्य में मंजू रायसोनी के चमराजपेट स्थित निवास पर आयोजित की गई।

मंजू ने सभी सदस्याओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस माह की संगोष्ठी का विषय दीवाली रहा। त्यौहारों की व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सदस्याओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। प्रसिद्ध नेल आर्टिस्ट प्रियंका ने नवीनतम डिजाइन और ट्रेंड्स की जानकारी दी तथा उनका प्रदर्शन भी किया। बिंदु रायसोनी ने दीवाली के अर्थ पर सुंदर विचार प्रस्तुत किए। 'दी' का अर्थ है दीपक, जो जीवन में प्रकाश फैलाए। 'वा' का अर्थ है लक्ष्मी का रूप वरण करना, जिससे सुख और समृद्धि आए और 'ली' का अर्थ है संसार और समाज के स्वभाव में लीन हो जाना। संदेश यह रहा कि हमारी परंपराएँ लुप्त न हों, बल्कि उनका संरक्षण करते हुए हम अपने भीतर के प्रकाश को जगाएँ, क्योंकि सच्ची दीवाली वही है जहाँ मन का दीपक प्रज्वलित हो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु के सिसोदिया अध्यक्ष, भूरट कोषाध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर की गोडवाड़ भवन में चेयरपर्सन भारती छाजेड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

इस आम सभा में आगामी दो वर्ष 2025-2027 के लिये सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन कर नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु के अध्यक्ष पद की विजय राज सिसोदिया को जिम्मेदारी दी गई। सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बाद सिसोदिया ने आशीक पिरगल को महासचिव, मनोज बाफना, दिनेश लोढ़ा, कमल पुनमिया को उपाध्यक्ष व पदम भूरट को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। साथ ही नवनियुक्त अध्यक्ष सिसोदिया ने रमेश दक, सुशील तलेसरा, भेरूमल भंडारी, अनिल संकलेचा एवं कैलाश संकलेचा को सलाहकार बनाने एवं शीघ्र ही शपथ ग्रहण कार्यक्रम करने की घोषणा की।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैत्री संस्कृत संस्कृति प्रतिष्ठान द्वारा बेंगलूरु स्थित चौड़ेया मेमोरियल हॉल में आयोजित संस्कृत उत्सव कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर प्रतिष्ठान के प्रमुख गणपति हेगड़े, महेंद्र मुणोत एवं अन्य अतिथि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की करीबी सहयोगियों के साथ बैठक, गारंटी सरकार में हड़कंप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार रात अपने करीबी सहयोगियों के साथ एक अलग बैठक करके राज्य की राजनीति में और भी उत्सुकता पैदा कर दी है। नवंबर क्रांति की चर्चाओं के बीच, अलग-अलग बैठकों की संख्या बढ़ती जा रही है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, एच.सी. महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली और अन्य ने शुक्रवार सुबह कैबिनेट बैठक में शामिल होने से पहले एक अलग बैठक की थी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार रात अपने करीबी सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत की। सभी मंत्रियों को सोमवार को रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह हुई तीनों मंत्रियों की गुप्त बैठक में कई मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा हुई। अपने मंत्रालयों में दूसरों के बढ़ते हस्तक्षेप को लेकर मंत्रियों में असंतोष बढ़ गया है। वरिष्ठ होने के बावजूद, उन्हें कुछ प्रभावशाली नेताओं की बातों में आना पड़ रहा है। मंत्री ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि उनकी जानकारी के बिना कुछ फाइलों की समीक्षा की जा रही है। बताया जा रहा है कि मंत्री ने बैठक में मुख्य रूप से आंतरिक आरक्षण और कुरुबा समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के संबंध में केंद्र को की गई सिफारिश पर चर्चा की। इसी तरह, आंतरिक आरक्षण में श्रेणियों के कारण उत्पन्न भ्रम पर भी चर्चा हुई। वामपंथियों को श्रेणी एक और दक्षिणपंथियों को श्रेणी दो में विभाजित किया गया

है और प्रत्येक को 6 प्रतिशत आरक्षण आवंटित किया गया है। हालांकि, चूंकि वामपंथियों को श्रेणी एक का दर्जा दिया गया है, इसलिए किसी भी नियुक्ति या अवसर में उन्हें पहली प्राथमिकता दी जाती है। श्रेणी दो और शेष श्रेणियों के समुदायों को अवसरों से वंचित किए जाने की आपत्तियों पर मंत्रियों की बैठक में चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा करने और कमियों को दूर करने का वादा किया था। इससे पहले, अनुसूचित समुदाय को सभी को विश्वास में लेने के बाद ही आंतरिक आरक्षण आवंटित किया जाता था। हालांकि, इस बात पर आपत्ति है कि श्रेणियों के विभाजन में कुछ समस्याएँ हैं। इसे दूर करने के लिए मंत्री मुनियप्पा को बाहर रखा गया और महादेवप्पा तथा परमेश्वर ने चर्चा की। बसवराज बोम्मई सरकार ने पहले केंद्र से कुरुबा समुदाय को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार ने इस संबंध में कुछ स्पष्टीकरण देने के लिए एक पत्र लिखा है। इस पर व्यापक चर्चा चल रही है और पूर्व सांसद वी.एस. उग्रप्पा ने वाल्मीकि जयंती पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की उपस्थिति में अपनी आपत्ति जताई थी। बी. नागेंद्र के इस्तीफे के बाद अनुसूचित जनजाति विकास विभाग मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के पास है। चूंकि केंद्र सरकार ने कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं, इसलिए अधिक विवरण के साथ आवश्यक सिफारिशें करने की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि समुदाय के हितों की रक्षा के संबंध में हुई बैठक में सतीश जारकीहोली भी शामिल हुए थे। ऐसा माना जा रहा है कि अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद सृजित करने के लिए आलाकमान पर दबाव फिर से बनाया जाएगा। कहा जा रहा है कि कैबिनेट के तीन मंत्रियों द्वारा चर्चा किए गए मुद्दों को उठाने के प्रयासों के बावजूद, मुख्यमंत्री ने चर्चा रोक दी और एक अलग चर्चा आयोजित करने का वादा किया। इसके अनुसार, बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एच.सी. महादेवप्पा, जी. परमेश्वर और सतीश जारकीहोली को रात में अपने घर बुलाया और एक घंटे से ज्यादा समय तक गुप्त चर्चा की। बताया जा रहा है कि इस दौरान मंत्रिमंडल विस्तार पर भी चर्चा हुई। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल नेताओं का बार-बार बैठकें करना कोई नई बात नहीं है। कुछ मुद्दे संवेदनशील थे, इसलिए हमने मंत्रिमंडल के समक्ष अलग से चर्चा की। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रियों द्वारा की गई बैठकों को विशेष रूप से देखने की जरूरत नहीं है। सतीश जारकीहोली, महादेवप्पा और मैं, अपने दोस्तों के साथ, कई बार बैठकें कर चुके हैं, और उसमें कोई राजनीति नहीं होगी। कैबिनेट की बैठक हुई थी। कुछ मुद्दे संवेदनशील थे। इसलिए, उन्होंने कहा कि उन्होंने नाश्ते पर चर्चा की और फिर कैबिनेट बैठक में शामिल हुए। यह पहली बार नहीं है जब ऐसी बैठक हुई है। हमने सतीश जारकीहोली और महादेवप्पा के घरों पर भी इस पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि दलित समुदाय के मंत्रियों की माँगें पूरी नहीं होने पर आपत्ति सही नहीं है। मैंने अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद को लेकर किसी के सामने कोई मांग नहीं रखी थी। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे लोग जिद करते हैं, तो वे इसका जवाब दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नवंबर क्रांति या मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री को खुद ऐसी बातें कहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खुद तय करेंगे कि किसे मंत्रिमंडल में लेना है और किसे नहीं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा बुलाई गई डिनर पार्टी मीटिंग का कोई एजेंडा नहीं है। सभी लोग साथ आए हैं और डिनर किया है, काफी दिन हो गया है। इसलिए मुख्यमंत्री ने हमें आने का न्योता दिया है। हम चलेंगे, इसका कोई और मकसद नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पहले भी कई बार डिनर पार्टी मीटिंग कर चुके हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में राजद पार्टी ने हर घर में एक नौकरी देने का वादा किया है। देश में बेरोज-गारी व्यापक है। इसलिए हो सकता है कि घोषणापत्र में रोज-गार का वादा किया गया हो। सभी घरों को एक दिन में रोजगार नहीं दिया जा सकता। माँग को चरणों में पूरा किया जा सकता है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में राज्य में ढाई लाख रिक्त पदों को भरने का वादा किया था।

हसनम्बा दर्शन शुरू, जिला प्रशासन ने उठाए सुरक्षा के कदम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य भर में प्रसिद्ध हसनम्बा मंदिर के कपाट शुक्रवार से खुल गए और 22 अक्टूबर शाम 7 बजे तक देवी के दर्शन की अनुमति दी गई है। जनता को दर्शन में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए, जिला प्रशासन ने कई कदम उठाए हैं। हासन में ठहरे जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने सुबह से ही मंदिर का दौरा किया और स्वयं सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने छाया व्यवस्था, पेयजल और कतारों में खड़े लोगों के लिए उपलब्ध कराई गई विश्राम सुविधाओं सहित आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने जनता से चर्चा की और जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शौचालय, वाहन पार्किंग व्यवस्था, स्त्री शक्ति स्वयं सहायता समूह और संस्थाओं के विक्रय केंद्रों सहित कई व्यवस्थ-ाओं का स्वयं निरीक्षण किया। सांसद श्रेयस पटेल, जिला कलेक्टर लताकुमारी, पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुचेता आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री कृष्णा गौड़ा ने कहा कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं और जिले के लोगों के लिए मंदिर परिसर में विभिन्न मंच बनाए गए हैं और भजन सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री, विधायक, न्यायाधीश और उच्च अधिकारी सहित गणमान्य व्यक्तियों को सीधे मंदिर में नहीं आना चाहिए, बल्कि पर्यटक मंदिर से गणमान्य व्यक्तियों को मंदिर तक लाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। गणमान्य व्यक्ति जिला मजिस्ट्रेट

कार्यालय में अतिरिक्त जिला कलेक्टर से संपर्क कर सूचित करें कि वे कभी भी मंदिर में आना चाहते हैं। उन्हें निर्धारित समय से एक घंटा पहले हासन स्थित पर्यटक मंदिर में आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वहां से उन्हें एक शानदार वाहन में मंदिर तक ले जाने की व्यवस्था की जाएगी। गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक मंदिर तक ले जाना एक बात है, लेकिन सावधानी भी बरतनी चाहिए ताकि जनता के धैर्य की परीक्षा न हो। जहाँ भीड़ होती है, वहाँ दुर्घटनाओं के कई उदाहरण हैं। बेंगलूरु और चेन्नई सहित कई जगहों पर भगदड़ मची है। उन्होंने कहा कि यहाँ कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सावधानी बरती गई है। मंदिर में गणमान्य व्यक्तियों के दर्शन के लिए की गई व्यवस्था का लगभग सभी ने स्वागत किया है। हो सकता है कि एक-दो लोगों को आपत्ति हो, उन्होंने सभी से सुरक्षा की दृष्टि से सहयोग करने की अपील की। यदि गणमान्य व्यक्तियों के दर्शन के लिए खुली पहुँच प्रदान की जाती है, तो आम लोगों द्वारा आपत्ति व्यक्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के सभी विधायकों ने इस संदर्भ में की गई नई व्यवस्था का सर्वसम्मति से समर्थन किया है। धर्मदेवी के दर्शन के लिए 12 हजार लोग कतार में खड़े हैं। सुबह 10 हजार लोग दर्शन कर चुके थे। संभव है कि प्रतिदिन एक लाख से ज्यादा लोग दर्शन करेंगे। पिछले अनुभवों के आधार पर सभी व्यवस्थाएँ की गई हैं। अब तक सब कुछ सुरक्षित रहा है। उन्होंने कहा कि गणमान्य व्यक्तियों के दर्शन के लिए अलग व्यवस्था करके और पास की संख्या कम करके, आम जनता के दर्शन के लिए 95 प्रतिशत अधिक जगह उपलब्ध कराई गई है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ हैं क्योंकि शनिवार को अधिक लोगों के आने की संभावना है। देवी के दर्शन के लिए किसी को भी ज्यादा देर तक खड़ा नहीं रहना चाहिए, भगवान के दर्शन करके आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रति मिनट 60 से ज्यादा लोगों को दर्शन करने की अनुमति होनी चाहिए। अगर वे एक सेकंड के लिए भी खड़े होते हैं, तो कई लोगों को असुविधा होगी। इसलिए, लोगों को जल्द से जल्द वापस भेजने की सलाह दी गई है।

बेंगलूरु में भारी बारिश के बाद ओआरआर, इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी डूबे

मानसून की मार से शहर का यातायात ठप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में गुरुवार शाम को कई बार हुई बारिश ने यातायात को ठप कर दिया और बेंगलूरु के कई हिस्सों में पानी भर गया, जिससे एक बार फिर शहर का कमजोर बुनियादी ढाँचा और खराब जल निकासी व्यवस्था उजागर हुई। एचएसआर लेआउट और इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी जैसे इलाकों में, बारिश के कुछ ही मिनटों में सड़कें जलमग्न हो गईं और वाहन घुटनों तक पानी में चल रहे थे। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) ने कहा कि बेंगलूरु शहरी और आसपास के जिलों के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, गुरुवार शाम को एचएएल हवाई अड्डे पर 5.1 मिमी, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 3.6 मिमी और केएसएनडीएमसी परिसर में 9.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। शहर के सबसे व्यस्त गलियारों में से एक और कई आईटी कंपनियों का मुख्यालय, आउटर रिंग रोड (ओआरआर) सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक रहा। कडुबीसनहल्ली और डोड्डानेकुंडी के बीच भारी यातायात की सूचना मिली है, जहाँ वाहन चालकों ने बताया कि उन्हें छोटी दूरी तय करने में एक घंटे से ज्यादा का समय लगा।

अधिकारियों ने यात्रियों को वैकल्पिक रास्ते अपनाने की सलाह दी, लेकिन शाम तक जाम की स्थिति बनी रही। इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी फ्लाईओवर पर भी बाढ़ की सूचना मिली, जहाँ जलभराव वाले हिस्सों से वाहन धीमी गति से गुजरे।

नगर निगम अधिकारियों के बार-बार आश्वासन और हाल ही में टोल टैक्स में बढ़ोतरी के बावजूद बार-बार होने वाली समस्याओं पर यात्रियों ने निराशा व्यक्त की। मदिवाला, सिल्क बोर्ड और अगरा सहित प्रमुख चौराहों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित होने के कारण यातायात पुलिस ने शाम तक कई परामर्श जारी किए। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी ने पेड़ों के उखड़ने और शाखाओं के टूटने की कम से कम पाँच घटनाओं की सूचना दी है, जिसके कारण कुछ मोहल्लों में अस्थायी रूप से बिजली गुल हो गई। निवासियों और नागरिक पर्यवेक्षकों ने कहा कि कई मोहल्लों में बार-बार बाढ़ आना बड़ी संरचनात्मक समस्याओं की ओर इशारा करता है, जिसमें वर्षा जल निकासी नालियों का अतिक्रमण और मौजूदा बुनियादी ढाँचे का खराब रखरखाव शामिल है। एचएसआर लेआउट के एक निवासी ने कहा एक छोटी सी बारिश भी हमारी सड़कों पर पानी भरने के लिए पर्याप्त है। यह केवल बारिश की बात नहीं है, यह वर्षों की उपेक्षा की बात है।

किसी भी समय नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में विजयेंद्र के नाम की घोषणा हो सकती है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कई महीनों से अधर में लटकी प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुँच गई है और बी.वाई. विजयेंद्र, जिनके चुने जाने की उम्मीद है, के नाम की घोषणा किसी भी समय हो सकती है। पार्टी के वफादारों ने राज्य भाजपा इकाई से पूर्णकालिक अध्यक्ष के नाम की घोषणा करने का अनुरोध किया था। लेकिन पार्टी के भीतर मतभेदों के कारण, इसे आज या कल कहकर टाला जाता रहा। आखिरकार, शीर्ष नेतृत्व एक ठोस निर्णय पर पहुँच गया है और किसी भी समय आधिकारिक घोषणा की संभावना स्पष्ट है।

नियुक्ति में देरी से स्थानीय निकाय चुनावों जैसे बीबीएमपी, जिला और तालुक पंचायत चुनावों में पार्टी को नुकसान होने की संभावना है। इसके अलावा, एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि नियुक्ति में देरी से राज्य भाजपा में गुटबाजी भी पैदा होने की संभावना है। भाजपा के दिल्ली के नेता इस समय बिहार विधानसभा चुनावों में व्यस्त हैं। इससे राज्य के नेताओं को यह संकेत मिल गया है कि आलाकमान के नेता जनवरी तक कर्नाटक से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित नहीं करेंगे, तो फिर वे राज्य भाजपा में

उच्च पदों पर नियुक्त हुए बिना जनता के सामने कैसे जा सकते हैं? सवाल यह है कि सत्ताधारी दल का सामना कैसे किया जाए। कुछ महीने पहले, विजयेंद्र ने दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इससे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए विजयेंद्र का नाम अंतिम विकल्प बन गया है, और कहा जा रहा है कि अब केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वीकृति का इंतजार है। वोक्कालिगा समुदाय से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए पूर्व मंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण और पूर्व विधायक सी.टी. रवि के नाम की चर्चा है, जबकि ओबीसी समुदाय से करकला विधायक वी. सुनील कुमार के नाम की चर्चा है। विजयेंद्र को पूर्ण कार्यकाल के लिए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने को लेकर भाजपा में तीन गुट हैं। येदियुरप्पा गुट, जो विजयेंद्र की नियुक्ति के पक्ष में है, और भाजपा का असंतुष्ट गुट, जो पार्टी को बीएसवाई के नियंत्रण से मुक्त करने की मांग कर रहा है। इस गुट में मुख्य रूप से पूर्व सांसद जी.एम. सिद्धेश्वर, पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा, अरविंद लिंबावली, रमेश जारकीहोली, विधायक बी.पी. हरीश, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा और अन्य नेता शामिल हैं। तटस्थ गुट में केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना, पूर्व मंत्री सुनील कुमार, सी.टी. रवि और अधिकांश सांसद शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी आलाकमान की नीति है कि नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा से पहले तटस्थ और असंतुष्ट गुट, जो विजयेंद्र के प्रदेश भाजपा के पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में चुनाव का विरोध कर रहे हैं, को विश्वास में लिया जाए। इस संदर्भ में, पूर्व केंद्रीय मंत्री बसवन गौड़ा यतनाल, जो विजयेंद्र की नियुक्ति का कड़ा विरोध कर रहे थे और सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे थे, को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। भाजपा आलाकमान ने असंतुष्ट गुट के विधायक बी.पी. हरीश को अनुशासनात्मक नोटिस जारी किया था, जो अलग-अलग बैठकें कर रहे थे और सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे थे। आलाकमान के इन सभी कदमों को विजयेंद्र के चुनाव का मार्ग प्रशस्त करने के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। उन्होंने आलाकमान को यह संदेश भी दिया है कि अगर उन्हें अध्यक्ष पद दिया जाता है तो वह केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ने को तैयार हैं। वरिष्ठ पार्टी नेता सी.टी. रवि, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण, अरविंद लिंबावली, पूर्व मंत्री सुनील कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे अगर पार्टी उन्हें अनुमति देती है तो प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के इच्छुक बताए जा रहे हैं। भाजपा आलाकमान ने इन सभी नामों पर विचार किया है और कहा जा रहा है कि दिल्ली आलाकमान का मानना है कि शक्तिशाली लिंगायत समुदाय से ताल्लुक रखने वाले और येदियुरप्पा का आशीर्वाद प्राप्त विजयेंद्र मौजूदा हालात में सही विकल्प हैं। विजयेंद्र ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के खिलाफ एक मजबूत भाजपा संगठन बनाने और अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता में लाने की क्षमता नहीं है। शीर्ष सूत्रों के अनुसार, असंतुष्ट गुट ने दिल्ली आलाकमान को स्पष्ट कर दिया है कि बीवाईवी के अलावा किसी और को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की आवश्यकता है।

ओडिशा की सामाजिक कार्यकर्ता ने कामकाजी महिलाओं के लिए मासिक धर्म अवकाश का प्रस्ताव रखा था: संतोष लाड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री संतोष लाड ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने ओडिशा की सामाजिक कार्यकर्ता रंजीता प्रियदर्शिनी के प्रस्ताव के बाद महिलाओं को साल में 12 दिन का सवेतन मासिक धर्म अवकाश देने का सर्वसम्मति से फैसला लिया है। उडुपी में पत्रकारों से बात करते हुए, लाड ने कहा कि महिलाओं के लिए सवेतन मासिक धर्म अवकाश के लिए अभियान चला रही कार्यकर्ता ने एक साल पहले उनसे मुलाकात की थी और इस संबंध में एक प्रस्ताव दिया था। सरकार का यह फैसला महिलाओं, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग की महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाएगा।

परिधान और अन्य छोटे उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं को इस कदम से लाभ होगा। मंत्री ने कहा कि सरकार ने मासिक धर्म संबंधी समस्याओं से जूझ रही कई कामकाजी महिलाओं के मद्देनजर इस प्रस्ताव का अध्ययन करने के लिए एक समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य भर से जनता की प्रतिक्रिया एकत्र करने के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना के तहत एक कामकाजी महिला हर महीने एक दिन का सवेतन अवकाश ले सकती है। महिलाएं मासिक धर्म अवकाश के पक्ष में हैं, लेकिन कई लोग नीति से परे देखने की मांग कर रही हैं। मंत्रिमंडल विस्तार की अफवाहों पर बोलते हुए लाड ने कहा कि विस्तार मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। मुख्यमंत्री नियमित रूप से रात्रिभोज बैठकें करते हैं और इसे कोई विशेष महत्व नहीं दिया जा सकता। चित्रदुर्ग से कांग्रेस विधायक के.सी. वीरेंद्र पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगातार छापेमारी के बारे में लाड ने कहा कि विधायक ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए कोई धन नहीं दिया है। मंत्री ने कहा मुझे नहीं पता कि वह धन देंगे या नहीं, लेकिन उनमें निश्चित रूप से क्षमता है। भारतीय जनता पार्टी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए, लाड ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार कथित तौर पर 60,000 करोड़ के घोटाले में शामिल हैं। इसी तरह, असम के मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा पर भी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। लाड ने चुटकी लेते हुए कहा हालांकि जब दोनों भाजपा, एनडीए के साथ जुड़ जाते हैं, तो वे बेदाग हो जाते हैं। लाड ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अब तक देश भर में 25 से ज्यादा नेताओं को इसी तरह 'शुद्ध' किया है।

बिना उचित तैयारी के जल्दबाजी में जाति जनगणना

राज्य सरकार की जीबीए चुनावों के लिए तैयारी कहाँ है: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने बिना पर्याप्त तैयारी के जाति जनगणना कराने का जल्दबाजी में फैसला लेने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की है। विधानसभा में शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि गणनाकार के रूप में नियुक्त शिक्षकों को भी खराब योजना के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जनगणना के लिए छुट्टियों को बढ़ाने से ग्रामीण छात्रों, खासकर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को परेशानी हो रही है। इन बच्चों के लिए स्कूल का हर एक दिन महत्वपूर्ण है, फिर भी सरकार ने अनावश्यक छुट्टियां घोषित कर दी हैं, जिससे उनकी शिक्षा बाधित हो रही है। विजयेंद्र ने आगे आरोप लगाया कि सरकार ने विधायकों के साथ बैठक का एजेंडा साझा किए बिना ही ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) की पहली बैठक बुला ली थी। उन्होंने कहा वे बिना किसी पारदर्शिता के, गुप्त रूप से बैठक कर रहे हैं। वे दिसंबर में चुनाव कराने की बात करते हैं, लेकिन तैयारी कहाँ है? कितने अधिकारी नियुक्त किए जाएँगे? बुनियादी ढाँचे का क्या? कोई ठोस आधार ही नहीं है। वे बिना किसी योजना के राजनीति से प्रेरित घोषणाएँ कर रहे हैं। विजयेंद्र ने बेंगलूरु की सड़कों के रखरखाव में सरकार की विफलता पर निशाना साधते हुए कहा बेंगलूरु के लोग इस सरकार से निराश हैं।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार प्रधानमंत्री आवास के पास और अन्य जगहों पर गड्ढे गिनने में व्यस्त हैं, जबकि बेंगलूरु के नागरिक गड्ढों के बीच सड़कें ढूँढने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा सरकार लंदन और प्रधानमंत्री की बात करती है, लेकिन क्या उन्हें पहले बेंगलूरु को ठीक नहीं करना चाहिए? इस शहर के लोग सड़कों की मरम्मत के लिए तत्काल कार्रवाई की माँग कर रहे हैं, खोखले वादों की नहीं। विजयेंद्र ने कहा पूरा प्रशासन अव्यवस्थित है।

उन्होंने सवाल किया, किसान पहले से ही संकट में हैं और अब भारी बारिश ने उत्तरी कर्नाटक में उनकी स्थिति और खराब कर दी है। फिर भी कृषि और राजस्व मंत्री प्रभावित इलाकों का दौरा तक नहीं कर पाए हैं। अगर उनके पास पीड़ित किसानों से मिलने का समय नहीं है, तो वे मंत्री ही क्यों बने रहें?

उन्होंने कहा अगर विपक्षी नेता और मैं कल्याण कर्नाटक के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं करते, तो मुख्यमंत्री आराम से अपने वातानुकूलित कार्यालय में बैठकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फैसले ले रहे होते। हमने बीदर, कलबुर्गी, रायचूर और यादगीर का दौरा किया, जबकि अशोक और अन्य बेलगावी और बागलकोट गए। सरकार को किसानों को मुआवजा देने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, उन्हें अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता। यहाँ तक कि कृषि मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा का 10 दिनों के भीतर मुआवजा देने का वादा भी पूरा नहीं हुआ है। मांड्या में माईशुगर फैक्टरी मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भाजपा सदस्य जीबीए की बैठक में शामिल नहीं हो सकते। उन्होंने कहा जब एजेंडा ही साझा नहीं किया गया है, तो बैठक में शामिल होने का क्या मतलब है? यहाँ तक कि सत्ताधारी पार्टी के विधायक भी इस मामले को जिस तरह से संभाला जा रहा है, उसका विरोध कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार जनता की सेवा करने से ज्यादा अंदरूनी कलह को पाटने में लगी है। यह रियल एस्टेट माफिया के साथ मिलकर चलने वाला प्रशासन बन गया है। राजनीतिक घटनाक्रमों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, विजयेंद्र ने कहा कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों की प्रतिक्रियाओं को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि सत्ताधारी पार्टी में सब ठीक नहीं है। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि बिहार चुनाव के बाद मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचेगा।

मंजनाडी त्रासदी: जांच अधिकारी की अनुपस्थिति पर विरोध के बाद टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मीडिया में मंजनाडी उरुमनेकोडी त्रासदी में जीवित बचे अश्विनी को नोटिस जारी करने वाले अधिकारियों की अनुपस्थिति को उजागर करने वाली खबरों के बाद, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता जयप्रकाश, जो पहले अस्वस्थ बताए गए थे, के नेतृत्व में एक टीम ने गुरुवार को घटनास्थल का दौरा किया और कंक्रीट की सड़क, मिट्टी और ढहे हुए घर के आसपास का विस्तृत निरीक्षण और माप लिया। निरीक्षण दल में उल्लाल तालुका पंचायत के कार्यकारी अधिकारी गुरुदत्त, जिला पंचायत सिंचाई विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता नितेश और पंचायत विकास अधिकारी राम्या शामिल थे। टीम ने गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे घटनास्थल का दौरा किया। कंक्रीट की सड़क के शुरू से अंत तक, सड़क से ढहे हुए घर तक, घर के पीछे से पहाड़ी तक और पास की नाले से घर के पीछे पहाड़ी तक माप लिया गया। कार्यकारी अभियंता जयप्रकाश ने कहा विश्लेषण के बाद एक वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

परिवार को 2013 में बसव कल्याण योजना के तहत एक घर मिला था और उस समय उन्होंने आरसीसी का घर बनवाया था। पहले टाइल वाले घर का कोई रिकॉर्ड नहीं है। पहाड़ी पर कंक्रीटिंग के लिए इस्तेमाल की गई मशीनों के निशान दिखाई देते हैं।

इस साल, बारिश जल्दी शुरू हो गई और दक्षिण कन्नड़ जिले में कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है। रिपोर्ट की जाँच के बाद सच्चाई का पता चलेगा। 30 मई को, घर ढहने से प्रेमलता (60) और उनके पोते आर्यन (3) और आरूष (2) की मौत हो गई थी, जो मलबे में दब गए थे। घर के मालिक कंथप्पा पुजारी का एक पैर कट गया, जबकि उनकी बेटी अश्विनी के दोनों पैर कट गए और वह जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। परिवार ने आरोप लगाया था कि भारी बारिश के अलावा, उनके घर के पीछे पहाड़ी को काटकर सड़क निर्माण और कंक्रीटिंग के काम ने भी इस त्रासदी में योगदान दिया। परिवार ने शिकायत की थी कि पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया और मंजनाडी ग्राम पंचायत ने सरकार को गुमराह करने के लिए सड़क को 'मानव निर्मित रास्ता' और ढही हुई इमारत को 'पुराना घर' बताकर झूठी रिपोर्ट पेश की थी।

उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव और मानवाधिकार आयोग से न्याय की गुहार लगाई थी। इसके बाद, सिंचाई विभाग को मौके का निरीक्षण करने और निर्धारित समय के भीतर पुलिस को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया था। विभाग ने अश्विनी को 7 अक्टूबर को व्हाट्सऐप पर निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहने का नोटिस भेजा था। 8 अक्टूबर को अधिकारियों के उपस्थित न होने पर, परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई और दोनों पैर गंवा चुके अश्विनी को बुलाने और फिर न आने को अमानवीय बताया। मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि जाँच अधिकारी ने फोन पर बीमारी का हवाला दिया था। जनता की आलोचना के जवाब में, अधिकारी ने 9 अक्टूबर को घटनास्थल का दौरा किया और माप-जोख की।

क्या यह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कार्यकाल का अंत है: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने विश्लेषण किया है कि नवंबर क्रांति और मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई रात्रिभोज बैठक के बीच गहरा संबंध है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि लोगों को लग रहा है कि कांग्रेस में कोई बड़ा बदलाव हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने खुद रात्रिभोज बैठक बुलाई है। कुछ मंत्री अलग-अलग बैठकें कर रहे हैं। ये सभी मुद्दे क्रांति के साथ-साथ चल रहे हैं। कुल मिलाकर, रात्रिभोज बैठक एक खास बात है। उन्होंने सवाल किया कि ढाई साल में रात्रिभोज बैठक कब हुई? क्या यह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कार्यकाल का अंत है? क्या शिवकुमार का मुख्यमंत्री कार्यकाल का अध्याय भी शुरू हुआ था जैसा कि डी.के. शिवकुमार का गुट कह रहा है? क्या कांग्रेस पार्टी, जो 75 साल से ज्यादा समय से मुख्यमंत्री के मुद्दे पर दलितों को धोखा दे रही है, आखिरकार दलित मुख्यमंत्री का मुद्दा खोलेगी? डॉ. परमेश्वर को मुख्यमंत्री बनाने का विचार सामने आ रहा है। सिद्धरामैया पक्ष इस बारे में बात कर रहा है, और क्या सिद्धरामैया ने डॉ. परमेश्वर को लाने के बारे में सोचा था? लोगों के मन में कई सवाल आ रहे हैं। चावल के साथ दाल वाली इंदिरा किट देने के सरकार के फैसले के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 5 किलो चावल 5 गारंटियों में था। चावल कभी नहीं दिया गया। मोदीजी अब तक उतना ही चावल देते आ रहे हैं जितना देते हैं। अब इसे इंदिरा का नाम क्यों दिया जा रहा है? उन्होंने कहा कि यह सब कांग्रेस के भीतर गुलामी के अलावा और कुछ नहीं है। कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पप्पी के बारे में खबर है कि उन्होंने बिहार चुनाव के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये दान देने की पेशकश की है। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का कहना है कि उन्होंने इतनी रकम दान करने के लिए मंत्री बनने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने सुना है कि ईडी के छापे में 400 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली है। उन्होंने बताया कि उन्होंने सुना है कि छापेमारी के दौरान 50 किलो सोना मिला था। इस कांग्रेस पार्टी में वे अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो घोर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने आलोचना की कि कांग्रेस के भीतर सैकड़ों परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

जीबीए मामले में घर तोड़ने का काम कर रही सरकार: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि संविधान का 74वां संशोधन स्थानीय निकायों के लिए भगवद गीता जैसा है। नए निगम के लिए महापौर सर्वोच्च होता है। अगर कोई जिला पंचायत अध्यक्ष होता है, तो वह सर्वोच्च होता है। मुख्यमंत्री परियोजनाओं को मंजूरी देकर घर तोड़ने का काम कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा हमें 5 निगमों की क्या जरूरत है? आप योजना प्राधिकरण हैं। बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इंजीनियरों को सीईओ बनाया गया है। भविष्य में वे ही टेंडर डालेंगे। मेट्रो और अंडरपास सुरंगों का काम भी वे ही करेंगे। परिषद को इसे मंजूरी देकर महापौर के माध्यम से सरकार को भेजना चाहिए था। उन्होंने शिकायत की कि वे ही ऐसा कर रहे हैं। इसी बैठक में सड़क निर्माण कार्यों को भी मंजूरी दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम ध्वस्त हो गया है।

उन्होंने सरकारी पैसे से सभी अखबारों में विज्ञापन दिए हैं। उन्होंने स्थानीय विधायकों को कार्यक्रम में न बुलाए जाने की आलोचना की। उन्होंने शिकायत की कि यह संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि ऐसा सभी क्षेत्रों में हुआ है। राज्य सरकार ने ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी की बैठक बुलाई है। यह सवाल करते हुए कि क्या इसे सरकार कहा जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि सरकार का मतलब कानून, व्यवस्था और संविधान है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि एजेंडा दोपहर 12 बजे घर भेजा गया और बैठक शाम 4 बजे हुई। जो भी सूचना दी गई, वह 7 दिन पहले दी जानी चाहिए थी। अथॉरिटी की बैठक के लिए नियम और कानून होते हैं। उन्होंने आलोचना की कि इसे मनमाने ढंग से नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि मैं सुबह कार्यक्रम के लिए घर से निकला था। इससे उनकी योग्यता स्पष्ट हो जाएगी। आर. अशोक ने सवाल किया कि अगर गड्ढे बंद हैं और आवाजाही सुचारू है, तो यातायात की समस्या कैसे पैदा हो सकती है। अगर गड्ढे ही विकास हैं, तो मुझे उनके बारे में भी बताइए। उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि रिंग रोड पर, जहाँ लाखों बसें और गाड़ियाँ चलती हैं, कूड़े का ढेर लगा हुआ है। उन्होंने सवाल किया कि इस बैठक का उद्देश्य क्या है? ढाई साल में कोई अनुदान नहीं दिया गया। 25 करोड़ की बात कहे हुए 3 महीने हो गए हैं। उन्होंने अखबारों में लिखा था कि बेंगलूरु तेजी से विकास कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारे विधायक रघु कह रहे हैं कि अभी कोई सरकारी आदेश नहीं है। उन्होंने पूछा कि आदेश कब स्वीकृत होगा। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस दिसंबर तक राशि नहीं आएगी। वे 5 निगम बनाने जा रहे हैं। आर. अशोक ने पूछा कि बेंगलूरु सेंट्रल के अलावा 120 लोगों की परिषद बैठक आयोजित करने के लिए और कहाँ जगह है? 20 नामांकित व्यक्ति और 40 अधिकारी बैठने चाहिए। 30 मीडियाकर्मी भी होंगे। उन्होंने पूछा कि 200 लोगों के बैठने वाले 4 हॉल कहाँ हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह बैठक कानून के अनुसार आयोजित की गई थी। हमने परिषद में लड़ाई लड़ी। अब हमने कानून के अनुसार जनहित याचिका दायर की है। विधायक एस.आर. विश्वनाथ, मुनिरत्न, एस. मुनिराजु, एस. रघु, सी.के. राममूर्ति, विधान परिषद सदस्य गोपीनाथ रेड्डी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरिगौड़ा उपस्थित थे।

प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भाजपा ने विरोध में होम का आयोजन किया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली में एक सरकारी कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के उल्लंघन और कुरान की आयतों के पाठ का आरोप लगाते हुए, हुब्बल्ली धारवाड़ पश्चिम के विधायक अरविंद बेलाड के नेतृत्व में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को धारवाड़ में अपना विरोध दर्ज कराने के लिए एक 'होम' आयोजित किया। बेलाड और अन्य नेताओं के नेतृत्व में, भाजपा ने धारवाड़ में उपायुक्त कार्यालय के सामने 'मुल्ला मोक्ष होम' आयोजित किया, जिसमें पुजारियों ने श्लोकों का पाठ करते हुए अनुष्ठान किए। इस अनोखे विरोध प्रदर्शन ने कई राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि 'होम' आयोजित करके विरोध प्रदर्शन हाल ही में हुब्बल्ली में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान कुरान के पाठ के प्रति प्रतिक्रिया स्वरूप और प्रतीकात्मक रूप से सरकारी विभागों को शुद्ध करने के लिए किया गया था।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए बेलाड ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने एक सरकारी कार्यक्रम को पार्टी समारोह में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली के वार्ड संख्या 34 में आयोजित सरकारी कार्यक्रम को पार्टी कार्यक्रम में बदल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया और अधिकारियों के सामने कुरान की आयतें पढ़ी गईं, जो पूरे कार्यक्रम के दौरान मूकदर्शक बने रहे। बेलाड ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यक तुष्टिकरण को और भी चरम पर ले गई है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट के लिए 37 मामले दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने अपने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल (एसएमएमसी) पहल के तहत इस साल की शुरुआत से अब तक कुल 37 मामले दर्ज किए हैं, 18 लोगों को गिरफ्तार किया है और 41 सोशल मीडिया अकाउंट्स के साथ-साथ विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर आरोपियों द्वारा शेयर की गई 19 आपत्तिजनक पोस्ट्स को भी हटाया है। शहर भर के सभी पुलिस थानों के अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सांप्रदायिक नफरत, झूठी खबरें और सार्वजनिक सौहार्द बिगाड़ने वाली अपमानजनक या भड़काऊ सामग्री फैलाने वाले पोस्ट्स की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। इस कार्रवाई के दौरान, कई भड़काऊ पोस्ट्स की पहचान की गई और उनके आधार पर मामले दर्ज किए गए हैं। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई है। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे ऐसे पोस्ट्स का समर्थन, समर्थन या शेयर न करें जो सामाजिक सौहार्द बिगाड़ सकते हैं। पुलिस ने सलाह दी है कि सोशल मीडिया पर किसी भी जानकारी पर टिप्पणी करने या उसे फॉरवर्ड करने से पहले, लोगों को ऐसी सामग्री की प्रामाणिकता और सत्यता की पुष्टि कर लेनी चाहिए। पुलिस ने कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सीएमसी अधिकारियों ने केंद्रीय बस टर्मिनल के बाहर से ठेले और खोखे हटाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, यादगीर नगर निगम परिषद (सीएमसी) के अधिकारियों ने यादगीर शहर के केंद्रीय बस टर्मिनल के ठीक बाहर अतिक्रमण हटा दिया।

सीएमसी के परिसर में कई ठेले और खोखे चलते हैं जहाँ विक्रेता फल, टिफिन, चाय-कॉफी, कोल्ड ड्रिंक और अन्य भोजनालय बेचते हैं। कई खरीदारों ने यातायात में व्यवधान की शिकायत की है, क्योंकि खरीदार अक्सर व्यस्त सड़क के किनारे खड़े रहते हैं।

इसके अलावा, ऑटोरिक्शा अक्सर इन दुकानों के सामने खड़े रहते हैं, जिससे भीड़भाड़ और सार्वजनिक शोर बढ़ता है। सीएमसी की अध्यक्ष कुमारी ललिता अनापुर ने कहा जनता की असुविधाओं को देखते हुए, सीएमसी को कार्रवाई करने और यहाँ की सभी दुकानें हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी ओर, खरीदारों ने सीएमसी से अनुरोध किया कि उन्हें व्यवसाय चलाने की अनुमति दी जाए क्योंकि ऐसे व्यवसायों से होने वाली आय से परिवार की जरूरतें पूरी होती हैं। अनापुर ने कहा सीएमसी यातायात को बाधित किए बिना ऐसे व्यवसायों के लिए एक विशेष स्थान तय करने की योजना बनाएगी। लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सीएमसी को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा दुकानदारों से अवैध किराया वसूली की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, हमें केवल दुकानदारों और ठेला विक्रेताओं की अव्यवस्थित व्यावसायिक गतिविधियों की चिंता थी। उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हमने सभी अतिक्रमण हटा दिए हैं और हमारा गरीब विक्रेताओं को कोई नुकसान पहुँचाने का कोई इरादा नहीं है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को समृद्ध हिंद-प्रशांत का सह निर्माता बताया

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आस्ट्रेलिया को सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत का सह-निर्माता बताते हुए रक्षा साजोसामान और प्रणालियों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए उसका स्वागत किया। रक्षा मंत्रालय ने यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी।

श्री सिंह ने यहां आयोजित भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा उद्योग व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया क्वांटम सिस्टम, स्वचालित अंडरवाटर व्हीकल्स और उन्नत समुद्री निगरानी जैसी विशिष्ट तकनीकों में उत्कृष्ट है, जबकि भारत विशाल विनिर्माण पैमाने, सॉफ़्टवेयर क्षमताओं और जहाज निर्माण, मिसाइल तकनीक तथा अंतरिक्ष में स्वदेशी क्षमता प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि यह गोलमेज सम्मेलन हमारे रक्षा उद्योग सहयोग में अप्रयुक्त क्षमता का दोहन करने के लिए एक बड़ा उत्प्रेरक हो सकता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और डिजिटल परिवर्तन जैसी पहलों ने नवाचार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। नीति गत सरलीकरण से रक्षा उत्पादन इको-सिस्टम को निरंतर आसान बनाया जा रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया की कंपनियों की प्रणोदन प्रौद्योगिकियों, स्वचालित जल-जल वाहनों, उड़ान सिमुलेटरों और उन्नत सामग्रियों सहित उच्च-स्तरीय प्रणालियों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि ये उद्यम दोनों देशों के रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप अंतर-संचालनीय प्लेटफ़ॉर्म बनाने में मदद कर सकते हैं।

साझेदारी के विशिष्ट क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए, श्री सिंह ने कहा कि भारत अपनी मज़बूत जहाज निर्माण क्षमताओं, विविध विनिर्माण आधार और निजी क्षेत्र के नवप्रवर्तकों एवं स्टार्ट-अप्स के बढ़ते इको-सिस्टम के साथ, एक विश्वसनीय साझेदार बनने के लिए तैयार है।

श्री सिंह ने रक्षा सामान और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रस्ताव का भी स्वागत करते हुए भविष्य में मौजूद अपार अवसरों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई और सहयोगी देशों के जहाजों के लिए भारत में नौसैनिक जहाजों और उप-प्रणालियों के सह-उत्पादन, जहाज मरम्मत, रीफिटिंग और एमआरओ सहायता, स्वायत्त प्रणालियों और हरित जहाज निर्माण प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास के अपार अवसर मौजूद हैं।

श्री सिंह ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर, संयुक्त क्षमताओं का निर्माण करके और नवाचार में निवेश करके, दोनों देश एक उदार, सुरक्षित और आत्मनिर्भर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में योगदान दे सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी एक निर्णायक क्षण में है और रणनीतिक हितों का अभिसरण, उद्यो-गों की ऊर्जा और नेतृत्व की दूरदर्शिता के साथ मिलकर, दोनों देशों को भविष्य को एक साथ आकार देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

इस गोलमेज सम्मेलन का आयोजन रक्षा मंत्रालय, ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग, न्यूलैंड ग्लोबल ग्रुप और ऑस्ट्रेलिया-भारत व्यापार परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील के साथ-साथ दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, राजनयिक, उद्योग जगत दिग्गज, अनुसंधान संस्थान भी शामिल हुए।

राज्यसभा के लिए नेकां ने मैदान में उतारे तीन प्रत्याशी

चौथी सीट के लिए कांग्रेस से बातचीत जारी

जम्मू, 10 अक्टूबर (ब्यूरो)। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने शुक्रवार को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। चौधरी मुहम्मद रमजान, शम्मी ओबेराय और सज्जाद किचलू को चुनाव लड़ने के लिए नामित किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज देर रात तक अपने उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दे सकती है।

नेकां महासचिव अली मुहम्मद सागर ने कहा कि पार्टी ने तीन उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं और वर्तमान में चौथी सीट के लिए कांग्रेस के साथ बातचीत कर रही है। सागर ने कहा, हमने एक सीट खाली रखी है और कांग्रेस के साथ बातचीत जारी है। नेकां नेताओं ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या वे तीन सुरक्षित सीटों में से एक को कांग्रेस के लिए छोड़ने का इरादा रखते हैं या उन्हें एक प्रतिस्पर्धी सीट देने का इरादा रखते हैं जहां भाजपा को बढ़त हासिल है। चौथी सीट के लिए गठबंधन के पास 24 वोट हैं, जबकि भाजपा के पास 28 वोट हैं।

इस बीच भाजपा की ओर से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना सबसे आगे चल रहे हैं। इस दौड़ में अन्य उम्मीदवारों में सुनील सेठी (जम्मू कश्मीर भाजपा इकाई के मुख्य प्रवक्ता), निर्मल सिंह (पूर्व उपमुख्यमंत्री) और सत शर्मा (प्रदेश अध्यक्ष) शामिल हैं। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि भाजपा तीसरी सीट के लिए केवल एक उम्मीदवार उतारेगी, जहां दो सीटों के लिए संयुक्त चुनाव होगा, या सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व वाले

गठबंधन को प्रतीकात्मक चुनौती देने के लिए अन्य दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

कांग्रेस मुख्यभूमि जम्मू से अपना उम्मीदवार उतार सकती है, जहां पार्टी ने 2014 के बाद से किसी भी चुनाव में कोई सीट नहीं जीती है। उनके अनुसार, उदय भानु चिब (भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष) और रमन भल्ला (पूर्व मंत्री) टिकट के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। चिब, गुलाम नबी आजाद के बाद, जो 1980 में इस पद पर थे, जम्मू और कश्मीर से भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बनने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। उन्होंने पुणे विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री और हिमाचल प्रदेश के अरनी विश्वविद्यालय से एमबीए किया है। गुलाम अहमद मीर (विधायक) को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

कमजोरों को दबाने की राजनीति लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा : खड़गे

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों पर लगातार हमलों से स्पष्ट है कि देश में कमजोर वर्गों को दबाने की राजनीति चल रही है जो लोकतंत्र के लिए घातक है।

श्री खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा नरेन्द्र मोदी जी, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2013 से 2023 के बीच दलितों के खिलाफ़ अपराधों में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आदिवासियों के खिलाफ़ 91 फीसदी अपराध बढ़ें हैं। हरियाणा में आईपीएस अधिकारी से जातिगत भेदभाव, हरिओम वाल्मीकि की प्रताड़ना, मुख्य न्यायाधीश पर हमला और उसको जायज़ ठहराने की भाजपाई सोच और भाजपा शासित राजस्थान के सवाई

माधोपुर ज़िले में दलित बुजुर्ग महिला कमला देवी रैगर पर अत्याचार...ये सभी ताज़ा घटनाएँ सिर्फ़ अलग-अलग वारदातें नहीं हैं, बल्कि आरए-सएस-भाजपा की सामंतवादी सोच का खतरनाक प्रदर्शन है।

उन्होंने कहा कि यह सिलसिला संविधान, सामाजिक न्याय और समानता के मूल सिद्धांतों पर सीधा हमला है। दलित, पिछड़े, आदिवासी और वंचित समाज को डराकर दबाने की यह राजनीति लोकतंत्र के लिए गम्भीर खतरा है।

श्री खरगे ने कहा भारत संविधान से चलेगा,न कि किसी कट्टर विचारधारा के फरमान से। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक और कमज़ोर वर्ग इसका ख़ामियाज़ा भुगत रहे हैं और आप इन पर अपनी आँखे बंद कर अपने ही तमाशों में व्यस्त हैं।

भारत के कर सुधार निर्णायक चरण में, परदर्शी सिस्टम तैयार करने पर फोकस : नीति आयोग

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के कर सुधार एक निर्णायक चरण में है और सरलीकरण, आधुनिकीकरण और कर प्रशासन में विश्वास के एकीकरण पर फोकस किया जा रहा है।

यह जानकारी शुक्रवार को नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम की ओर दी गई। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे भारत प्रवर्तन-संचालित अनुपालन से विश्वास-आधारित शासन की ओर बढ़ रहा है, फोकस आनुपातिक, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रवर्तन सिस्टम पर केंद्रित होना चाहिए जो करदाताओं को सशक्त बनाते हुए राजकोषीय अखंडता की रक्षा करें।

नीति आयोग ने शुक्रवार को नीति टैक्स पॉलिसी वर्किंग पेपर सीरीज-खख के तहत दूसरा वर्किंग पेपर जारी किया, जिसका शीर्षक भारत के कर परिवर्तन की ओर: गैर-अपराधीकरण और विश्वास-आधारित शासन था।

इस वर्किंग-पेपर में आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत आपराधिक प्रावधानों का व्यापक मूल्यांकन किया गया है और उनकी आवश्यकता, आनुपातिकता और सरकार के व्यापक सुधार एजेंडे के साथ संरेखण का मूल्यांकन किया गया है।

साथ ही, इसमें दंड को तर्कसंगत बनाने, छोटे और प्रक्रियागत गैर-अनुपालनों को अपराधमुक्त करने और न्यायिक विवेकाधिकार को सुदृढ़ करने के लिए सिद्धांत-आधारित ढांचे का प्रस्ताव किया गया है।

नीति आयोग के वर्किंग-पेपर में कहा गया कि 2025 अधिनियम में कई पुराने अपराधों को खत्म कर दिया गया है, लेकिन 13 प्रावधानों में 35 कार्यों और गलती को आपराधिक श्रेणी में रखा गया है, जिनमें से अधिकांश में अनिवार्य कारावास का प्रावधान है।

वर्किंग-पेपर में एक सुनियोजित गैर-अपराधीकरण रोडमैप की सिफारिश की गई है, जिसमें मामूली प्रक्रियागत चूक के लिए कारावास को हटाना, धोखाधड़ी या जानबूझकर कर चोरी से जुड़े मामलों तक ही आपराधिक दंड को सीमित करना और सिविल और प्रशासनिक सजा की भूमिका को बढ़ाना शामिल है।

सुब्रह्मण्यम के अनुसार, ऐसे सुधारों से मुकदमेबाजी कम होगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के अनुरूप एक निष्पक्ष और पूर्वानुमानित कर व्यवस्था के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

इस कार्यक्रम में सीबीडीटी, सीबीआईसी, आईसीएआई, डीपीआईआईटी के प्रतिनिधियों और प्रमुख कर विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने नीति आयोग के कर नीति सलाहकार समूह (सीजीटीपी) के साथ मिलकर काम किया है, जिसका नेतृत्व नीति आयोग के विशिष्ट फेलो डॉ. पीएस पुनिहा और नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक संजीत सिंह कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने स्पेशल क्लीनिंग कैंपेन 5.0 शुरू किया, 31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 'स्पेशल क्लीनिंग कैंपेन 5.0' शुरू किया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जानकारी दी कि यह अभियान 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

विदेश मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 4 से 31 अक्टूबर 2025 तक 'स्पेशल क्लीनिंग कैंपेन 5.0' शुरू किया गया है, जो स्वच्छता ही सेवा के तहत एक विशेष सफाई अभियान है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यालयों में स्वच्छ और स्वस्थ

कार्य वातावरण प्रदान करना है। अभियान के दौरान मंत्रालय कार्यालयों में सफाई की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, कचरे के सही निपटान और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही सार्वजनिक शिकायतों के त्वरित निपटान और कार्य पेंडेंसी कम करने पर भी जोर रहेगा।

इससे पहले, मंत्रालय ने 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मंत्रालय के सभी कार्यालयों, विदेश मिशनों, पोस्टों और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में चलाया गया। इस दौरान 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और 'स्वच्छ भारत दिवस' भी मनाया गया। विदेश मंत्रालय ने 'स्वच्छता ही सेवा 2025' के पांच मुख्य क्षेत्रों पर फोकस किया, जिसमें स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों का परिवर्तन, स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, सफाईमित्र सुरक्षा शिविर, क्लीन ग्रीन उत्सव और जागरूकता अभियान शामिल रहे।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस पहल का नेतृत्व किया और 25 सितंबर को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' श्रमदान कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस अभियान के तहत मंत्रालय ने पहले ही स्वास्थ्य शिविर, 25 से अधिक सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, 276 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों की सफाई, स्वच्छता रन, साइक्ल-ोथॉन, पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिताएं, मानव श्रृंखला, घर-घर जागरूकता अभियान, वेस्ट टू आर्ट इंस्टॉलेशन, सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान और बड़े पैमाने पर सफाई कार्य किए। मंत्रालय ने साफ-सफाई के प्रति समर्पित इस पहल को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया है ताकि हर कार्यालय और सार्वजनिक क्षेत्र में स्वच्छता कायम रहे।

दोनों लापता पैरा कमांडो के शव मिले, खराब मौसम का हुए थे शिकार

जम्मू, 10 अक्टूबर (ब्यूरो)। दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग के ऊपरी इलाकों से एक और पैराजंपर कमाडो का शव बरामद किया गया है। तीन दिन पहले दोनों पैरा-जंपर भीषण बर्फीले तूफान के बीच इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान लापता हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण दोनों जवानों से संपर्क टूट जाने के तुरंत बाद शुरू किए गए तलाशी और बचाव अभियान के दौरान जवान का शव बरामद किया गया। इससे पहले, इसी इलाके से एक पैराट्रूपर का शव बरामद किया गया था। दोनों जवान कोकरनाग की बर्फीली चोटियों पर तलाशी

अभियान चला रहे एक विशेष अभियान दल का हिस्सा थे।

दूसरे शव की बरामदगी के साथ ही दुर्गम इलाके और कड़ाके की ठंड के बावजूद जारी गहन तलाशी अभियान समाप्त हो गया है। पार्थिव शरीर को औपचारिक पहचान और उसके बाद सैन्य सम्मान के लिए भेजा जाएगा।

आरजेडी के बागी विधायक चेतन आनंद का इस्तीफा, बिहार की राजनीति में मचा भूचाल

शिवहर , 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में शुक्रवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब आरजेडी के बागी विधायक चेतन आनंद ने अपने विधानसभा सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना त्यागपत्र बिहार विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है। चेतन आनंद ने 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी के टिकट पर शिवहर सीट से भारी बहुमत से जीत दर्ज की थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उनका पार्टी नेतृत्व से मनमुटाव जारी था। बताया जाता है कि संगठनात्मक निर्णयों और नेतृत्व की कार्यशैली से वे असंतुष्ट थे।

फ्लोर टेस्ट के दौरान एनडीए का समर्थन कर उन्होंने सबको चौंका दिया

था। इस कदम के बाद से ही वे आरजेडी नेतृत्व के निशाने पर आ गए थे। कई मंचों से उन्होंने आरजेडी के खिलाफ बयान दिए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों की खुलकर तारीफ की।

इस्तीफे की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। इसके साथ उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब बिहार की राजनीति में नई शुरुआत का समय आ गया है।

राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से यह चर्चा थी कि चेतन आनंद आगामी चुनाव में जेडीयू से उम्मीदवार बन सकते हैं। अब जब 2025 विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं और शिवहर सीट पर 11 नवंबर को मतदान होना है, ऐसे समय में उनका इस्तीफा देना बड़ा राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद बिहार की राजनीति में नई हलचल शुरू हो गई है। शिवहर में उनके समर्थकों और विरोधियों के बीच मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ इसे नई पारी की शुरुआत बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे राजनीतिक अवसरवाद करार दे रहे हैं।

गोरखपुर में यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला शुरू

बीमारू राज्य से उद्यम प्रदेश बना यूपी : योगी

गोरखपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और मजबूत कानून व्यवस्था से सुरक्षा का माहौल हो तो वहां दुनिया के निवेश को आने से कोई भी नहीं रोक सकता। उत्तर प्रदेश में आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस है तो यहां की कानून व्यवस्था नजीर मानी जाती है। इनके समन्वय से उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया से व्यापक निवेश आया है। आज का उत्तर प्रदेश, देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया गया था। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों की शो केसिंग की थी। 500 से अधिक विदेशी क्रेता यहां आए थे और इस ट्रेड शो में 11200 करोड़ रुपए के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और उस कनेक्टिविटी की सुविधा का लाभ उद्योग ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो नई तकनीकी आएगी और रोजगार के नए-नए अवसर भी सृजित होंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने जो प्रगति की है, उससे वह बीमारू की छवि से बाहर निकलकर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में उद्यम लगाना एक सपना था। तब ऐसी अराजकता थी कि लोग यूपी से भागने की फिराक में रहते थे। 2017 के बाद डबल इंजन सरकार में सुरक्षा का जबरदस्त वातावरण बना। जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। उद्योगों से जुड़े नियमों का सरलीकरण किया गया। इस ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाया गया। एमएसएमई में एक हजार दिनों तक एनओसी लेने की छूट दी गई। इससे उद्यमिता का जबरदस्त माहौल बना। प्रदेश में जो एमएसएमई यूनिट्स बंद हो रही थी, उन्हें संजीवनी मिलने लगी। आज एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख यूनिट क्रियाशील हैं और इसके जरिए दो करोड लोगों को नौकरी और रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजन एमएसएमई में है। यह संकट के समय में भी रोजगार देने वाला क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौर में जब देश के अन्य राज्यों से 40 लाख श्रमिक उत्तर प्रदेश आए, तब उन्हें एमएसएमई सेक्टर का ही सहारा मिला।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता के हर एक क्षेत्र में मॉडल बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश ने कानून व्यवस्था के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। हाईवे, रेलवे, एयरवे, इनलैंड वॉटरवे में प्रगति की लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा कि 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश में मात्र दो एयरपोर्ट की क्रियाशील थे जबकि आज 16 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। देश का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा के जेवर में बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 6 छह शहरों में मेट्रो ट्रेन की सेवाएं मिल रही हैं। राज्य के सभी बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। इस माह प्रदेश में इलेक्ट्रिक बस निर्माण के उद्यम का उद्घाटन भी होने जा रहा है। अब इलेक्ट्रिक बस उत्तर प्रदेश में भी बनेगी। इससे पर्यावरण संरक्षण तो होगा ही रोजगार भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का पहला इनलैंड वॉटरवे वाराणसी से हल्दिया तक उत्तर प्रदेश में है। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है। देश में पहली रैपिड रेल चलाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। सड़कों के मामले में सबसे सुदृढ़ इंटरस्टेट कनेक्टिविटी उत्तर प्रदेश की है। यूपी में गांव गांव तक सड़कों का संजाल बिछ चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों से स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब हम स्वदेशी अपनाएंगे तो कारीगरों, शिल्पियों के श्रम का सम्मान होगा। स्वदेशी से देश का पैसा देश में ही रहेगा। स्वदेशी का मुनाफा देश के निर्माण के काम आएगा। उन्होंने सचेत किया कि विदेशी वस्तुओं के खरीदने पर उसके मुनाफे का पैसा कई बार देश के खिलाफ, आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद पर खर्च होता है। उन्होंने कहा कि जब देश का पैसा स्वदेशी के माध्यम से देश में ही खर्च होगा तो विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित गोरखपुर का सपना भी तेजी से साकार होगा।

बीएचयू में मौसम वैज्ञानिकों का गहरा अध्ययन

30 साल में 13 घंटे कम हो गई धूप की अवधि

■ बढ़ते प्रदूषण की वजह से हो रही समस्या

वाराणसी, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीएचयू में देशभर के मौसम वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन कर बताया है कि भारत में सोलर डिमिंग यानि कि धूप की अवधि कम हो रही है। पिछले 30 वर्षों के दौरान मैदानों में 13 घंटे और पहाड़ों पर नौ घंटे तक धूप कम हो गई है। शहरों में बढ़ते प्रदूषण की वजह से ये समस्या हो रही है। इससे भारत की सौर नीतियों और सौर ऊर्जा की क्षमता पर भी असर पड़ सकता है।

यह शोध बीते तीन दशकों में 1988 से 2018 के बीच हुआ है। यह रिसर्च नेचर पोर्टफोलियो की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में भी प्रकाशित हो चुका है। बीएचयू ने मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, दिल्ली के साथ मिलकर यह शोध किया है। पूरे देश में 20 मौसम केंद्रों पर पूरे दिन में धूप अवधि का विश्लेषण किया गया है।

ये सभी 20 केंद्र देश के 9 जलवायुवीय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अध्ययन के दौरान धूप की अवधि में सबसे तेज गिरावट उत्तरी आंतरिक मैदानी क्षेत्रों में मिली है। हिमालयी क्षेत्र में लगभग 9 घंटे प्रति वर्ष और पश्चिमी तटीय क्षेत्र में करीब 8.6 घंटे प्रति वर्ष की कमी आई है। पूर्वी तटीय और मध्य भारत में भी मध्यम गिरावट रही जबकि पूर्वोत्तर भारत में कोई कमी नहीं रही। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मौसम के अध्ययन से पता चला कि मानसून और मानसून के बाद के समय में धूप की अवधि में सबसे ज्यादा कमी हो रही है।

बनारस बृहस्पतिवार को 33.5 डिग्री के साथ बनारस प्रदेश का पांचवां सबसे गर्म जिला बन गया है। दिन और रात के तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस का फर्क आ रहा है। बृहस्पतिवार को जिले का अधिकतम पारा सामान्य के बराबर 33.5 डिग्री सेल्सियस तक गया वहीं न्यूनतम तापमान 23 डिग्री तक चला गया। दूसरी ओर अक्टूबर महीने के 10 दिन के औसत से बनारस में 771 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पछुआ हवा कुछ ही दिन में एक्टिव हो जाएगी तो ठंडक तेजी से बढ़ सकती है।

लखनऊ में हवाईअड्डे पर पकड़ा गया 15.94 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने थाईलैंड से लखनऊ आए यात्री के पास से वैक्यूम-सील पैकेटों में बंद गांजा बरामद किया।

यात्री के पास से कुल 15.94 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया।

हाइड्रोपोनिक गांजा एक उच्च-गुणवत्ता वाला गांजा है जिसे बिना मिट्टी के, पोषक तत्वों से भरपूर पानी में नियंत्रित वातावरण में उगाया जाता है। यह सामान्य गांजे की तुलना में अधिक शक्तिशाली होता है और अवैध बाजारों में इसकी काफी मांग रहती है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत लगभग 15.94 करोड़ बताई गई है। डीआरआई ने यात्री का नाम गोपनीय रखा है। केवल यही बताया कि यात्री को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का अखिलेश यादव पर सख्त प्रहार

सपा राज में न्यायपालिका और मीडिया पर हुआ था हमला

हरदोई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, सपा सरकार में न्यायपालिका और मीडिया पर हमले हुए थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव किस मुंह से कहते हैं कि संविधान खतरे में है। सपा की सरकार में तो न्यायपालिका से लेकर मीडिया तक पर हमला बोला गया था। कार्यपालिका और मीडिया के खिलाफ तो हल्लाबोल अभियान तक का ऐलान हुआ था।

अनुसूचित जाति के लोगों के प्रदेश में सुरक्षित न होने के प्रियंका गांधी के आरोपों पर ब्रजेश पाठक ने कहा कि कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। विभिन्न घटनाओं में जो भी दोषी मिलता है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। प्रियंका भी अपने भाई राहुल गांधी की तरह अनर्गल बोलने लगी हैं। जबकि पहले उनकी छवि ऐसी नहीं थी।

गरीबों को दीपावली से पहले घर का सपना हुआ साकार

■ सीएम योगी ने गोरखपुर के 160 परिवारों को दिया फ्लैट

■ 18 करोड़ की 50 विकास परियोजनाओं का हुआ श्रीगणेश

गोरखपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले गोरखपुर में गरीबों को अनमोल उपहार सौंपा। पाम पैराडाइज, देवरिया बाईपास स्थित हाई-राइज बिल्डिंग में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस/एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां भेंट कीं। इनमें 80 फ्लैट्स आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 80 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लिए हैं।

साथ ही, गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ रुपये की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कार्यक्रम में सीएम ने पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर परिवार की एक तमन्ना होती है कि उसका अपना एक घर हो, सर ढकने को छत मिले। आज 160 परिवारों को यह दीपावली का शुभ उपहार मिल रहा है। कार्तिक मास के शुभ मुहूर्त में यह उपलब्धि और भी खास है। उन्होंने कहा कि एक परिवार में औसतन 5-6 सदस्य होने पर करीब 700-800 लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास ही नहीं, बल्कि जीवन की महत्वपूर्ण घटना होती है। सीएम योगी ने कहा कि आवास वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ हुआ। जीडीए की हाउसिंग स्कीम में 40 विस्थापित परिवारों को प्राथमिकता दी गई। शेष 120 परिवारों का चयन लॉटरी से हुआ। 9,000 से अधिक आ-वेदनों में से ये सौभाग्यशाली हैं। विकास प्राधिकरण को चाहिए कि बाकी जरूरतमंदों के लिए आवास प्रक्रिया तेज करें। ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स 35 वर्ग मीटर के हैं, जिनकी बाजार कीमत 13-15 लाख रुपए है, लेकिन सब्सिडी से मात्र 5.40 लाख रुपए में उपलब्ध। एलआईजी फ्लैट्स 41 वर्ग मीटर के हैं, बाजार मूल्य 19-20 लाख के मुकाबले 10.80 लाख रुपए में।

उन्होंने कहा कि जब सरकार और जनप्रतिनिधि ईमानदार होंगे तो गरीबों को अपना घर मिलने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के 11 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर 4 करोड़ गरीबों को फ्री आवास उपलब्ध कराए गए हैं। उत्तर प्रदेश में 60 लाख से अधिक गरीबों को आवास मिल चुके हैं। अच्छी नियत से अच्छे कार्य होते हैं। जनता अच्छी सरकार चुनती है, तो विकास गरीब तक पहुंचता है। सीएम योगी ने कहा कि खोराबार स्कीम जल्द आगे बढ़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि पिछले वर्ष प्रयागराज में माफियाओं से कब्जाई गई जमीन पर गरीबों के लिए 76 फ्लैट बनाए गए थे। इसी तरह लखनऊ में भी कब्जाई जमीन को मुक्त कर गरीबों को आवास दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में माफियाओं की हवेलियों की जगह गरीबों के लिए मकान खड़े होंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान, सांसद रवि किशन शुक्ल, यूपी के गोरखपुर जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्र पाल सिंह, विपिन सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, प्रदीप शुक्ल, यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी समेत कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नकली हीरा बनाने वाली मशीनों की बाढ़ है बाजार में

90 प्रतिशत गिरे बनावटी हीरे के भाव

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। लैब में तैयार होने वाले कृत्रिम हीरों से सराफा बाजार पटा पड़ा है। नकली हीरे इतने वास्तविक दिखते हैं कि असली और नकली में भेद कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। आईआईटी द्वारा तैयार 5 हजार रिएक्टर सूरत सहित उत्तर प्रदेश के कई शहरों में दिनरात नकली हीरे बना रहे हैं। हाल यह हो गया है कि महज चार साल में एक कैरेट कृत्रिम हीरे के दाम 4 लाख से गिरकर 25 हजार पर आ गए। असली हीरों का बाजार भी फिर से दमक उठा है। इसका नतीजा है कि आठ महीने में असली हीरों ने 15 फीसदी का मुनाफा दिया है।

एक तरफ सोना-चांदी रोजाना कीमतों के नए रिकार्ड गढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ हीरे की मंद होती चमक भी लौट रही है। पिछले साल हीरा बाजार के लिए बेहद उतार चढ़ाव भरे रहे। वर्ष 2018 में पहली बार लैब में तैयार किया गया हीरा दुनिया के सामने आया। वर्ष 2020 में एक कैरेट के कृत्रिम और एक कैरेट के असली हीरे के दाम 4 लाख रुपए थे। बीच में यही असली हीरा गिरकर 3 लाख से 3.25 लाख पर आ गया था लेकिन 4 लाख वाला नकली हीरा 25 हजार रुपए में आ गिरा। अगले एक साल में ये 15 से 20 हजार रुपए में आने के आसार हैं। असली हीरे से बढ़ते प्रेम का नतीजा है कि कुल बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी डायमंड ज्वैलरी की है।

करीब दो साल पहले वित्त मंत्रालय ने आईआईटी चेन्नई को लैब में हीरे तैयार वाले रिएक्टर का प्रोजेक्ट दिया था। फिर आईआईटी कानपुर, आईआईटी बाम्बे सहित अन्य आईआईटी में भी इसे बनाने की होड़ मची।

उनकी तकनीक से पहले बेहद महंगा रियेक्टर अब दो करोड़ का बिक रहा है। 50 लाख निवेश कर शेष रकम लोन लेकर सूरत में हजारों मशीनें लगी हैं। यूपी, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में भी ये मशीनें धड़ल्ले से लग रही हैं।

अब डिमांड से ज्यादा सप्लाई हो गई। पिछले महीने हांगकांग में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े ज्वैलरी शो में सोने की ज्वैलरी के साथ लैब वाला नकली हीरा फ्री में देने की घोषणा ने इस बाजार की हालत और पस्त कर दी। अब तो हीरों को सर्टिफाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय रत्न संस्थान (जीआईए) ने फोर सी ग्रेडिंग को लैब ग्रोन डायमंड यानी कृत्रिम डायमंड को सर्टिफाई करना बंद कर दिया है। हीरों का प्रमाणीकरण न होने की वजह से इनकी कीमतों में इतनी गिरावट आई है।

प्राकृतिक हीरा धरती के गर्भ में 150 किलोमीटर नीचे बेहद उच्च तापमान में 10 लाख साल में तैयार होता है। भूकंप व ज्वालामुखी फटने से मैग्मा के साथ ऊपर आता है। इसे दस किलोमीटर नीचे खदान से निकाला जाता है। इन कच्चे हीरों को बाहर निकालकर तराशा जाता है। कटिंग व पॉलिश के बाद ये अलग-अलग रूप में तैयार होते हैं। जबकि नकली हीरे लैब में तैयार होते हैं, इसीलिए इन्हें शॉर्ट में एलजीडी भी कहा जाता है। ये दो तरीके से लैब में बनते हैं। पहला हाई प्रेशर हाई टेम्-परेचर (एचपीएचटी) और दूसरा केमिकल वेपर डिस्पोजिशन (सीबीडी)। ये डायमंड का रिएक्टर होता है, जिसमें इसे तैयार किया जाता है। इन रिएक्टरों से एक हीरा 7 से 15 दिन में बन जाता है।

असली और नकली हीरे में पहचान कर पाना बेहद मुश्किल है। असली के नाम पर नकली हीरा कोई न थमा दे, इससे बचने के लिए सर्टिफिकेट जरूर लेना चाहिए, जिसमें साफ-साफ नैचुरल डायमंड लिखा हो। भरोसेमंद और साख वाले ज्वैलर्स से ही हीरा खरीदना चाहिए, जिसके पास हीरे की पहचान करने वाला हाईटेक माइक्रोस्कोप हो।

संपादकीय

सोना लगातार महंगा होगा

त्योहारों और शादियों का मौसम है। आपकी बेटी की शादी होनी है और आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने पर सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.22 लाख रुपए तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपए के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे सकता है? इधर एक बहस आरंभ हुई है कि सोने का बहिष्कार कर देना चाहिए। बेटी के लिए सोने का विकल्प सोचना चाहिए, लेकिन सोने के बाजार की हकीकत बिल्कुल अलग है। वहां आम आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। 'वल्ड गोल्ड काउंसिल' का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है। सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश 'नगण्य' है। 'गोल्ड ईटीएफ' में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में 'गोल्ड ईटीएफ' में 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। अंतरराष्ट्रीय, अमरीकी बाजार में कभी सोने के दाम 20.7 डॉलर थे। 1834-1934 के बीच सोने के दाम धीरे-धीरे बढ़े और 35 डॉलर के दाम लगातार 34 साल तक स्थिर रहे। अब मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि वे आर्थिक तौर पर सबल रहें। अमरीका में तो आजकल 'शटडाउन' का दौर है। सरकारी कर्मचारियों को वेतन के बिना ही छुट्टी पर भेज दिया गया है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन अमरीकी कांग्रेस (संसद) से बजट ही पास नहीं करा पाया है। बहरहाल 1970-80 का दौर याद कीजिए, जब सोना 20 गुना से अधिक महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा। 1990-91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सकें। फिर उदारीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। अब तो सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है।

वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है। सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश 'नगण्य' है।

हमें यह समझाने की कोशिश करता है कि हम कौन हैं, हमारी औक़ात क्या है, और हमारी असली कीमत कितनी है

बाज़ार के जहरीले आईने – जब लोग उपभोक्ता बन जाते हैं, इंसान नहीं

प्रियंका सौरभ

पहले इंसान ज़रूरतों के लिए चीज़ें खरीदता था, अब चीज़ें इंसान को खरीद रही हैं। अब बाज़ार केवल सामान नहीं बेचता, वह हमारी पहचान बेचता है। यह हमें यह समझाने की कोशिश करता है कि हम कौन हैं, हमारी औक़ात क्या है, और हमारी असली कीमत कितनी है। आज हर तरफ़ एक अजीब सी होड़ है — दिखावे की, ब्रांड की, और झूठे रुतबे की। लोग अब ज़िंदगी नहीं जी रहे, वे उसे प्रदर्शित कर रहे हैं। हर तस्वीर, हर पोस्ट, हर कपड़े और हर मोबाइल के पीछे एक ही सवाल छिपा होता है – "लोग क्या कहेंगे?" उपभोक्तावाद यानी कंज़्यूमरिज़्म ने हमारे समाज की नसों में ज़हर की तरह जगह बना ली है। पहले व्यक्ति वस्तु का उपयोग करता था, अब वस्तुएँ व्यक्ति का उपयोग कर रही हैं। ब्रांड अब हमारी ज़रूरतों के नहीं, बल्कि हमारी असुरक्षाओं के सौदागर बन गए हैं। वे हमें यह यक़ीन दिला चुके हैं कि जब तक हमारे पास महंगा मोबाइल, बड़ा घर और इंस्टाग्राम पर दिखाने लायक जीवन नहीं है, तब तक हम अधूरे हैं।

हमारा समाज आज विकास की तेज़ रफ़्तार पर तो है, पर दिशा कहीं खो चुका है। पहले इंसान ज़रूरतों के लिए चीज़ें खरीदता था, अब चीज़ें इंसान को खरीद रही हैं। अब बाज़ार केवल सामान नहीं बेचता, वह हमारी पहचान बेचता है। यह हमें यह समझाने की कोशिश करता है कि हम कौन हैं, हमारी औक़ात क्या है, और हमारी असली कीमत कितनी है। आज हर तरफ़ एक अजीब सी होड़ है — दिखावे की, ब्रांड की, और झूठे रुतबे की। लोग अब ज़िंदगी नहीं जी रहे, वे उसे प्रदर्शित कर रहे हैं। हर तस्वीर, हर पोस्ट, हर कपड़े और हर मोबाइल के पीछे एक ही सवाल छिपा होता है – "लोग क्या कहेंगे?" उपभोक्तावाद यानी कंज़्यूमरिज़्म ने हमारे समाज की नसों में ज़हर की तरह जगह बना ली है। पहले व्यक्ति वस्तु का उपयोग करता था, अब वस्तुएँ व्यक्ति का उपयोग कर रही हैं। ब्रांड अब हमारी ज़रूरतों के नहीं, बल्कि हमारी असुरक्षाओं के सौदागर बन गए हैं। वे हमें यह यक़ीन दिला चुके हैं कि जब तक हमारे पास महंगा मोबाइल, बड़ा घर और इंस्टाग्राम पर दिखाने लायक जीवन नहीं है, तब तक हम अधूरे हैं। कभी कहा गया था कि "मनुष्य वस्तु का मालिक है", पर अब वस्तुएँ मनुष्य के मन और मानसिकता की मालिक बन चुकी हैं। ऐप्पल का मोबाइल हो या महंगी कार, इनका उद्देश्य सुविधा नहीं, प्रतिष्ठा बन चुका है। लोग अब पर्दा इसलिए नहीं हटाते कि उन्हें हवा लगे, बल्कि इसलिए हटाते हैं कि तस्वीर अच्छी आए। इज़्ज़त अब चरित्र में नहीं, कैमरे की फ्रेम में दिखती है। सोशल मीडिया इस उपभोक्ता संस्कृति का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। पहले लोग बातें करते थे, अब पोस्ट करते हैं। पहले खुशी आती थी, अब उसे रील में एडिट किया जाता है। पहले त्यौहार मनाए जाते थे, अब दिखाए जाते हैं। हर लाइक आत्मविश्वास का मापदंड बन गया है, और हर टिप्पणी आत्म-मूल्य का प्रमाण। हम खुद से कम और दूसरों की निगाह से ज़्यादा जीने लगे हैं। कपड़े ब्रांडेड हैं, पर सोच उधार की है; चेहरे चमकते हैं, पर दिल थके हुए हैं। एक समय था जब गाँव की औरतें पर्दे में रहकर भी मर्यादा और सम्मान की मिसाल होती थीं। आज वही परंपरा इंस्टाग्राम की चमक में खो गई है। अब पर्दा शर्म या संकोच का नहीं, बल्कि फोटोशूट का हिस्सा बन गया है। लोग कहते हैं — "हम तो आधुनिक हैं।" पर यह आधुनिकता नहीं, मानसिक गुलामी है — जहाँ दिखावा आत्म-सम्मान पर भारी पड़ता है। सोचिए, जब कोई व्यक्ति अपनी मासिक कमाई का बड़ा हिस्सा केवल इसीलिए ईएमआई में खर्च कर देता है ताकि लोग कह सकें कि उसके पास 'आइफ़ोन' है — तो वह उपभोक्ता नहीं, बल्कि उपभोग का शिकार बन चुका है। फ़ोन वही काम करता है — बात करना, संदेश भेजना, संपर्क बनाए रखना — पर हमारे दिमाग़ ने उसे सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना लिया है। बाज़ार हमें यह नहीं बताता कि हमें क्या चाहिए, बल्कि यह तय करता है कि हमें क्या चाहना चाहिए। विज्ञापन इतने मनोवैज्ञानिक हो चुके हैं कि वे पहले हमारे भीतर कमी का एहसास जगाते हैं, फिर उसी कमी का समाधान बेचते हैं। यह एक मानसिक व्यापार है — पहले असंतोष पैदा करो, फिर संतोष बेचो। मोबाइल कंपनियाँ कहती हैं — "हमारा फ़ोन आपकी पहचान है।" धीरे-धीरे यही सोच हमारी आत्मा तक उतर गई है। हमारी पहचान, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान — सब अब ब्रांड वैल्यू में बदल चुके हैं। जब मूल्य वस्तु में बदल जाते हैं, तो रिश्ते भी सौदे में बदल जाते हैं। आज लोग उपहार नहीं, ब्रांडेड चीज़ें देते हैं। शादी अब संस्कार नहीं, सामाजिक प्रदर्शन बन गई है। त्योहार अब भावना नहीं, फोटो सेशन बन चुके हैं। यह सब मिलकर हमारी संवेदनाओं को खोखला और नकली बना रहे हैं। पहले माता-पिता बच्चों को सिखाते थे — "कपड़े से नहीं, कर्म से पहचान होती है।" अब बच्चे कहते हैं — "माँ, वही ब्रांड चाहिए जो मेरे दोस्त के पास है।" यही वह पल होता है जहाँ संस्कार हार जाते हैं और बाज़ार जीत जाता है। कई लोग कहते हैं — "हम तो ईएमआई पर खरीद रहे हैं, क्या फर्क पड़ता है?" पर फर्क यह है कि अब आप उस चीज़ के मालिक नहीं, बल्कि वह चीज़ आपकी जेब और मानसिक शांति की मालिक बन गई है। ईएमआई केवल किस्त नहीं, एक अदृश्य जंजीर है जो आत्मसंतोष को बाँध लेती है। महंगी वस्तुएँ कुछ पलों की खुशी देती हैं, पर धीरे-धीरे वही बोझ बन जाती हैं। मध्यवर्गीय समाज आज सबसे ज़्यादा इस झूठी प्रतिष्ठा की होड़ में फँसा हुआ है। वह अपनी असल ज़रूरतें भूल चुका है, और दिखावे की दुनिया में जी रहा है। वह "कैसा दिखता हूँ" में उलझ गया है, "मैं क्या हूँ" यह भूल गया है। दिखावे की संस्कृति ने केवल जेब नहीं, नैतिकता भी खाली कर दी है। अब लोग दूसरों की नज़रों में अच्छे दिखने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। कोई अपनी निजता बेच रहा है, कोई झूठे रिश्ते दिखा रहा है, तो कोई सस्ती लोकप्रियता के लिए मर्यादा छोड़ रहा है। जहाँ कभी पर्दा सम्मान का प्रतीक था, आज वही पर्दा फोटोशूट की सजावट बन गया है। अब सच्चाई दिखाना पुराना चलन माना जाता है। जो दिखता है वही बिकता है — यही आज की दुनिया का नारा है। पर जो बिकता है, वह सदा टिकता नहीं। दिखावे की चमक थोड़े समय की होती है, पर सच्चाई की रोशनी स्थायी होती है। दुनिया का सबसे बड़ा ब्रांड है — आपका आत्मसम्मान। उसे कोई बाज़ार, कोई सेल, कोई ऑफर नहीं खरीद सकता। जरूरतें पूरी कीजिए, लेकिन इच्छाओं को समझदारी से सीमित कीजिए। फ़ोन काम के लिए हो, पहचान के लिए नहीं। सोशल मीडिया अभिव्यक्ति का माध्यम बने, आत्ममूल्य का मापदंड नहीं। मर्यादा का अर्थ बंदिश नहीं, बल्कि अपनी असल पहचान है। दिखावे के शोर में सादगी की आवाज़ ही सबसे प्रभावशाली होती है। अगर समाज को बदलना है तो सबसे पहले अपनी सोच और ख़रीददारी की मानसिकता बदलनी होगी। यह समय हमसे सवाल करता है — क्या हम अपने मालिक हैं या बाज़ार के गुलाम? क्या हम दिखावे की दौड़ से निकलकर सच्चे आत्मसंतोष की राह पकड़ सकते हैं? सवाल आसान है, पर जवाब कठिन। क्योंकि यह लड़ाई पैसों की नहीं, मानसिकता की है। यह तय करेगा कि हम तकनीक और चमक के बीच रहकर भी इंसान बने रह सकते हैं या नहीं। फ़ोन चाहे किसी का भी हो, बात इंसानियत की होनी चाहिए। जब तक हम अपनी ज़रूरतों से ज़्यादा अपनी असलियत को महत्व नहीं देंगे, तब तक हम बाज़ार के आईने में अपने ही नकली प्रतिबिंब को देखते रहेंगे। समाज तब आगे बढ़ता है जब वस्तुएँ साधन बनें, साध्य नहीं। अब समय है कि हम खुद को ब्रांड के उपभोक्ता नहीं, मूल्यों के रक्षक बनाएं। क्योंकि बाज़ार की चमक एक दिन फीकी पड़ जाएगी, पर इंसानियत की रोशनी कभी नहीं।

कुछ अलग

मरा चूहा...

उसके घर में सबके काम बंटे थे। मरे चूहे फेंकने का काम वैसे भी पति के कोटे में था। सुबह का समय। रेपुटेड महोदय पर्यावरण दिवस पर अखबार के लिए बढिया सा राइटअप लिखने में जबरदस्त बिजी। पर्यावरण-स्वच्छता की रक्षा के लिए ऐसा कुछ लिखना है कि देशभर में धमाका हो जाए। एक कॉलेज के फंक्शन में मुख्य अतिथि के रूप में भी जाना है, और तो और राज्य स्वच्छता समिति के सलाहकार होने के नाते शाम को बैठक में भी जाना है। पत्नी परेशान। पति की इस व्यस्तता से नहीं बल्कि स्टोर में चूहेदान में फंसे पड़े हुए चूहे से। 'मुहल्ले की सडक़ पर झाड़ू भी और एक पौधा भी रोपना है भई।' पतिदेव कह रहे थे। पिछली रात एक मोटा भारी-भरकम आधा किलो का एक चूहा पिंजरे में फंसा पड़ा है। पत्नी चिल्लाई, 'सुनते हो जी, ये चूहा कहीं दूर जाकर फेंक आओ।' 'फेंक आऊंगा...आज वृक्षारोपण के एक कार्यक्रम में भी जाना है।' चूहा स्टोर में उस दिन यूं ही पड़ा रहा। पत्नी से देखा न गया। उसने उसे पानी और रोटी दे दी। दूसरे दिन पत्नी ने मुंह पर रुमाल ढक स्टोर में झांका। चूहा मर चुका था। पत्नी फिर चिल्लाई- 'सुन तो लो जी। कितनी बार कहा चूहा फेंक आओ। मर गया है। अब तो फेंक दो।...कोई स्वीपर भी तो नहीं आता यहां, जो कह दूं किसी से। पता नहीं सुनते क्यों नहीं?' 'हां-हां फेंक आऊंगा। कुछ नहीं होगा। तुम उसे एक थैले में डाल दो।' 'मैं नहीं छू सकती उसे। मुझे उल्टी होती है।' 'अच्छा रहने दो, मैं फेंक दूंगा। आज एक बैठक भी है भई। तैयारी भी तो करनी है। तुम औरतें भी न, बस।' तीसरा दिन। 'हे राम! ऐसा पति भगवान किसी को न दे।...सुनते हो आज तो फेंक दो चूहा। बदबू आ रही है अब। फफूंदी तक लग गई है।

देश दुनिया से

बंदा बहादुर सिंह की इतिहास को देन

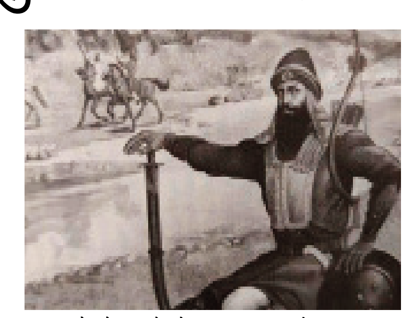

आज बंदा बहादुर की जयंती है। बंदा बहादुर ने दशम गुरु गोविंद सिंह जी के छोड़े गए कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक किया था। उनका बचपन का नाम लक्ष्मण देव (10 अक्तूबर 1670-9 जून 1716) था। उनका जन्म जम्मू कश्मीर के पुंछ परगना में राजौरी नामक गांव में हुआ। वे भारद्वाज गोत्र के राजपूत समुदाय से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता का नाम राम देव भारद्वाज था। लक्ष्मण देव को शिकार का शौक था। एक बार वे शिकार के लिए जंगल में गए और उन्होंने तवी नदी के किनारे पानी पी रही एक हिरणी का शिकार किया। हिरणी गर्भवती थी और उसका प्रसव होने वाला ही था। मृत हिरणी के पेट को जब मांस के लिए काटा गया तो उसके पेट में दो छौने बाहर गिरे जिन्होंने लक्ष्मण देव के सामने दम तोड़ दिया। इस घटना ने लक्ष्मण देव को भीतर तक हिला दिया। उन्होंने जीवन और मृत्यु के बीच की सबसे कमजोर कड़ी को अपने सामने टूटते ही नहीं देखा था बल्कि वे इस कड़ी को तोडने के स्वयं जिम्मेदार थे। उनको संसार की अनित्यता का भान हो गया। संसार अनित्य है तो स्थायी क्या है? यह प्रश्न लक्ष्मण देव के मस्तिष्क में निरंतर गूंजने लगा। मोचन अब उनका किसी काम में मन नहीं लगता था। वे सांसारिक कामों से उपराम होने लगे थे। सोते बैठते उनकी आंखों के आगे कातर आंखों से देख रही हिरणी और दम तोड़ते उसके दो बच्चे प्रत्यक्ष होने लगते। दो ऐसे बच्चे जिनके प्राण संसार में पहला सांस लेने के साथ ही ले लिए गए थे। यह काम लक्ष्मण देव ने ही किया था। अब जब घर में भी उसके सामने मांस परोसा जाता तो उसे वमन होने लगती और दम तोड़ रही हिरणी की कातर आंखें आ जातीं। गांव के मंदिर में ही एक वैरागी साधु जानकी दास रहता था। महात्मा जानकी दास अपने समय के प्रकांड पंडित और वैरागी थे। लक्ष्मण देव का ज्यादा समय अब जानकी दास की सेवा और संगत में ही व्यतीत होने लगा था। जानकी दास ने उन्हें वैष्णव मत में दीक्षित किया और साथ ही नया नाम भी दिया। उनका सांसारिक नाम समाप्त हुआ और अब वे वैष्णव वैरागी परंपरा के माधोदास वैरागी हो गए। उन्होंने अहिंसा का मार्ग स्वीकार कर लिया था। तामसी भोजन का त्याग कर दिया। लेकिन अपने गांव में रहकर घर परिवार के मोह से मुक्त हो पाना भी तो कठिन ही था। उन्होंने घर त्याग दिया। वे नित्य व स्थायी की खोज में घर से निकल पड़े। लक्ष्मण देव के घर छोडऩे की घटना 1685 के आसपास की है और उस समय उनकी आयु पंद्रह वर्ष थी। उन्होंने त्रिकुटा की पहाडिय़ों में रियासी नामक स्थान पर चिनाब नदी के किनारे अपना आश्रम स्थापित कर लिया। वहीं भजन वंदनीय करने और शास्त्रों का अध्ययन करने लगे। (कुछ विद्वानों के अनुसार बंदा बहादुर ने यह आश्रम मुगलों से लड़ाई के बाद स्थापित किया)। एक दिन वैरागी साधुओं का एक जत्था घूमता हुआ पहुंचा। यह जत्था कुछ दिन माधो दास के इस आश्रम में भी ठहरा। ज्ञान गोष्ठी होती रही। माधो दास को लगा वैरागी साधु का एक जगह टिक कर बैठना उचित नहीं है। वे उनके साथ ही तीर्थाटन के लिए चल पड़े। अनेक तीर्थ स्थानों पर घूमते हुए और विविध सम्प्रदायों के साधु संतों से शास्त्र संवाद करते हुए वे अंततः महाराष्ट्र में नासिक पहुंचे। वहां पंचवटी नाम का एक रम्य स्थान देखकर उन्होंने वहीं अपना आश्रम स्थापित कर लिया। कहा जाता है कि श्री रामचन्द्र जी भी अपने वनवास काल में अपनी पत्नी सीता जी और भाई लक्ष्मण के साथ इसी पंचवटी में ठहरे थे। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि हजारों वर्षों बाद अब उसी पंचवटी में जम्मू से एक दूसरा लक्ष्मण आकर ठहरा था। कुछ कालखंड पंचवटी में रहने के बाद वे एक बार फिर यात्रा के लिए निकल पड़े। नांदेड़ नामक स्थान पर गोदावरी तट पर पहुंचे। यह स्थान उन्हें बहुत ही रमणीक लगा। अतः यहीं एक उपयुक्त स्थान चुन कर उन्होंने अपना नया आश्रम बना लिया और तपस्या करने लगे। इसे संयोग ही कहना चाहिए कि दशगुरु परम्परा के दशम गुरु श्री गोविन्द सिंह जी भी अपनी सांसारिक यात्रा के अंतिम दिनों में नांदेड़ में ही पहुंचे और वहीं उन्होंने अपना निवास बनाया। गुरु जी को माधो दास वैरागी के आश्रम के बारे में पता चला। दोनों का लम्बा संवाद हुआ। तब दोनों की मुलाकात हुई। यह घटना सितंबर 1708 की है। गुरु जी ने माधो दास को सप्त सिन्धु/पंजाब की स्थिति के बारे में बताया। मुगल शासकों के अत्याचारों के बारे में जानकारी दी। समाधान के लिए खालसा पंथ की स्थापना के बारे में बताया। उन्होंने माधो दास को कहा कि व्यक्तिगत मोक्ष हेतु तपस्या तभी सार्थक है यदि देश में विदेशी शासन न हो और राजा राजधर्म का पालन करने वाले हों। गुरु जी ने माधो दास को प्रेरित किया कि वर्तमान परिस्थितियों में सबसे बड़ी तपस्या विदेशी मुगल शासन का अंत कर पुनः रूल ऑफ लॉ (धर्म) की स्थापना करना ही है। गुरु जी ने माधो दास को पंजाब में खालसा पंथ की औरंगजेब की सेना से हुई लड़ाइयों के बारे में भी बताया। गुरु गोविंद सिंह जी के तप-त्याग और उनकी साधना ने माधो दास वैरागी को बहुत प्रभावित ही नहीं किया, बल्कि उसके शेष जीवन की दिशा ही बदल दी। उसका राजपूती रक्त उबलने लगा। वह गुरु जी को प्रणाम कर अक्तूबर 1708 को पंजाब की ओर चल पड़ा। उस समय उसकी आयु 38 साल थी। भाई कान्ह सिंह नाभा का कहना है कि गुरु जी ने माधो दास वैरागी को नया नाम भी दिया। (गुरबख्श सिंह।) अब लक्ष्मण देव के जीवन की तीसरी यात्रा शुरू हुई। अभी तक लक्ष्मण देव, माधो दास वैरागी के रूप में शास्त्र साधना कर रहा था। अब उसके जीवन का शस्त्र साधना का युग शुरू हुआ था। लेकिन अभी माधो दास वैरागी को अपने आश्रम से चले कुछ दिन ही हुए थे कि उसे सूचना मिली कि दशम गुरु अपनी इहलीला समाप्त कर चले गए थे। यह उसके लिए वज्राघात था, लेकिन इससे उसका संकल्प और मजबूत हुआ। उसे गुरु जी के अधूरे काम को उसकी परिणति तक लेकर जाना था। बंदा सिंह बहादुर ने दिल्ली और जम्मू के बीच का बहुत सा इलाका मुगलों की विदेशी सत्ता से मुक्त करवा लिया और वहां खालसा राज्य की स्थापना की घोषणा कर दी। उन्होंने इस शासन व्यवस्था में जो क्रान्तिकारी सुधार किया, वह था जो खेत को जोतता है खेत का मालिक वही होगा। उसने सत्ता के संचालन के लिए वर्तमान हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की सीमा पर कपाल मोचन के पास भगवानपुर गांव की पहाडिय़ों में अपना किला बनाया जो लोहगढ़ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। बन्दा बहादुर ने सरहिन्द को पूरी तरह तबाह कर दिया जो उन दिनों विदेशी शासकों का बहुत बड़ा केन्द्र था।

आप का नजरिया

रिश्तों में नई ऊर्जा

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है', जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है। वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बनाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है, लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है, जो कि ब्रिटेन के साथ भारत के आर्थिक और शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही रहेगा, तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल-फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। निर्विवाद रूप से विशेष संबंध औपनिवेशिक हैंगओवर या प्रवासी भावना पर आधारित नहीं हो सकते। इस साझेदारी का वायदा एक ऐसे सतत सहयोग के निर्माण में निहित है, जिसमें दोनों देशों के आम नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके। भारत की चिंता ब्रिटेन की भूमि से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने को लेकर भी है। निश्चय ही अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता नहीं हो सकता। हाल के दिनों में कुछ अप्रिय घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के प्रतीकों पर प्रहार करने के रूप में सामने आ चुकी हैं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है', जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है।

दृष्टि कोण

भारतीय विदेश नीति के 'संतुलन' की परीक्षा

इस साल पहले टैरिफ और फिर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अमेरिकी रुख में आए बदलाव पर भारत की ओर से कोई तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई, पर देश में आक्रोश की लहर थी। शुरू में समझ नहीं आता था, पर अब धीरे-धीरे लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच, पिछले दो दशक से चली आ रही सौहार्द-नीति में कोई बड़ा मोड़ आने वाला है। कुछ वर्षों से यह सवाल किया जा रहा है कि भारत एक तरफ रूस और चीन और दूसरी तरफ अमेरिका के बीच अपनी विदेश-नीति को किस तरह संतुलित करेगा? इसे स्पष्ट करने की घड़ी अब आ रही है। भारत ने तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अफ़ग़ानिस्तान स्थित बगराम एयरबेस पर कब्ज़ा करने के प्रयास का विरोध किया है। यह अप्रत्याशित घटना तालिबान के विदेशमंत्री आमिर ख़ान मुत्तक़ी की भारत-यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है। अफगानिस्तान पर मॉस्को प्रारूप परामर्श के प्रतिभागियों द्वारा मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में बगराम का नाम लिए बिना यह बात कही गई। इस साल पहले टैरिफ और फिर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अमेरिकी रुख में आए बदलाव पर भारत की ओर से कोई तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई, पर देश में आक्रोश की लहर थी। शुरू में समझ नहीं आता था, पर अब धीरे-धीरे लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच, पिछले दो दशक से चली आ रही सौहार्द-नीति में कोई बड़ा मोड़ आने वाला है। कुछ वर्षों से यह सवाल किया जा रहा है कि भारत एक तरफ रूस और चीन और दूसरी तरफ अमेरिका के बीच अपनी विदेश-नीति को किस तरह संतुलित करेगा? इसे स्पष्ट करने की घड़ी अब आ रही है। भारत ने तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अफ़ग़ानिस्तान स्थित बगराम एयरबेस पर कब्ज़ा करने के प्रयास का विरोध किया है। यह अप्रत्याशित घटना तालिबान के विदेशमंत्री आमिर ख़ान मुत्तक़ी की भारत-यात्रा से कुछ दिन पहले हुई है। अफगानिस्तान पर मॉस्को प्रारूप परामर्श के प्रतिभागियों द्वारा मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में बगराम का नाम लिए बिना यह बात कही गई। अफ़ग़ानिस्तान पर मॉस्को प्रारूप परामर्श की सातवीं बैठक मॉस्को में अफ़ग़ानिस्तान, भारत, ईरान, क़ज़ाक़िस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर आयोजित की गई थी। बेलारूस का एक प्रतिनिधिमंडल भी अतिथि के रूप में बैठक में शामिल हुआ। इस बैठक में 'पहली बार विदेशमंत्री अमीर खान मुत्तकी के नेतृत्व में अफगान प्रतिनिधिमंडल ने भी सदस्य के रूप में भाग लिया। इसके पहले ट्रंप ने कहा था कि तालिबान, देश के बगराम एयर बेस को वाशिंगटन को सौंप दें। सच यह है कि ट्रंप ने ही पांच साल पहले तालिबान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसने काबुल से अमेरिका की वापसी का रास्ता साफ किया था। पिछली 18 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा, 'हमने इसे तालिबान को मुफ्त में दे दिया। अब हमें वह अड्डा वापस चाहिए।' बहरहाल, तालिबान के विदेशमंत्री की मेज़बानी की तैयारी कर रहे भारत ने ट्रंप की योजना का विरोध करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हालांकि हमने अभी तक तालिबान शासित अफ़ग़ानिस्तान को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है, पर धीरे-धीरे संबंध स्थापित कर लिए हैं। संयुक्त वक्तव्य में एक और महत्वपूर्ण बात कही गई है, 'क्षेत्रीय संपर्क प्रणाली में अफगानिस्तान के सक्रिय एकीकरण का हम समर्थन करते हैं।'

ईरानी तेल खरीद पर अमेरिका ने चीन की रिफाइनरी समेत 100 संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन,10 अक्टूबर (एजेंसियां) । अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल व्यापार में सहयोग देने के आरोप में करीब 100 व्यक्तियों, संस्थाओं और जहाजों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें चीन की एक स्वतंत्र रिफाइनरी और तेल टर्मिनल भी शामिल हैं। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा 09 अक्टूबर को की गई।

अमेरिकी वित्त विभाग ने चीन की शानडोंग जिनचेंग पेट्रोकेमिकल ग्रुप कंपनी को प्रतिबंधित किया है। यह शानडोंग प्रांत में स्थित एक स्वतंत्र रिफाइनरी है, जिसने 2023 से अब तक लाखों बैरल ईरानी तेल खरीदे हैं। इसके अलावा, रिजाओ शिहुआ क्रूड ऑयल टर्मिनल कंपनी को भी निशाने पर लिया गया है, जो लानशान पोर्ट पर टर्मिनल संचालित करती है। विभाग के अनुसार, इस टर्मिनल ने ईरान के शैडो फ्लीट के दर्जनभर से अधिक जहाजों से तेल उतारा है, जिनमें टैंकर शामिल हैं।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान का तेल नेटवर्क उसकी परमाणु और मिसाइल योजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है और वह मध्य पूर्व में उग्रवादी समूहों को समर्थन देता है। हालांकि, ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा, वित्त विभाग ईरान की ऊर्जा निर्यात प्रणाली के प्रमुख हिस्सों को ध्वस्त करके उसकी नकदी प्रवाह को कमजोर कर रहा है। यह चीन स्थित रिफाइनरियों पर चौथी कार्रवाई है, जिन पर ईरानी तेल खरीद जारी रखने का आरोप है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि पहली बार किसी चीन-आधारित टर्मिनल, जियांगयिन फॉरएवरसन केमिकल लॉजिस्टिक्स, को भी ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पाद प्राप्त करने के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इजराइल और हमास के बीच गाजा युद्धविराम और बंधक सौदा हुआ है, जो यदि पूरी तरह लागू होता है तो यह अब तक का सबसे महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो सकता है, जिससे ईरान, यमन और लेबनान जैसे देशों को शामिल करने वाला क्षेत्रीय संघर्ष शांत हो सकता है।

चीन के वॉशिंगटन स्थित दूतावास और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तानी सेना ने ओरकजई हमले में शामिल 30 आतंकी मारे

रावलपिंडी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि सात अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ओरकजई जिले में हुए हमले से जुड़े 30 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस हमले में दो अधिकारियों सहित 11 सैन्यकर्मी मारे गए थे। मीडिया शाखा ने कहा कि सुरक्षा बल इस जघन्य घटना में शामिल आतंकवादियों की तलाश में चप्पा-चप्पा छान रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर ओरकजई जिले के जमाल माया क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान भीषण गोलीबारी में 30 आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने कहा कि ओरकजई हमले में लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद तारिक और मेजर तैय्यब राहत समेत 11 सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की। नकवी ने कहा, आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने में शहीद सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

बलोचिस्तान में सात अक्टूबर को बलघाटर हमले में पाकिस्तानी सेना के 14 जवान मारे गए-बीएलएफ के विस्तृत बयान में दावा

क्वेटा (बलूचिस्तान)। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने सात अक्टूबर को बलघाटर में पाकिस्तानी सेना के शिविर पर हमले पर विस्तृत बयान जारी किया है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने कहा कि लड़ाकों ने बलघाटर में पाकिस्तानी सेना की चौकी पर कब्जा कर लिया। 14 सैन्यकर्मियों को मार डाला और चार को घायल कर दिया। उनके हथियार और अन्य सैन्य उपकरण छीन लिए। आजादी के इस आंदोलन में उसकी कुर्बान यूनिट के प्रमुख अब्दुल्ला दियार उर्फ सोगहत की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने विस्तृत बयान नौ अगस्त को जारी किया। प्रवक्ता ने बताया कि सात अक्टूबर को शाम 5 :00 बजे फ्रंट ने बलघाटर क्षेत्र में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पर हमला किया। भारी हथियारों से किया गया एक बड़ा हमला तीन घंटे से ज्यादा समय तक जारी रहा। लड़ाकों ने चौकी पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया और हथियार व अन्य सैन्य उपकरण अपने कब्जे में ले लिए। इस संगठित हमले में पाकिस्तान सेना के 14 सैनिक मारे गए और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि चौकी पर कब्जे के बाद सेना के त्वरित प्रतिक्रिया बल के चार वाहनों को पंजगुर से हमला स्थल पर बलों की मदद के लिए भेजा गया। लड़ाकों ने त्वरित प्रतिक्रिया बल पर घात लगाकर हमला कर दिया और सभी को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। लड़ाकों ने दो क्वाडकॉप्टर और एक ड्रोन कैमरा भी मार गिराया गया। प्रवक्ता ने कहा कि बलोचिस्तान में बलात कब्जा करने वाली पाकिस्तान की सेना मनोवैज्ञानिक रूप से इतनी पराजित हो चुकी है कि वह अपने मृत सैनिकों को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि फ्रंट इस हमले की जिम्मेदारी को स्वीकार करता है।

राजनाथ सिंह ने रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के प्रमुख बेस का अवलोकन किया, अल्बानीज से मुलाकात को बताया शानदार

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ऑस्ट्रेलिया की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के

आखिरी दिन सिडनी पहुंचे। सिंह ने यहां स्थित एचएमएएस कुत्ताबुल का दौरा किया। यह रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना का प्रमुख बेस है। यह प्रमुख बेस पॉट्स पॉइंट पर स्थित है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस दौरान फ्लीट बेस ईस्ट का जल दौरा भी किया। उन्होंने फ्लीट बेस ईस्ट के दौरे में ऑस्ट्रेलिया के नौसैनिक अभियानों और समुद्री तैयारियों की जानकारी हासिल की। इससे पहले सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर ऑस्ट्रेलिया दौरे के कुछ फोटो और उनकी विवरण साझा किया। एक्स पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, सिंह ने कैनबरा स्थित ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह युद्ध स्मारक दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा में उनके साहस और बलिदान का प्रतीक है। सिंह ने भारतीय सैनिकों की स्मृति को नमन किया। यह ऐसे योद्धा हैं, जिन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई साथियों के साथ सुदूर देशों में वीरतापूर्वक युद्ध लड़ा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से टकराने वालीं न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल जेम्स के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसा

वाशिंगटन,10 अक्टूबर (एजेंसियां) । संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कट्टर राजनीतिक विरोधी न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स पर एक बंधक धोखाधड़ी मामले में अभियोग लगाया गया। ट्रंप ने संघीय न्याय विभाग से इस मामले को सामने लाने का आग्रह किया था। लेटिटिया जेम्स डेमोक्रेट हैं। वह ट्रंप पर मुकदमा दायर कर उनसे लोहा ले चुकी हैं। जेम्स खुलेआम आरोप लगाती रही हैं कि ट्रंप ने अपना व्यापारिक साम्राज्य झूठ की बुनियाद पर खड़ा किया है।

एबीसी न्यूज चैनल पर ट्रंप और जेम्स के विवाद पर प्रसारित रिपोर्ट में गड़े मुर्दे भी उखाड़े गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जेम्स ने उन पर 2020 में नॉरफॉक (वर्जीनिया) में एक घर खरीदने के संबंध में बैंक धोखाधड़ी और एक वित्तीय संस्थान को झूठे बयान देने का आरोप लगाया था। वर्जीनिया के पूर्वी जिले की शीर्ष संघीय अभियोजक लिंडसे हॉलिगन ने गुरुवार को व्यक्तिगत रूप से ग्रैंड जूरी के सामने जेम्स के खिलाफ मामला पेश किया।

रिपोर्ट के अनुसार,ट्रंप और जेम्स के बीच टकराव बढ़ गया है। जेम्स ने 2018 में अटॉर्नी जनरल पद के लिए अपने अभियान में ट्रंप और उनकी नीतियों की जमकर आलोचना की थी। कुछ समय बाद डेमोक्रेटिक प्राइमरी जीतने के बाद जेम्स ने कहा था, मैं इस नाजायज राष्ट्रपति को चुनौती देने से कभी नहीं डरूंगी। अटॉर्नी जनरल के रूप में ट्रम्प के रियल एस्टेट सौदों में हुई हेराफेरी को सामने लाऊंगी। हर सौदे में हर मोड़ पर सच्चाई की मांग करूंगी।

ट्रंप ने 2019 में ट्वीट (अब एक्स) किया था, न्यूयॉर्क में रहना बहुत कठिन और महंगा है। यहां के गवर्नर एंड्रयू कुओमो अपनी अटॉर्नी जनरल (लेटिटिया जेम्स) को अपने स्वार्थ के लिए हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। वे हर चीज पर मुकदमा करते हैं। वह हमेशा मुझे फंसाने के लिए किसी न किसी अपराध की तलाश में रहते हैं। इस पर जेम्स ने सोशल मीडिया साइट पर ट्रंप की आलोचना की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, कोई गलती न करें। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। राष्ट्रपति भी नहीं। पुनश्च: मेरा नाम लेटिटिया जेम्स है। आप मुझे टिश कह सकते हैं।।

इसके बाद मार्च 2019 में न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के खिलाफ कथित धोखाधड़ी की जांच शुरू की। जेम्स के कार्यालय ने उन आरोपों की जांच की कि जिनमें कहा गया था कि ऑर्गेनाइजेशन ने पूर्व राष्ट्रपति की कुल संपत्ति को अरबों डॉलर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और झूठे और भ्रामक वित्तीय विवरणों के जरिए ऋणदाताओं और अन्य लोगों को धोखा दिया।

डोनाल्ड ट्रंप और उनके बिजनेस को देख रहे अधिकारियों ने इसकी परवाह नहीं की। यह जांच लगभग तीन साल चली। इन सबने इस अवधि में जारी किए गए समन और अन्य अदालती आदेशों का पालन करने में कोई सहयोग नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति ने अगस्त 2022 में गवाही दी। इसके एक माह बाद जेम्स ने ट्रंप, उनके तीन वयस्क बच्चों और ट्रंप ऑर्गेनाइज़ेशन, दो अधिकारियों एलन वीसेलबर्ग और जेफ मैककोनी के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर किया। इस पर ट्रंप ने खुद को निर्दोष बताया और अश्वेत जेम्स पर नस्लवादी होने का आरोप लगाया। इस मामले की सुनवाई अक्टूबर 2023 में शुरू हुई और जनवरी तक चली।

16 फरवरी, 2024 को न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने फैसला सुनाया। फैसले में कहा गया, अधिक और कम दरों पर उधार लेने के लिए प्रतिवादियों ने लेखाकारों को स्पष्ट रूप से गलत वित्तीय जानकारी प्रस्तुत की। न्यायाधीश एंगोरन ने ट्रंप और उनके बेटों को न्यूयॉर्क स्थित कंपनियों का नेतृत्व करने से अस्थायी रूप से रोक दिया और ट्रंप को 454 मिलियन डॉलर से अधिक का जुर्माना भरने का आदेश दिया। फैसले पर अर्जित ब्याज के आधार पर यह राशि बढ़कर लगभग आधा बिलियन डॉलर हो गई। फैसले के बाद ट्रंप ने न्यायाधीश और जेम्स की कड़ी आलोचना की। ट्रंप ने कहा था, एक भ्रष्ट न्यू स्टेट जज ने अभी-अभी फैसला सुनाया है कि मुझे जुर्माना भरना होगा।

ट्रंप ने इस फैसले के खिलाफ अपील की और चुनाव के बाद जेम्स से मामला वापस लेने का अनुरोध भी किया। न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान जेम्स के खिलाफ लगातार आरोप लगाए। दावा किया कि जेम्स भ्रष्ट हैं। अगस्त में न्यूयॉर्क की एक अपील अदालत ने ट्रंप को मुकदमे से बड़ी राहत प्रदान करते हुए निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। जेम्स ने कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ अपील करने का इरादा रखती हैं।

इस लड़ाई के दौरान अप्रैल में बड़ा नाटकीय मोड़ आया। फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे ने एक बंधक आवेदन को लेकर न्याय विभाग को जेम्स के खिलाफ एक आपराधिक मामला भेजा। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि जेम्स ने 2023 में एक घर खरीदते समय यह झूठा दावा करके धोखाधड़ी की कि यह संपत्ति उनकी पुश्तैनी है। न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने प्रशासन पर संघीय सरकार को हथियार बनाने का आरोप लगाया। कार्यालय ने अप्रैल में एक बयान में कहा, जेम्स गुंडों से नहीं डरेंगी। चाहे वे कोई भी हों।

ट्रंप ने पिछले महीने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें लगता है कि जेम्स किसी मामले में बहुत बड़ी दोषी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन और संघीय अभियोजकों को पांच महीने की जांच और एक दर्जन से ज्यादा लोगों की गवाही लेने के बाद भी जेम्स के खिलाफ कोई स्पष्ट सबूत नहीं मिला।

पिछले माह प्रशासन के दबाव के बाद वर्जीनिया के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी एरिक सीबर्ट ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप ने उनकी जगह लिंडसे हॉलिगन को नियुक्त किया। वह ट्रंप की पूर्व निजी वकील रह चुकी हैं। जेम्स ने गुरुवार को एक बयान में कहा, यह राष्ट्रपति द्वारा हमारी न्याय प्रणाली को हथियार बनाने की कोशिशों का एक और उदाहरण है। वह संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अपनी बात मनवाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। वह भी सिर्फ इसलिए, क्योंकि मैंने न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल के तौर पर अपना काम जिम्मेदारी के साथ किया।

नेपाल की प्रधानमंत्री ने जेन जी की भावनाओं के पूरे सम्मान का दिया भरोसा

काठमांडू,10 अक्टूबर (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री (पीएम) सुशीला कार्की ने जेन जी विद्रोह के एक महीना पूरा होने पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि जेन जी की भावनाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा। यह वीडियो संदेश बीती देर रात जारी किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे युवाओं की गिरफ्तारी के बाद सरकार की आलोचना के बीच प्रधानमंत्री कार्की ने देश के जेन जी समूह को यह आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जेन जी की भावनाओं का सम्मान करती है और उनकी मांग को पूरा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जेन जी विद्रोह के दौरान मारे गए युवाओं को न्याय दिलाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। प्रधानमंत्री कार्की ने अपने संबोधन में स्वीकार किया है कि पिछली सरकारें जेन जी की आवाज़ और चिंताओं पर ध्यान देने में विफल रही हैं। कार्की ने कहा है कि यह सरकार जेन जी की मांगों को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर रही है।

प्रधानमंत्री कार्की ने नेपाल के युवाओं द्वारा मांगे गए परिवर्तनों के लिए अपनी सरकार की पूरी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, संयम और रचनात्मक जुड़ाव की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्की ने कहा, हम सभी को युवा पीढ़ी के नेतृत्व में क्रांति को स्वीकार करना चाहिए। एक तरफ, हमारे युवा बहुत निराश हैं। दूसरी ओर, वे इस देश के प्रति प्यार रखते हैं। मैं उनकी भावनाओं का सम्मान करती हूं। पिछली सरकारें उनकी आवाज सुनने और उनकी मांगों को पूरा करने में विफल रहीं। इसके लिए हमें अपनी गलतियों और कमजोरियों को स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि सरकार नेपाल के भविष्य को आकार देने में जेन-जी की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक नया तंत्र स्थापित करेगी। हम नए नेपाल के निर्माण में जेन-जी को शामिल करने के लिए एक नई संरचना स्थापित कर रहे हैं, कार्की ने कहा।

ट्रम्प ने ईरान पर हुए हमलों को बताया गाजा शांति समझौते का निर्णायक कारक

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर हुए हमले गाजा संघर्षविराम समझौते को संभव बनाने में बेहद महत्वपूर्ण साबित हुए। उन्होंने कहा कि इन हमलों ने ईरान की परमाणु क्षमता को सीमित कर दिया और क्षेत्र में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया। व्हाइट हाउस में गुरुवार को कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा, मेरा मानना है कि ईरान पर हमला बहुत जरूरी था, क्योंकि अगर ऐसा नहीं होता, तो उनके पास अब तक कई परमाणु हथियार होते। तब चाहे हम कोई भी समझौता करते, उस पर एक काला साया बना रहता और उसकी अहमियत नहीं रहती। रिपोर्टों के अनुसार, इजराइल ने 13 जून को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था, जिसके बाद उसी महीने अमेरिका ने भी ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर निशाना साधा था, जिससे वे गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। ट्रम्प ने आगे कहा, अब ईरान अलग है, उन्होंने हमें सूचित किया है कि वे इस शांति समझौते के पूरी तरह पक्ष में हैं। वे इसे एक अच्छी पहल मानते हैं, और हम उनके साथ मिलकर आगे काम करेंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने देश का पुनर्निर्माण करे, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके पास परमाणु हथियार न हों।

रिहा किए जाने वाले हमास के बंधकों की सूची में नेपाली नागरिक बिपिन जोशी का नाम नहीं, परिजन चिंतित

काठमांडू,10 अक्टूबर (एजेंसियां) । इजरायल और हमास के बीच हुए नए संघर्ष विराम समझौते के तहत सोमवार तक गाजा से 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जाना है। रिहा किए जाने वाले इन बंधकों की सूची सार्वजनिक कर दी गई है लेकिन उसमें नेपाली नागरिक बिपिन जोशी का नाम शामिल नहीं है। अक्टूबर 2023 में हमास के हमलों के दौरान बंधक बनाए गए लोगों को दो साल के बाद संघर्ष विराम के पहले चरण में रिहा किया जा रहा है लेकिन नेपाली नागरिक का नाम उसमें शामिल नहीं है जिससे उसके परिजन बेहद चिंतित हैं। हमास और उसके सहयोगियों ने हमले के दौरान इज़राइल से 251 लोगों का अपहरण किया था और उन्हें गाजा ले गए थे। इनमें से 47 लोगों के अभी भी हमास के कब्जे में रहने की बात बताई गई है। पहले चरण में 20 लोगों

की रिहाई सोमवार तक होने की घोषणा खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के तरफ से की गई है। इज़राइल पहले ही बंधकों में से 26 को मृत घोषित कर चुका है।

जिन लोगों की स्थिति अज्ञात है उनमें इजरायली सैनिक तामीर निमरोदी और नेपाली छात्र बिपिन जोशी शामिल हैं। नेपाल के जोशी का दक्षिणी इज़राइल के एलुमिन किबुत्ज़ से अपहरण कर लिया गया था। उनके परिवार ने हाल ही में पुष्टि की कि इजरायली बलों ने गाजा से एक वीडियो बरामद किया है जिसमें उन्हें जीवित दिखाया गया है, माना जाता है कि फुटेज नवंबर 2023 में फिल्माया गया था। इजरायली मीडिया ने बताया कि वर्तमान संघर्ष विराम प्रस्ताव के तहत, 20 जीवित बंधकों और 28 मृतक के अवशेषों को इज़राइल को वापस कर दिया जाएगा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि हमास को सभी मृतकों के बारे में पूरी जानकारी नहीं हो सकती है। बिपिन जोशी के मामले ने नेपाल और इज़राइल में विशेष ध्यान आकर्षित किया है।

अमेरिकी दूत ने खोली पोलः आतंकियों को पाकिस्तान में घुसकर मार रहे तालिबानी लड़ाके

काबुल,10 अक्टूबर (एजेंसियां) । पाकिस्तानी वायुसेना द्वारा काबुल पर की गई ताजा एयरस्ट्राइक ने अफगान तालिबान को भड़का दिया है। अब ये दोनों देश युद्ध की कगार पर हैं। एक शीर्ष अमेरिकी दूत ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान की राजधानी में एयरस्ट्राइक एक खतरनाक कदम है और इससे युद्ध भड़क सकता है। उन्होंने ये भी दावा किया कि तालिबान के लड़ाके पाकिस्तान के अंदर आईएसआईएस के आतंकियों को मार रहे हैं इसलिए पाक भड़का हुआ है।

बीती रात काबुल में पाकिस्तानी फाइटर जेट्स ने कम से कम दो हवाई हमले किए। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संसद में कहा, हमने काबुल को चेतावनी दी थी कि 6-7 हजार आतंकी उनके इलाके में बसे हैं जो पाकिस्तान को निशाना बना रहे हैं। लेकिन तालिबान ने पैसे मांगने शुरू कर दिए। अब बहुत हुआ! आसिफ ने अफगानिस्तान पर टीटीपी को

शरण देने का आरोप लगाते हुए पूर्ण युद्ध की धमकी दी। अमेरिका के पूर्व विशेष दूत और कूटनीतिज्ञ जालमे खलीलजाद ने एक ट्वीट में लिखा कि पाकिस्तान ने हाल ही में अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के खिलाफ सैन्य हमले किए हैं, जो एक बड़ी सैन्य उत्तेजना है और दोनों देशों के लिए खतरनाक परिणामों की आशंका पैदा करती है। उनके अनुसार, पिछले कुछ दिनों में तालिबान के लड़ाकों ने पाकिस्तान में घुसकर आईएसआईएस के नेताओं को निशाना बनाया और कई को मार डाला। खलीलजाद ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने लापरवाही भरे तरीके से आईएसआईएस के आतंकवादियों को समर्थन दिया है, ताकि अफगानिस्तान और अपने ही बलूच राष्ट्रवादी विद्रोह का मुकाबला किया जा सके। अमेरिकी दूत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को बेहतर विकल्प बताया है। उन्होंने काबुल और इस्लामाबाद के बीच सीधे वार्ता की वकालत की, ताकि दुरंद रेखा के दोनों ओर आतंकवादी ठिकानों को खत्म किया जा सके। उनका मानना है कि यह कदम न केवल संघर्ष को कम करेगा, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी फायदेमंद होगा। एयरस्ट्राइक में टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) के सरगना नूर वाली महसूद की मौत की खबरें हैं। हालांकि तालिबान ने किसी तरह की कोई पुष्टि नहीं की है। न ही अभी तक पाकिस्तान ने काबुल में एयरस्ट्राइक की जिम्मेदारी ली है। खलीलजाद के मुताबिक, अफगानिस्तान की ओर से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को शरण दी जा रही है, जो पाकिस्तान के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। टीटीपी एक संगठित आतंकवादी नेटवर्क है, जो अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा (दुरंद रेखा) के दोनों ओर सक्रिय है और पिछले कई सालों में पाकिस्तान में हजारों लोगों की मौत का कारण बना है, जिसमें 2014 का आर्मी पब्लिक स्कूल हमला भी शामिल है।

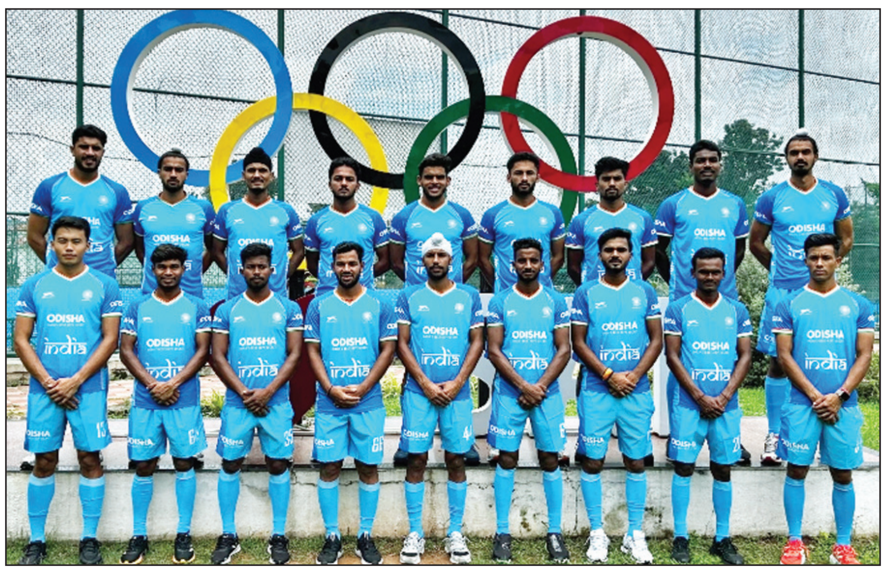

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सुल्तान ऑफ जोहोर कप में गौरव दोहराने को तैयार

भारत 11 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करेगा अभियान की शुरुआत

नयी दिल्ली,10 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम प्रतिष्ठित सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 में अपनी दावेदारी पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 11 से 18 अक्टूबर तक मलेशिया के जोहोर बाह्रू में खेला जाएगा। टीम का लक्ष्य एक बार फिर खिताब पर कब्जा जमाना और इस प्रतियोगिता में अपनी शानदार विरासत को आगे बढ़ाना है।

भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरी सबसे सफल टीम है। उसने 2013, 2014 और 2022 में खिताब जीता है। वहीं, ग्रेट ब्रिटेन चार बार खिताब जीतकर शीर्ष पर है। भारतीय टीम अब तक 4 रजत पदक (2012, 2015, 2018, 2019) और 2 कांस्य पदक (2023, 2024) भी जीत चुकी है, जो उसकी निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है। इस बार भारत अपने अभियान की शुरुआत 11 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम के मैच न्यूजीलैंड (12 अक्टूबर), पाकिस्तान (14 अक्टूबर), ऑस्ट्रेलिया (15 अक्टूबर) और मेजबान मलेशिया (17 अक्टूबर) से होंगे। राउंड-रॉबिन चरण के बाद शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल में भिड़ेंगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच पी.आर. श्रीजेश ने टूर्नामेंट से पहले कहा,सुल्तान ऑफ जोहोर कप हमारे लिए हमेशा खास रहा है। यहीं से कई मौजूदा सीनियर खिलाड़ियों ने अपने करियर की उड़ान भरी थी। यह युवा खिलाड़ियों को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को परखने का शानदार मौका देता है।

उन्होंने आगे कहा, हमारी तैयारी संतुलित टीम बनाने पर केंद्रित रही है, जो अनुशासन के साथ रचनात्मकता और आक्रामकता के साथ रणनीति को मिला सके। खिलाड़ियों ने पिछले कुछ हफ्तों में बेहद तीव्रता से ट्रेनिंग की है और टीम में एकजुटता और उद्देश्य साफ झलकता है। यह टूर्नामेंट जूनियर वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए भी अहम साबित होगा।

न्यूज ब्रीफ

अल्जीरिया ने सोमालिया को हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ओरान (अल्जीरिया) । अल्जीरिया ने गुरुवार को मिलूद हदेफ़ी स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर

मुकाबले में सोमालिया को 3-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। अल्जीरिया के लिए मोहम्मद अमौरा ने दो गोल दागे, जबकि कप्तान रियाद महरेज़ ने एक गोल कर टीम की जीत पक्की की। इस जीत के साथ डेज़र्ट फॉक्सेस (अल्जीरिया की टीम का उपनाम) ने ग्रुप जी में 9 मैचों से 22 अंकों के साथ शीर्ष स्थान मजबूत किया। टीम ने अब तक सात जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की है। यह अल्जीरिया की फीफा विश्व कप में पांचवीं एंट्री होगी। इससे पहले टीम ने 1982, 1986, 2010 और 2014 में विश्व कप में हिस्सा लिया था। अल्जीरिया 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी अफ्रीकी टीम बन गई है। इससे पहले मोरक्को, ट्यूनिशिया और मिस्र ने भी जगह बनाई थी। गौरतलब है कि 2026 फीफा विश्व कप अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

आयुष की कप्तानी में हैदराबाद के खिलाफ रणजी मैच में उतरेगी दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले

रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए अपनी 24 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी आयुष बडोनी करेंगे जबकि यश ढुल को उपकप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने इस टीम में बल्लेबाज नितीश राणा को भी शामिल किया है। राणा की एक बार फिर दिल्ली की टीम में वापसी हुई है। बीच में वह उत्तर प्रदेश चले गये थे। डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमारे पास रहेगा। वहीं राणा की वापसी को लेकर उन्होंने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता जानते हैं कि उनकी वापसी से लाभ होगा। अगले मैच में हमें अनुभवी बल्लेबाज हम ऋषभ पंत के खेलने की भी उम्मीद । दिल्ली टीम : आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने रणजी के लिए टीम घोषित की, पृथ्वी और जलज भी शामिल

पुणे। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी टीम घोषित कर दी गयी है। इसमें मुम्बई छोड़कर

आये बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और केरल छोड़कर आये ऑलराउंडर जलज सक्सैना को भी शामिल किया गया है। अब ये दोनो ही पहली बार महाराष्ट्र की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं। हाल में पृथ्वी का अपनी पुरानी टीम मुंबई के साथी खिलाड़ी मुशीर खान से झगड़ा हो गया था पर इसके बाद दोनो में सुलह भी हो गयी है। इस मैच में झगड़े के लिए पृथ्वी को सजा नहीं मिली है और वह महाराष्ट्र की ओर से अपना रणजी डेब्यू करने जा रहे हैं। इससे पहले महाराष्ट्र का मुंबई से तीन दिन का अभ्यास मैच हुआ था। उसमें पृथ्वी ने शतक लगाया था। इसी मैच में मुशीर की गेंद पर आउट होने के बाद उनका मुम्बई टीम के खिलाड़ियों से विवाद हो गया था। इसी सत्र में पृथ्वी मुंबई का साथ छोड़कर महाराष्ट्र आए हैं जिससे उनका करियर फिर पटरी पर पहुंच जाये। मुंबई से ही पृथ्वी ने अपने करियर की शुरुआत की थी पर पिछले सत्र में टीम ने उन्हें रणजी के लिए शामिल नहीं किया था । इसी कारण अब मजबूरी में पृथ्वी महाराष्ट्र से खेलने आये हैं। वह रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में वासी करना चाहते हैं। वहीं इसी सत्र में केरल से आये जलज भी पहली बार महाराष्ट्र के लिए खेलेंगे। जलज को घरेलू क्रिकेट का दिग्गज माना जाता है और उनके आने से टीम को काफी मदद मिलेगी। टीम में ऋतुराज गायकवाड़ भी शामिल है।

यशस्वी जायसवाल ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

-23 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में ला दिया जलजला

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के ओपनिंग सुपरस्टार यशस्वी जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन रिकॉर्डों की झड़ी लगा दी। जायसवाल ने शानदार 150 रन बनाकर अपना नाम क्रिकेट इतिहास के दिग्गजों डॉन ब्रैडमैन, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, वीरेंद्र सहवाग, ग्रेम स्मिथ और जावेद मियांदाद की लिस्ट में दर्ज करा लिया है। दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में जायसवाल ने अपने करियर का 5वां 150 या उससे ज्यादा का स्कोर किया।

सबसे खास बात यह है कि उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 24 साल की उम्र से पहले ही हासिल की है। इस उम्र तक ब्रैडमैन के नाम सबसे अधिक आठ बार 150 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड था। जायसवाल ने तेंदुलकर, स्मिथ और मियांदाद को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम इस उम्र में चार-चार बार 150 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड था। इस तरह वे 24 साल से पहले भारत की ओर से सबसे ज्यादा 150 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड के अलावा दिल्ली टेस्ट के पहले दिन की बात करें तो टीम इंडिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 318 रन बना लिए थे। यशस्वी जायसवाल 173 और कप्तान शुभमन गिल 20 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। भारत के लिए पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की। पहले विकेट के रूप में केएल राहुल 38 रन बनाकर आउट हुए। 54 गेंद की अपनी पारी में राहुल ने 5 चौके और 1 छक्का लगाया।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए साई सुदर्शन ने खराब फॉर्म को पीछे छोड़ा और टीम मैनेजमेंट के किए भरोसे को सही साबित करते हुए 165 गेंद पर 12 चौकों की मदद से 87 रन की पारी खेली। सुदर्शन अपना पहला टेस्ट शतक लगाने से चूक गए, लेकिन जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए निभाई 193 रन की साझेदारी ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। यशस्वी जायसवाल पहले दिन के खेल का मुख्य आकर्षण रहे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट करियर का 7वां शतक लगाया। जायसवाल शतक को बड़े शतक में बदलने के लिए जाने जाते हैं और इस टेस्ट में भी अपनी इस आदत को सही साबित कर चुके हैं। जायसवाल 253 गेंद पर 22 चौकों की मदद से 173 रन बनाकर खेल रहे हैं।

वुहान ओपन 2025 सेमीफाइनल में सबालेंका और पेगुला की भिड़ंत पक्की

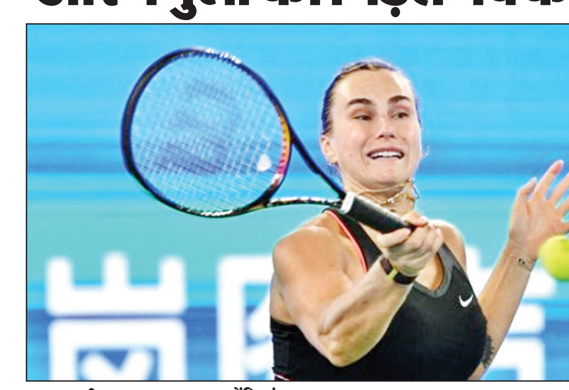

वुहान (चीन) ,10 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

विश्व की नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को एलेना राइबाकिना को 6-3, 6-3 से हराकर वुहान ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही उन्होंने इस टूर्नामेंट में लगातार 20वीं जीत दर्ज की और चौथे लगातार खिताब की अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

सबालेंका और राइबाकिना के बीच यह 13वां मुकाबला था। पहले सेट में 4-3 की बढ़त के बाद बेलारूस की इस स्टार टेनिस खिलाड़ी ने राइबाकिना की सर्विस तोड़ते हुए सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में ही ब्रेक हासिल कर सबालेंका ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। कुछ देर के लिए सर्विस में लड़खड़ाहट के बावजूद उन्होंने जीत पर शिकंजा कसते हुए राइबाकिना के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-5 कर लिया। यह जीत उनके लिए सिनसिनाटी में इस साल राइबाकिना से मिली हार का बदला भी रही।

अब सेमीफाइनल में सबालेंका का सामना अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला ने एक अन्य क्वार्टरफाइनल में शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा को 2-6, 6-0, 6-3 से हराया। यह इस सीजन में उनकी 50वीं जीत है, जिससे उन्होंने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है।

गौरतलब है कि सबालेंका और पेगुला के बीच अब तक 10 मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें से 8 में बेलारूस की खिलाड़ी को जीत मिली है। उन्होंने पिछले साल यूएस ओपन के फाइनल में भी पेगुला को हराया था।

इस बीच जर्मनी की लौरा सीगेमंड का सामना अमेरिकी तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ़ से एक अन्य क्वार्टरफाइनल में होगा, जबकि पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और इटली की सातवीं वरीय जैस्मिन पाओलिनी के बीच 2024 फ्रेंच ओपन फाइनल का रीमैच खेला जाएगा।

लंदन में मैत्री फुटबॉल मैच

लंदन में मैत्री फुटबॉल मैच में खेलती हुई इंग्लैंड और वेल्स की टीमें।

अखिल भारतीय अंतर-साई कयाकिंग और कैनोइंग में एनसीओई अलेप्पी बना ओवरऑल चैंपियन

सब-जूनियर वर्ग में भोपाल ने मारी बाजी, जगतपुर का भी शानदार प्रदर्शन

अलेप्पी (केरल),10 अक्टूबर (एजेंसियां) । मेजबान नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) अलेप्पी 10वीं ऑल इंडिया इंटर-एसएआई कायाकिंग और कैनोइंग चैंपियनशिप में ओवरऑल चैंपियन बना। यह चार दिवसीय प्रतियोगिता गुरुवार को संपन्न हुई। रोइंग के बाद अब कायाकिंग और कैनोइंग जैसे जल खेलों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस ऑल इंडिया एसएआई आयोजन में देशभर के युवा जल खेल प्रेमियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में देश के आठ केंद्रों से एथलीटों ने भाग लिया। हाल ही में 21 से 23 अगस्त को श्रीनगर के डल झील पर आयोजित पहले खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल ने जल खेलों को नई ऊर्जा दी है। इस प्रतियोगिता में 197 एथलीटों ने हिस्सा लिया, जिनमें 92 महिला खिलाड़ी शामिल थीं। कुल 96 पदक

स्पर्धाएं आयोजित की गईं। एनसीओई अलेप्पी, एनसीओई भोपाल (मध्य प्रदेश) और एनसीओई जगतपुर (ओडिशा) शीर्ष प्रदर्शन करने वाले तीन प्रमुख केंद्र रहे। इनके अलावा जम्मू-कश्मीर, पोर्ट ब्लेयर, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), आर्मी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी (रुड़की) और एबीएससी ईएमई की टीमों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी वैष्णवी आर, अक्षया बी और योगिता वर्मा ने हिस्सा लिया जम्मू-कश्मीर की टीम ने सीनियर वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। यूनियन टेरिटरी की टीम ने कुल 8 पदक जीते, जिनमें 2 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य पदक शामिल हैं। उनके दोनों स्वर्ण पदक सीनियर पुरुष वर्ग में आए, जब मोहम्मद हुसैन और सज्जाद हुसैन ने कैनो डबल्स 200 मीटर और 500 मीटर में गोल्ड मेडल जीते। ये दोनों खिलाड़ी श्रीनगर में हुए खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में भी मल्टीपल मेडल जीत चुके हैं। एनसीओई अलप्पुझा ने सीनियर और जूनियर दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमश: 24 और 15 स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

जॉर्डन कॉक्स और एम्मा लैम्ब को मिला पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

लंदन,10 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के क्रिकेटरों जॉर्डन कॉक्स और एम्मा लैम्ब को इस साल के प्रतिष्ठित प्रोफेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) अवॉर्ड्स में क्रमश: पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड टीम में वापसी की थी। कॉक्स को यह अवॉर्ड एक बेहतरीन सीजन के बाद मिला जिसमें उन्होंने एसेक्स के लिए टी20 में शतक लगाया और द हंड्रेड में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने जो रूट, एड बार्नार्ड और डॉम सिबली को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता। कॉक्स ने कहा, मेरे लिए सबसे खास पल आयरलैंड के खिलाफ अर्धशतक बनाना था। इसी वजह से मुझे न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुना गया, और अब मैं टेस्ट टीम में जगह पक्की करना चाहता हूं। दूसरी ओर, एम्मा लैम्ब को महिला प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। वह इस समय कोलंबो में इंग्लैंड की ओर से वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त हैं। उन्होंने

लंकाशायर की मेट्रो बैंक कप जीत में सबसे ज्यादा रन बनाए और नैट स्किवर-ब्रंट, कैथरीन ब्राइस और जॉर्जिया एल्विस को पीछे छोड़ा। लैम्ब ने कहा, मैं बहुत हैरान थीज् लेकिन अपने साथियों से यह सम्मान पाना गर्व की बात है। युवा खिलाड़ियों की श्रेणी में पुरुष यंग प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब रेहान अहमद को मिला, जिन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में पांच शतक लगाए और लीसेस्टरशायर को प्रमोशन दिलाने में अहम भूमिका निभाई। महिलाओं में यह अवॉर्ड डाविना पेरीन को मिला, जिन्होंने द हंड्रेड के एलिमिनेटर में 42 गेंदों पर शतक जड़ा। आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन अवॉर्ड पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ग्राहम गूच को उनके खेल के प्रति योगदान के लिए दिया गया। वहीं, आदिल राशिद और नैट स्किवर-ब्रंट को राडो रिकग्निशन अवॉर्ड से नवाजा गया। ईसीबी का स्पेशल मेरिट अवॉर्ड एंड्रयू फ्लिंटॉफ की बीबीसी सीरीज़ फील्ड ऑफ ड्रीम्स को मिला। अंपायर ऑफ द ईयर के अवॉर्ड में पुरुष वर्ग में इयान ब्लैकवेल और महिला वर्ग में गाबी ब्राउन को सम्मानित किया गया।

पीसीए के मुख्य कार्यकारी डैरिल मिशेल ने कहा, यह क्रिकेट का सबसे प्रतिष्ठित समारोह है, जहां हम उन खिलाड़ियों का सम्मान करते हैं जिन्होंने पूरे सीजन मेहनत की और शानदार प्रदर्शन किया। यह अवॉर्ड्स इंग्लैंड क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है।

2025 पीसीए अवॉर्ड्स विजेता:

पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर: जॉर्डन कॉक्स (फाइनलिस्ट: एड बार्नार्ड, जो रूट, डॉम सिबली)

महिला प्लेयर ऑफ द ईयर: एम्मा लैम्ब (फाइनलिस्ट: कैथरीन ब्राइस, जॉर्जिया एल्विस, नैट स्किवर-ब्रंट)

पुरुष यंग प्लेयर ऑफ द ईयर: रेहान अहमद (फाइनलिस्ट: जेम्स कोल्स, आसा ट्राइब)

महिला यंग प्लेयर ऑफ द ईयर: डाविना पेरीन (फाइनलिस्ट: एलिसा लिस्टर, एला मैककॉगन)।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सिहोरा इंडस्ट्रीज का आईपीओ,14 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली,10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सिहोरा इंडस्ट्रीज का 10.56 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 66 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 16 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं।

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा मार्केट मेकर्स आफ्टरट्रेड ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस इश्यू के लिए सौभाग्या कैपिटल ऑपशंस लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। कंपनी के शेयर 17 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 60 लाख रुपये और 2024-25 में उछल कर 1.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 12.10 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 11.62 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 15.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से अगस्त महीने के दौरान कंपनी को 45 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है, जबकि इस अवधि में कंपनी को 5.86 करोड़ रुपये की आय हुई है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

स्पाइसजेट एयरलाइन ने अपने बेड़े में तीन और विमान जोड़े

नई दिल्ली। देश में सस्ती विमानन सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी स्पाइसजेट ने अपने परिचालन बेड़े में तीन नए विमान जोड़े हैं। इनमें एक एयरबस ए340 चौड़ा आकार और दो बोइंग 737 विमान शामिल हैं। एयरलाइन के बेड़े का विस्तार होने से छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग पूरी हो सकेगी। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि उसे तीन नए विमान मिले हैं, जिनमें एक एयरबस ए340 वाइड-बॉडी और दो बोइंग 737 हैं।एयरलाइन ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर के बीच कुल 20 विमान उसके परिचालन बेड़े में शामिल होंगे। इनका संचालन डैम्प लीज मॉडल के तहत किया जाएगा। हालांकि, कंपनी ने लीज की अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। एयरलाइन ने बताया कि ये नए विमान 10 और 11 अक्टूबर के बीच परिचालन में आ जाएंगे। इसके साथ ही एयरलाइन दिसंबर के मध्य तक चार विमानों को भी उतार देगी, जिससे उसकी क्षमता और बढ़ेगी। एयरलाइन ने कहा कि उसके बेड़े का विस्तार इस छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। कंपनी ने कहा कि हम गति पकड़ रहे हैं। शीतकालीन योजना प्रमुख शहरों के बीच कनेक्टिविटी को मज़बूत करके हमारे मेहमानों के लिए नए अवसर खोलेगी। हम विवेकपूर्ण तरीके से क्षमता वृद्धि, समय पर प्रदर्शन में सुधार और अपने ग्राहकों व भागीदारों को मूल्य प्रदान करना जारी रखेंगे।

असम में चाय उद्योग में सभी उत्पादकों की जगह बनी रहनी चाहिए: रवि कोटा

कोलकाता। असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा है कि राज्य के चाय उद्योग में मौजूद दोहरी संरचना, जिसमें बड़े संगठित उत्पादक और छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) शामिल हैं, भविष्य में भी बनी रहनी चाहिए। उन्होंने इस संरचना को आवश्यक बताते हुए कहा कि दोनों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना सह-अस्तित्व बनाए रखना होगा। असम भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है, जो देश की सालाना चाय उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा देता है। बड़े संगठित उत्पादकों को बागान अधिनियम के तहत कई कल्याणकारी दायित्व निभाने होते हैं, जबकि छोटे उत्पादक इन दायित्वों से मुक्त हैं। एसटीजी का योगदान भारत की कुल चाय उत्पादन में 50 फीसदी से अधिक है। कोटा ने चाय के लिए न्यूनतम स्थायी मूल्य (एमएसपी) लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसा मॉडल तैयार किया जाना चाहिए जो किसानों के लिए न्यायसंगत हो। साथ ही चाय के आयात में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उत्पाद के मूल स्रोत की जानकारी उपभोक्ताओं को मिलनी चाहिए।

भारत में 47 फीसदी आबादी अब भी ऑफलाइन, महिलाओं की डिजिटल भागीदारी 33 फीसदी कम

नई दिल्ली। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि भारत की लगभग 47 प्रतिशत आबादी अब भी इंटरनेट से जुड़ी नहीं है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में जीएसएमए एशिया एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। गोर्मन के अनुसार, डिजिटल पहुंच में सबसे बड़ी बाधा मोबाइल डिवाइस की ऊंची कीमतें और तकनीकी ज्ञान की कमी है। इसके अलावा, मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करने में महिलाएं पुरुषों से 33 प्रतिशत पीछे हैं। यह बढ़ता डिजिटल लैंगिक अंतर देश के समावेशी विकास के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। जीएसएमए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था 2013 के 108 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 370 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, और 2030 तक इसके 1,000 अरब डॉलर को पार करने की संभावना है। लेकिन यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर डिजिटल पहुंच और नवाचार में असमानता दूर नहीं की गई, तो 2047 तक भारत के डिजिटल संप्रभुता लक्ष्यों को प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट ने यह भी उजागर किया कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे और मोबाइल अपनाने में अग्रणी है, पर अनुसंधान एवं विकास, निजी क्षेत्र की भागीदारी और कुशल तकनीकी पेशेवरों की उपलब्धता के मामले में अभी भी पिछड़ रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जब सीएम ही...

ममता बनर्जी का जनता का आशय मुस्लिम समुदाय होता है। ममता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला और कहा कि वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह व्यवहार करते हैं। ममता बनर्जी ने अमित शाह की तुलना मीर जाफर से की, जिन्होंने 1757 में सिराज-उद-दौला से विश्वासघात किया था। उन्होंने कहा, अमित शाह पर हमेशा भरोसा मत करो। वह एक दिन आपके मीर जाफर बनेंगे। ममता बनर्जी की बौखलाहट अब इस स्तर पर उतर आई है। ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा ने तुरंत पलटवार किया। भाजपा सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि अमित शाह जो कहते हैं, वह वास्तव में करते हैं।

भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी बिहार में फर्जी मतदाताओं के नाम कटने के बाद एसआईआर प्रक्रिया से डरी हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में सबसे ज्यादा फर्जी मतदाता हैं और अब ममता को चुनाव जीतने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एनआरसी की बात जनता को गुमराह करने के लिए कर रही हैं, जबकि भारतीय नागरिकों के नाम नहीं हटेंगे।भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वस्थ प्रक्रिया से होने वाले चुनावों के लिए निर्धारित एसआईआर की प्रक्रिया के विरुद्ध जिस प्रकार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खतरनाक बयान दिया है, वह प्रकारांतर से सीधे हिंसा भड़काने का संकेत देता है। यह अपने आप में तृणमूल कांग्रेस की नैतिकता और पश्चिम बंगाल सरकार की संवैधानिकता दोनों पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। यह कैसे संभव है कि कानून-व्यवस्था, जो राज्य का विषय है, उस राज्य की मुख्यमंत्री स्वयं इस प्रकार से चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े करें? उन्होंने कहा कि पूर्व में भी पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस प्रकार हिंसा को संरक्षण दिया, उस पर न्यायालयों की कठोर टिप्पणियां रही हैं। ऐसे में यदि मुख्यमंत्री स्वयं सर्वोच्च पद से इस प्रकार के बयान दें, तो यह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है।भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राजनीतिक मर्यादाएं तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय नबन्ना में बैठकर खुलेआम धमकी दी है कि अगर बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हुआ, तो इससे दंगे भड़क सकते हैं और कई अन्य चीजें हो सकती हैं। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने ममता बनर्जी पर दंगे भड़काने और हिंदू-मुस्लिम संघर्ष कराने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने घुसपैठिओं का मुद्दा भी उठाया और कहा कि अगर देश छोड़कर भागे लोग वापस आ गए हैं, तो यह कोई धर्मशाला नहीं है, जहां कोई भी प्रवेश कर सकता है।उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इसको लेकर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में जनता और राज्य सरकार को शामिल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठकों में सिर्फ कुछ अधिकारियों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि एसआईआर की आड़ में असली मतदाताओं को हटाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को एनआरसी लागू करने की साजिश बताते हुए कहा कि भाजपा आग से खेल रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के एसआईआर वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की सीएम के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की पीएम हैं इसलिए वहां का कानून अलग है। भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी ने पहले भी बंगाल के मतदाताओं में दहशत पैदा करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि 2005 में जब डिप्टी स्पीकर के सामने कागजों का एक बंडल फेंका गया था तब उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश से घुसपैठिए घुस रहे हैं। आज मुख्यमंत्री बनने के बाद क्या हुआ? आज वह सीएए का विरोध कर रही हैं। सीएए नहीं तो वोट नहीं। बंगाल के लोग चाहते हैं कि जो लोग बाहर से आए हैं और हमारे अधिकार छीन रहे हैं, उन्हें बाहर निकाला जाए।

करीबी दोस्त भारत...

भारत और अफगानिस्तान को संपर्क बढ़ाना चाहिए। मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी अन्य देश के खिलाफ नहीं होने देगा। अफगानी विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफगानिस्तान में हाल ही में भूकंप आया तो सबसे पहले मदद भेजने वाला देश भारत ही था। अफगानिस्तान भारत को एक करीबी मित्र राष्ट्र के तौर पर देखता है। अफगानिस्तान भारत के साथ आपसी सम्मान पर आधारित रिश्ते चाहता है, जिसमें व्यापारिक और लोगों के लोगों से संबंध रहें। हम एक ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए तैयार हैं, जिससे दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हो सकें।भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अफगानिस्तान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से बातचीत में काबुल में फिर से भारतीय दूतावास खोलने की बात कही। उन्होंने मुत्तकी से कहा, आपकी यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान के रिश्तों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। भारत, अफगान लोगों का शुभचिंतक होने के नाते, आपके विकास में गहरी रुचि रखता है। आज मैं यह दोहराना चाहता हूं कि अफगानिस्तान में चल रहे भारत के कई प्रोजेक्ट्स के जरिए हमारी पुरानी साझेदारी फिर से मजबूत हो रही है। जयशंकर ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने के लिए हम आपके आभारी हैं। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अफगानिस्तान के लोगों की स्वतंत्रता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी 9 अक्टूबर को भारत दौरे पर पहुंचे और उनका भारत दौरा 16 अक्टूबर तक चलेगा। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद यह काबुल से नई दिल्ली आने वाला पहला शीर्ष प्रतिनिधिमंडल है। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी आने वाले दिनों में आगरा और देवबंद भी जाएंगे। वह भारत में रह रहे अफगानिस्तान के लोगों से भी मिलेंगे। यह पहली बार है, जब तालिबान के विदेश मंत्री भारत दौरे पर आए हैं। यह भारत की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण घटना है, जब तालिबान पर अपनी स्थिति स्पष्ट की जा रही है। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 15 मई को मुत्तकी से फोन पर बातचीत की थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह भारत और अफगानिस्तान के बीच शीर्ष स्तर का संपर्क था। भारत ने अब तक तालिबान के शासन को मान्यता नहीं दी है और वह काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है। भारत इस बात पर भी जोर देता रहा है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तालिबान शासन ने जनवरी में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और मुत्तकी के बीच बातचीत के बाद भारत को एक अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था।

अफगानिस्तान सरकार ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में खनन के लिए आमंत्रित किया है। इस प्रस्ताव पर दोनों सरकारों के बीच विचार-विमर्श जारी है। डॉ. जयशंकर ने कहा, अफगानिस्तान सरकार के इस प्रस्ताव का हम स्वागत करते हैं। इस बार चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने के हमारे साझा हित हैं। काबुल और नई दिल्ली के बीच उड़ान सेवाएं बढ़ाने का ऐलान करते हुए भी हमें खुशी हो रही है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि विकास और समृद्धि के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता है। हालांकि, दोनों देशों द्वारा सीमापार आतंकवाद के साझा खतरों का सामना किया जा रहा है। हमें आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति आपकी संवेदनशीलता की हम सराहना करते हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद हमारे साथ आपकी एकजुटता उल्लेखनीय थी।

भारत ने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करते हुए काबुल स्थित भारतीय तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा दे दिया। इसके साथ ही भारत ने आधिकारिक रूप से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने का ऐलान किया। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत-अफगानिस्तान के करीबी संबंध, अफगानिस्तान के विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी जरूरी हैं। इसे और मजबूत करने के लिए, मुझे आज काबुल स्थित भारत के तकनीकी मिशन को भारतीय दूतावास के स्तर पर उन्नत करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

दिल्ली में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से बातचीत हो रही थी, ठीक उसी वक्त अफगानिस्तान की राजधानी काबुल धमाकों से दहल उठी। शनिवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात को काबुल में कई विस्फोट और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। इन हमलों के पीछे पड़ोसी पाकिस्तान का हाथ बताया गया। साफ है कि अफगानिस्तान का भारत के साथ बढ़ता मेल-जोल पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। इससे पहले बुधवार 8 अक्टूबर को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में टीटीपी के हमले में पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद आरिफ और मेजर तैय्यब राहत समेत 11 सैनिक मारे गए थे। सीमा विवाद को लेकर पाकिस्तान और तालिबान के रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण हैं, और इन घटनाओं ने क्षेत्रीय माहौल को और गरमा दिया है।काबुल में हुए हमलों पर तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि धमाकों की जांच शुरू कर दी गई है। ये विस्फोट उस समय हुए जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं। मुत्तकी की छह दिवसीय यात्रा का मकसद राजनयिक मान्यता प्राप्त करने के लिए भारत के साथ संबंध बेहतर करना है। इन धमाकों के पीछे पाकिस्तान की संभावित भूमिका का दावा इसलिए हो रहा है क्योंकि सीमा विवाद के चलते तालिबान और पाक सरकार के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में आरोप लगाया कि अफगानिस्तान का अंतरिम प्रशासन पाकिस्तान के खिलाफ टीटीपी का समर्थन करता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान ने टीटीपी आतंकियों को दूर रखने के लिए पाकिस्तान से फंड मांगा था।तालिबान के पॉलिटिकल ऑफिस के हेड और कतर में अफगानिस्तान के राजदूत सुहैल शाहीन ने कहा, ये हमारे विदेश मंत्री का भारत का पहला हाई-लेवल दौरा है, जो बहुत अहम है। हम उम्मीद करते हैं कि इससे दोनों देशों के बीच नया दौर शुरू होगा। यात्रा के दौरान आपसी सहयोग के कई क्षेत्र खोजे जा सकते हैं। वो यहीं नहीं रुके, उन्होंने साफ कहा, अब दोनों देशों के लीडर्स को डिप्लोमैटिक लेवल बढ़ाना चाहिए। आईईए सरकार को मान्यता देकर द्विपक्षीय सहयोग का रास्ता साफ करें, ताकि रिश्ते हर क्षेत्र में फैलें। तालिबान के बयान से ऐसा लगता है जैसे तालिबान अब इंतजार के मूड में नहीं है, वो चाहते हैं कि भारत उनकी सरकार को वैश्विक स्टेज पर जगह दे।यूएन सिक्योरिटी काउंसिल ने मुत्तकी पर लगा ट्रैवल बैन हटाया, ताकि वो भारत आ सकें। भारत का मुत्तकी को होस्ट करना दिखाता है कि दोनों तरफ भरोसा बढ़ रहा है। तालिबान भारत से कह रहा है कि अफगानिस्तान में अपना आर्थिक असर और फैला लो। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब हो चुके हैं। भारत अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में पहले से प्रोजेक्ट्स चला रहा है। जल्द ही और विकास के काम शुरू होंगे, साथ ही मानवीय मदद भी जारी रहेगी। तालिबान का समर्थन मिलने से ये सब आसान हो गया है। ये यात्रा द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करेगी, लेकिन औपचारिक मान्यता पर अभी फिलहाल कोई बदलाव नहीं दिख रहा।अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्तकी ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और भारत सरकार की गर्मजोशी और मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद दिया। मुत्तकी ने बताया कि दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर विस्तृत बातचीत हुई, जिसमें आर्थिक, राजनीतिक, राजनयिक, क्षेत्रीय और सुरक्षा से जुड़े विषय शामिल थे। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने काबुल में अपने दूतावास की तकनीकी उपस्थिति को और मजबूत करने का फैसला लिया है। साथ ही, जल्द ही इस्लामिक अमीरात (अफगानिस्तान) का राजनयिक प्रतिनिधिमंडल भी दिल्ली पहुंचेगा। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए हवाई संपर्क (एयर कॉरिडोर) को भी मजबूत करने पर सहमति बनी है। मुत्तकी ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का भरोसा दिया है। उन्होंने हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों को भारत की ओर से दी गई मदद के लिए भी आभार जताया। इसके अलावा, भारत और अफगानिस्तान ने मिलकर एक व्यापार समिति बनाने का भी निर्णय लिया है। मुत्तकी ने बताया कि अफगानिस्तान में निवेश के लिए नए अवसर खुले हैं, खासकर खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में। उन्होंने भारतीय कंपनियों और निवेशकों को अफगानिस्तान में इन क्षेत्रों में काम करने के लिए आमंत्रित किया। भारत ने सद्भावना के तौर पर अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस उपहार में दीं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने प्रतीकात्मक कदम के तौर पर 20 एम्बुलेंस में से पांच व्यक्तिगत रूप से अफगान विदेश मंत्री मुत्तकी को सौंपीं।

पांच राज्यों में...

एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध मतदाताओं के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें मतदाता सूची से बाहर निकालना है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने हलफनामा दाखिल कर कहा था कि बिहार के बाद पूरे देश में एसआईआर जल्द शुरू होगा। देशभर में एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग के पास संवैधानिक अधिकार है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

सुप्रीम कोर्ट में दिए गए हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार हो या बाकी पूरा देश, आधार कार्ड सिर्फ पहचान का प्रमाण है। यह नागरिकता का नहीं प्रमाण पत्र नहीं हो सकता। सिर्फ देश के नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के बाद तैयार अंतिम मतदाता सूची से बाहर किये गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उसे उपलब्ध कराए। निर्वाचन आयोग ने न्यायालय को सूचित किया कि 30 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए ज्यादातर नाम नए मतदाताओं के हैं और अब तक सूची से बाहर किए गए किसी भी मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है।न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह निर्देश तब पारित किया, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) जैसे विपक्षी दलों के नेताओं सहित कुछ याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम सूची से मतदाताओं को हटाए जाने को लेकर कोई नोटिस या कारण नहीं बताया है। पीठ चुनावी राज्य बिहार में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उसने कहा कि निर्वाचन आयोग बाहर रखे गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी बृहस्पतिवार (9 अक्टूबर) तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाये, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मतदाता सूची का मसौदा है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

स्वयंसेवकों की हत्या...

चित्तरिप्परम्बा निवासी 17वीं मील शाखा के मुख्य शिक्षक श्यामा प्रसाद की कोमेरी स्थित बकरी फार्म के पास मार दिया गया। इसी तरह त्रिशूर में बाइक से आईटीआई कॉलेज से लौटते समय आनंदन की चार सीपीआईएम के कार्यकर्ताओं ने बेरहमी से पिटाई की।पुलिस अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। केटी जयकृष्ण मास्टर को तो स्कूल में पढ़ाते वक्त बच्चों के सामने ही मार दिया गया था! पुलिस साक्ष्य ठीक ढंग से नहीं रखती, इसलिए ज्यादातर मामलों में अपराधी न्यायालय से छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी यही हुआ है, अपराधी साक्ष्यों के अभाव में छोड़ दिए गए, हम इस मामले को ऊपरी अदालत में लेकर जाएंगे।

केरल में राज्य पुलिस, मानव अधिकार संगठनों और कई स्वतंत्र जांच के रिकॉर्ड बताते हैं कि 1970-1990 के बीच लगभग 60 आरएसएस कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। 1990-2010 के दौरान 140 से अधिक राजनीतिक हत्याएं हुईं। 2010-2025 के बीच तकरीबन 100 नई वारदातें रिकॉर्ड की गईं, जिनमें आरएसएस और भाजपा कार्यकर्ता थे। न्यायालयों में अधिकांश मामलों में साक्ष्य की कमी, गवाहों के मुकरने और राजनीतिक दबाव के चलते सजा का प्रतिशत बेहद कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राजनीतिक हत्या के 80 प्रतिशत मामलों में आरोपियों को बरी कर दिया गया है।पीड़ित परिवारों और समर्थकों का कहना है कि अदालत का यह फैसला न केवल हत्या के दोषियों को राहत देता है बल्कि राज्य की न्याय प्रणाली पर भी गहरा प्रश्नचिह्न लगाता है। कन्नूर से लेकर कोच्चि तक इस पर प्रश्न उठ रहे हैं कि अगर इन 16 लोगों ने हत्या नहीं की, तो फिर हमारे भाइयों को किसने मारा? कई लोगों ने इसे प्रणालीगत विफलता कहा है। उनका कहना है कि पिछले 50 वर्षों से हमारे सैकड़ों कार्यकर्ता मारे जा चुके हैं, लेकिन दोष सिद्ध होने की घटनाएं गिनी-चुनी हैं। पिछले 50 वर्षों में 300 से अधिक संघ स्वयंसेवकों की हत्या, सैकड़ों मुकदमे, और बार-बार के बरी आदेश यह सब एक बड़े संवैधानिक प्रश्न की ओर इशारा करते हैं, क्या राज्य न्याय देने में विफल रहा है या राजनीति ने न्याय को अपनी मुट्ठी में कैद कर लिया है? यह सवाल अनुत्तरित है कि अगर इन हत्याओं को किसी ने अंजाम नहीं दिया, तो फिर मरने वाले स्वयंसेवकों को किसने और क्यों मारा?

सुप्रीम कोर्ट ने ...

जम्मू-कश्मीर राज्य दर्जा याचिका के वादी इरफान हाफी लोन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने पहले यह निर्देश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक चुनाव कराए जाएं और राज्य दर्जा जल्द बहाल किया जाए। इस दिशा में उन्होंने कोर्ट को एक प्रस्ताव भेजा है जिसमें कहा गया है कि संविधान की संघवाद की भावना के अनुसार, पूर्ण राज्य का दर्जा एक निश्चित समय सीमा के भीतर बहाल हो जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज इस प्रस्ताव की एक प्रति कोर्ट में पेश की गई, जिसे जम्मू-कश्मीर कैबिनेट द्वारा पारित किया गया था।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि यह एक विशेष स्थिति है और इसमें कई संवेदनशील पहलू जुड़े हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग केंद्र शासित प्रदेश के बारे में जानबूझकर नकारात्मक छवि पेश कर रहे हैं।

ट्रंप को न...

बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो साल 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष की राष्ट्रपति उम्मीदवार थीं, लेकिन वेनेजुएला की सरकार ने उम्मीदवारी रद्द कर दी।

13 को रखा जायेगा अहोई अष्टमी व्रत

सभी जगह दिपावली की तैयारी घरों सहित बाजारों में शुरू हो चुकी है। भारतीय पंचांग के अनुसार, कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस जिन अहोई माता का व्रत रखा जाता है। 13 अक्टूबर को अहोई अष्टमी व्रत भी रखा जायेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अहोई अष्टमी का व्रत माताएं कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि को रखती हैं । इस बार कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:24 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन 14 अक्टूबर को 11:09 मिनट पर होगा। अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी। भारतीय हिंदू महिलाओं के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि माताएं अपने बच्चों के दीर्घायु और स्वस्थ रहने के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। संध्या के समय तारों को अर्घ्द देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

अहोई अष्टमी व्रत का महत्व बहुत ही खास माना गया है। इस व्रत को करने से आपकी संतान खुशहाल होने के साथ ही दीर्घायु भी होती हैं। हर प्रकार के रोगों से उनकी रक्षा होता है और स्याऊं माता बच्चों का भाग्य बनाती हैं और उनको हर बुरी नजर से बचाती हैं। इस व्रत को करने से आपके घर में सुख समृद्धि बढ़ती हैं और आपके घर में बच्चे करियर में खूब तरक्की करते हैं। यह व्रत सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक रखा जाता है और बिना अन्न जल ग्रहण तारों को जल अर्पित करने के बाद ही यह व्रत खोला जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पारण शाम के समय किया जाता है। पारण करने से पहले माताएं तारों को अर्घ्य देती हैं और अपने घर की संतानों की सुरक्षा और खुशहाली की कामना करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन रखे गए व्रत से बच्चों का जीवन सुखमय, लंबी आयु वाला और स्वस्थ रहता है। इस व्रत का पालन करने से परिवार में खुशहाली और संतानों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अहोई अष्टमी का व्रत माताएं कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि को रखती हैं और इस बार कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:24 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन 14 अक्टूबर को 11:09 मिनट पर होगा। अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

अहोई अष्टमी शुभ मुहूर्त

अहोई अष्टमी के लिए पूजा का सर्वोत्तम समय शाम 05:53 मिनट से लेकर 07:08 मिनट तक रहेगा। कुल मिलाकर पूजा का शुभ मुहूर्त 1 घंटे 15 मिनट तक रहेगा। तारों का दर्शन कर व्रत के पारण का समय शाम को 06:28 मिनट से शुरू हो जाएगा। वहीं, चंद्रोदय का समय रात 11:40 मिनट है। कुछ स्थानों पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा है।

महत्व

अहोई अष्टमी दीवाली से आठ दिन पहले और करवा चौथ के चार दिन बाद आती है। इस दिन माताएं निर्जल व्रत का संकल्प लेती हैं। शाम के समय महिलाएं अहोई देवी की पूजा-अर्चना करती हैं। कई जगहों पर तारों के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। मान्यता हैं कि निसंतान महिलाओं द्वारा इस व्रत को करने से माता अहोई के आशीर्वाद से उन्हें भी संतान का सुख प्राप्त होता है।

कौन हैं अहोई माता

अहोई माता को मां पार्वती का रूप माना जाता है। इन्हें खासतौर पर संतानों की रक्षा और उनकी लंबी उम्र देने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इनकी पूजा करने से महिलाओं की कुंडली में ऐसे योग बनते हैं, जो बांझपन, गर्भपात, संतान की असमय मृत्यु और दुष्ट संतान से जुड़ी समस्याओं को दूर करते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, अहोई माता का रूप साही (नेवला) के रूप में दर्शाया गया है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में एक महिला, जो अपने पुत्रों की मां थी, जंगल में मिट्टी खोदते समय गलती से साही के बच्चों को मार देती है। इसके बाद वह महिला देवी से क्षमा याचना करती है। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी उसे आशीर्वाद देती हैं कि उसकी संतान सुरक्षित रहेगी। तभी से माताएं अहोई माता की पूजा कर अपनी संतान की दीर्घायु और कल्याण की कामना करती हैं।

धनतेरस से यमद्वितीया तक, पर्व पूजन का शास्त्रीय और ज्योतिषीय महत्व, जो करता है धन, समृद्धि और आयु वृद्धि

भारतीय संस्कृति में पर्व न केवल संस्कारों के पोषक रहे हैं अपितु चतुर्पुरुषार्थों के मार्ग को प्रशस्त करते रहे हैं। संस्कार तथा पुरुषार्थ ये दोनों ही भारतीय जीवन की आधारशिला हैं। पर्वों की ही श्रृंखला में हमारे पंचदिवसीय दीपावली महापर्व की विशेष मान्यता है। इस पर्व के साथ भले ही अनेक प्रकार के पौराणिक आख्यान जुड़े हों परंतु यह ज्योतिष पर आधारित हमारे जीवन को सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक, समरसता से जोड़ने का पर्व है।

'पर्व' शब्द का अर्थ ही 'गांठ' है, जिस प्रकार गन्ने के वृक्ष में बीच-बीच में गांठे जोड़कर उसे रसयुक्त बनाती हैं उसी प्रकार से ये पर्व हमें जीवन के विशेष अवसरों पर हमारे साथ जुड़कर जीवन को नयी गति देते हैं। दीपावली में गणेश लक्ष्मी का पूजन, कुबेर पूजन, तुला पूजन, कलम-दवात पूजन विशेष मुहूर्त में विशेष महत्व रखता है। गणेश यक्षों की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। आदि देव के रूप में प्रतिष्ठित हैं। रिद्धि-सिद्धी इनकी शक्तिस्वरूपा हैं। लक्ष्मी-विष्णु की पत्नी होने के साथ-साथ माया के रूप में प्रतिष्ठित है और भौतिक जगत में माया का अपना एक विशेष स्थान है। श्रीसूक्त पर आधारित लक्ष्मी के आवाहन का विश्लेषण करें तो आपको प्रत्येक मंत्र से उसके महत्व का पता चलता है।

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरज-तस्त्रजाम्। चंद्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह।।

अर्थात जो सुवर्ण सी क्रांतिमयी है, जो मन की दरिद्रता हरती है, जो स्वर्ण रजत की मालाओं से सुसज्जित रहती है, आह्लादिनी और हिरण्यमयी है, जो हमेशा दिव्य छटा बिखेरती है, हे अग्नि रूप हरि मेरे घर उन लक्ष्मी को बुलाओ।

इस मंत्र से लेकर श्रीसूक्त की पंद्रह ऋचाएं लक्ष्मी की बोधक हैं। इन मंत्रों के आवाहन करने पर लक्ष्मी स्वयं याचक के घर में वास करती है।

अनेक पर्वों को जन्म देता है तुला का सूर्य

दीपावली को कालरात्रि का भी नाम दिया गया है। इसमें जागरण, पूजन, अर्चन, गणेश लक्ष्मी का आवाह्न, दीपमालिका से घर को सुसज्जित एवं प्रकाशवान करने के साथ-साथ महालक्ष्मी यंत्र तथा श्रीयंत्र पूजन तथा मंत्र जागरण का विधान है। ऊं श्रीं ह्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद महालक्ष्मये नमः । इस मंत्र से महालक्ष्मी यंत्र का पूजन विधिवत करना चाहिए। पद्मासनस्थिते देवी परब्रह्म स्वरूपिणी। परमेशि जगन्मातर्ममहालक्ष्मी नमोस्तुते।।

धनतेरस अर्थात धनवंतरि जयंती, रोग और शोक के निवारक भगवान धनवंतरि के पूजन तथा अर्चन से संबंध रखने के साथ-साथ धनधान्य को घर में लाने, पश्चात उसका पूजन करने की विधान से जुड़ी है। वैदिक देवता यमराज के पूजन के लिए आटे का दीपक जलाकर घर के मुख्य द्वार पर रखने का विधान है। टूटे-फूटे पुराने बर्तनों को बदलने, चांदी-सोने की खरीद-फरोख्त प्रदोषकाल में नदी, गोशाला, बावली, कुआं, मंदिर आदि में दीप जलाने का विधान है।

नरक चतुर्दशी, पवनपुत्र हनुमान के जन्म एवं नरकासुर बध से मुक्ति मिलने पर प्रसन्नता का बोधक है । यह दिन ही स्वच्छता लाने का दिन है, इस दिन स्नान का विशेष महत्व है। स्नान के पश्चात यमराज को तर्पण तथा अंजलि अर्पित करने, सायंकाल दीपक जलाने की. मान्यता है। दीपावली महापर्व तो अन्नकूट अथवा गोवर्धन पूजन गोवंश की समुन्नति तथा यमद्वितीया भाई और बहन के संबंध के साथ-साथ यम से मृत्युतुल्य कष्टों से छुटकारा दिलाने का बोधक है। वस्तुतः सूर्य के तुला राशि में आ जाने के कारण सूर्य पुत्र यम का भय बढ़ जाता है। इसलिए यम को प्रसन्न करने के लिए पूजन की अनेक पद्धतियां अपनायी गयी हैं, जिसमें तैलयुक्त दीपक प्रज्वलित कर यमराज को प्रसन्न करने की मान्यता है।

सिर्फ धनतेरस पर खुलते हैं इस मंदिर के कपाट, भगवान धनवंतरि को लगता है जड़ी-बूटियों का भोग

देशभर में 18 अक्टूबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान विष्णु के अवतार भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। धनतेरस के मौके पर खास तौर पर भगवान धन्वंतरि की पूजा होती है, क्योंकि उन्हें निरोग और सुख समृद्धि का देवता माना जाता है। भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो भगवान धन्वंतरि को समर्पित हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में भगवान धन्वंतरि का अनोखा मंदिर है, जहां सिर्फ जाने मात्र से सारे रोगों का निदान हो जाता है। वाराणसी के सुड़िया में भगवान धन्वंतरि का मंदिर है, जिसे वैधराज का निजी स्थान भी माना जाता है। इस मंदिर में धनतेरस के मौके पर ही पूजा का आयोजन होता है और मंदिर के कपाट भी साल में सिर्फ एक बार धनतेरस के मौके पर खुलते हैं। एक दिन खुलने की वजह से बड़ी संख्या में भक्त रोगों से मुक्ति पाने के लिए भगवान धन्वंतरि को जड़ी-बूटी अर्पित करती है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की हिमालय पर मिलने वाली जड़ी-बूटियों से पूजा होती है। मंदिर का इतिहास भी बहुत पुराना है। मंदिर लगभग 300 साल से ज्यादा पुराना है और मंदिर में भगवान की अष्टधातु की मूर्ति मौजूद है, जिसमें भगवान हाथ में अमृत कलश, सुदर्शन चक्र और शंख लिए खड़े हैं। मूर्ति बहुत ही मनमोहक हैं। माना जाता है कि ये मंदिर देश का इकलौता मंदिर है, जहां आज धन्वंतरि भगवान अपने असल रूप में विराजमान हैं। इसी वजह से मंदिर की मान्यता पूरे देश में सबसे ज्यादा है और भक्त अपने रोगों से निजात पाने के लिए धनतेरस पर भगवान के दर्शन के लिए आते हैं।

इस मंदिर में राजवैद्य स्वर्गीय शिवकुमार शास्त्री का परिवार कई पीढ़ियों से पूजा करता आ रहा है और आज भी मंदिर और पूजन का कार्यभार उन्हीं पर है।

भगवान धन्वन्तरि को आयुर्वेद का जनक और प्रसारकर्ता माना जाता है। आयुर्वेद की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए भगवान धन्वंतरि ने उसे अष्ट-शास्त्रों में बांटा है, जिसमें भूत विद्या (मनोचिकित्सा), शल्य (सर्जरी), सायनतंत्र (रसायन विज्ञान), शालक्य (कान, नाक, गला), कौमारभृत्य (बाल रोग), वाजीकरण तंत्र (प्रजनन स्वास्थ्य), काय चिकित्सा (सामान्य चिकित्सा), और अगदतंत्र (विष विज्ञान) शामिल हैं। हमारा विज्ञान आज भी इन पद्धतियों पर चल रहा है, जिसके बारे में पहले ही भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद में लिख चुके हैं।

कार्तिक मास में क्या खाएं क्या नहीं खाएं, खान-पान के इन नियमों का ध्यान रखने से लक्ष्मी नारायण की कृपा होगी प्राप्त

कार्तिक मास की शुरुआत 7 अक्टूबर, मंगलवार से हो चुकी है। इस महीने का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है और इसे बेहद पवित्र माना गया है। इस दौरान विष्णुजी नारायण रूप में जल में विराजमान रहते हैं। ऐसे में इस माह को धर्म मास भी कहा जाता है। इसलिए इस महीने के दौरान कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए और खान-पान से जुड़े नियमों का ख्याल रखना भी आवश्यक होता है। शास्त्रों में कार्तिक मास में खान-पान के कई नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है और लक्ष्मी-नारायण की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आने के संयोग बनते है।

कार्तिक मास में बैंगन से करें परहेज

मान्यता है कि कार्तिक मास में बैंगन खाने से बचना चाहिए। कहा जाता है कि इस महीने के दौरान पित्त दोष संबंधित समस्याएं होने का भय अधिक रहता है। वहीं, बैंगन खाने से पित्त दोष बढ़ सकता है। यही कारण है कि कार्तिक के महीने में बैंगन खाने के मनाही होती है। उत्तेजना वर्धन होने के चलते बैंगन को धार्मिक दृष्टि से शुद्ध नहीं माना जाता है और इस महीने के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

कार्तिक मास में न खाएं दही

इस अवधि के दौरान दही खाने की मनाही होती है, क्योंकि इसे कार्तिक मास में स्वास्थ्य के लिए सही नहीं माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक के महीने में दही खाना संतान के लिए अच्छा नहीं होता है। हालांकि, इस अवधि में आप दही की जगह दूध का सेवन कर सकते हैं।

भूलकर भी न खाएं मछली

कार्तिक के महीने में तामसिक भोजन करना वर्जित माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से इस अवधि में विशेष रूप से मछली का सेवन करना शुभ नहीं माना जाता है। कहा जाता है कि इस महीने में भगवान विष्णु जल में अपने मत्स्य अवतार के रूप में होते हैं। यही कारण है कि कार्तिक के महीने में मछली का सेवन करना वर्जित माना गया है। इसके अलावा, आषाढ़ में अधिक वर्षा और बाढ़ आने से जल प्रदूषित हो जाता है। ऐसे में वैज्ञानिक दृष्टि से भी इसका सेवन करना सही नहीं माना जाता है।

करेले का सेवन करना है वर्जित

माना जाता है कि कार्तिक मास में करेला का सेवन करने से भी बचना चाहिए। इसे वातकारक माना गया है और इसमें कभी-कभी कीड़े भी लग जाते हैं। ऐसे में अगर आप इस समय करेला खाते हैं तो स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि कार्तिक मास में करेले का सेवन करना सही नहीं माना जाता है।

मूली का सेवन करने से मिलेगा लाभ

कार्तिक मास में कुछ चीजों को खाना सही नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ चीजों का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना गया है। माना जाता है कि इस महीने में मूली खाना बेहद लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इस मौसम में कफदोष और पित्तदोष जैसी समस्याएं होने का भय होता है। ऐसे में मूली का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

कार्तिक मास में खाएं आंवला

इस महीने में आंवला नवमी मनाई जाती है, जिसमें आंवले के वृक्ष और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान होता है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी कार्तिक के महीने में आंवला खाना बहुत फायदेमंद माना गया है। इससे जातक के सेहत पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। कार्तिक के महीने में आंवला नवमी पर आंवले की वृक्ष की पूजा करने से लक्ष्मी-नारायण का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

कार्तिक के महीने में जरूर करें ये काम

इस अवधि में खान-पान से जुड़े नियमों का ध्यान रखने के साथ-साथ एक काम भी अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि कार्तिक के महीने में नियमित रूप से भगवान विष्णु को तिल जरूर अर्पित करने चाहिए। साथ ही, इस दौरान तिल का सेवन करना भी लाभदायक माना जाता है। ऐसा करने से आपको विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

वरिष्ठ योग का शुभ संयोग, वृषभ सिंह समेत अन्य राशियों में बना है लाभ का प्रबल योग

आज यानी 11 अक्टूबर को दिन शनिवार है। और आज के दिन तिथि रहेगी आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि। इस पर आज चंद्रमा का संचार वृषभ उपरांत कन्या राशि में होने जा रहा है। और इसके साथ ही आज के दिन चंद्रमा से दूसरे भाव में गुरु के होने से शुभ संयोग में सुनफा योग बन रहा है और तो और आज सूर्य से नवम भाव में चंद्रमा का गोचर भी हो रहा है जिससे आज के दिन वरिष्ठ योग भी बन रहा है। और इसके साथ ही आज रोहिणी नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बना है जिससे आज का दिन वृषभ, सिंह, कन्या, वृश्चिक और कुंभ राशि के लिए विशेष रूप से लकी रहेगा। और शनि महाराज की कृपा का भी इन राशियों को आज फायदा मिलेगा। तो आइए जानते हैं आज का लकी राशिफल और साथ ही जानते हैं आज का शनिवार के उपाय भी।

वृषभ के लिए आज शनिवार का दिन कैसा है

वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन लाभदायक रहेगा। आपको आज अपने कार्यक्षेत्र में भाग्य सफल बनाएगा। जो जातक घर या जमीन खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको सफलता मिलने वाली है। आपके पिता से आपको आज फायदा मिलेगा। आप पैतृक संपत्ति का सुख प्राप्त कर पाएंगे। आपके लिए सितारे यह भी बताते हैं कि आपको दोस्तों से सहयोग और लाभ प्राप्त होगा। बिजनेस मे आपकी कमाई बढेगी। दिन भर व्यस्तता भी वजह से भी वैसे आप थकान महसूस करेंगे। लेकिन जीवनसाथी और बच्चों के सपोर्ट और सहयोग से आप सकारात्मक महसूस करेंगे और आपकी थकान भी छूमंतर हो जाएगी।

उपाय : आपको आज के दिन पीपल को दीपक दिखाना चाहिए और पीपल को अर्घ्य भी दें।

सह के लिए आज शनिवार का दिन कैसा है

सिंह राशि के लिए आज शनिवार का दिन सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके आर्थिक प्रयास सफल होंगे। आपको किसी वरिष्ठ व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी सफलता मिलेगा। बिजनेस करने वाले जातको को आज कोई लाभदायक डील मिलने की खुशी होगी। कामकाज के सिलसिले में की गई आपकी यात्रा सफल और सुखद रहेगी। किसी करीबी मित्र या संबंधी की मदद से आपको फायदा मिलेगा। जिन जातको के विवाह की बात चल रही है उनकी शादी तय होने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर किसी सफाईकर्मी को कुछ पैसे देना चाहिए।

कन्या के लिए आज शनिवार का दिन कैसा रहेगा

कन्या राशि के लिए आज शनिवार का दिन भाग्यवर्धक रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा मौका मिल सकता है। आपके अधिकारी आपके काम से प्रसन्न होंगे और आपके लिए उन्नति का संयोग बनेगा। जो लोग लोहा और धातु से संबंधित वस्तुओं का काम करते हैं उनको आज के दिन कोई बड़ा मौका मिलेगाो। आपके लिए सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन पूर्व में किए गए निवेश का भी लाभ मिलेगा। जो लोग प्रॉपर्टी का काम करते हैं उनको आज आर्थिक लाभ मिलेगा। घर परिवार में भी आपके अनुकूल स्थिति रहेगी। आपको आज जीवनसाथी की मदद से भी आज फायदा हो सकता है। अगर आप फैमिली बिजनेस से जुड़े हुए हैं तो आपको फैमिली का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

उपाय : शनि स्तोत्र का पाठ करना आपके लिए शुभ लाभदायक होगा।

वृश्चिक के लिए आज शनिवार का दिन कैसा रहेगा

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन सफलतादायक रहेगा वैसे भाग्य के साथ इसमें परिश्रम का भी सहयोग रहेगा। आप अपनी बुद्धि और अनुभव का पूरा लाभ ले पाएंगे। किसी पुरानी समस्या का समाधान होने से आपको खुशी मिलेगी। बच्चों से संबंधित किसी समस्या का भी समाधान होगा। आर्थिक पक्ष आपका आज प्रबल रहेगा। आपके घर में आज कोई सुख साधन आने की खुशी होगी। आपके लिए सितारे यह भी कहते हैं कि आपको आज के दिन लव लाइफ में प्रेमी के साथ रोमांटिक शाम बिताने का मौका मिलेगा। कहीं से आपको आज अचानक आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर श्रीराम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कुंभ के लिए आज शनिवार का दिन कैसा रहेगा

कुंभ राशि के लिए आज शनिवार का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। आपका पैसा कहीं फंसा हुआ है तो आपको अपना धन वापस मिल सकता है। किसी मित्र या सगे संबंधी से मिलने का संयोग बन सकता है। आपको आज के दिन उपहार की प्राप्ति हो सकती है। राजनीतिक और सामाजिक संपर्क का आपको फायदा मिलेगा। किसी उलझे हुए काम के सुलझ जाने से आप राहत की सांस लेंगे। घर परिवार में भी आज सुख शांति का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। जो जातक किराना कारोबार और गृहसज्जा के काम से जुड़े हुए हैं उनकी आज के दिन विशेष रूप से कमाई हो सकती है।

उपाय : आज आपको दिन को शुभ बनाए रखने के लिए काले कुत्ते को रोटी देना चाहिए साथ ही राहु के मंत्र का भी जप करना चाहिए।

वे हनीमून का शेड्यूल..., तृषा कृष्णन ने शादी पर दिया रिएक्शन

पर्सनल लाइफ की प्लानिंग पर किया क्रिप्टिक पोस्ट

पैन इंडिया एक्ट्रेस तृशा कृष्णन की शादी की अफवाहें चल रही है। इस पर अब उन्होंने प्रतिक्रिया दी है। कहा जा रहा है कि वह चंडीगढ़ के एक बिजनेसमैन से शादी करने जा रही हैं। तृषा ने शादी चर्चाओं पर इंस्टाग्राम पर एक तंज भरा पोस्ट लिखते हुए लोगों से उनके हनीमून प्लान करने की भी बात कही। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने शादी की अफवाहों को खारिज कर दिया है। यानी 42 साल की तृषा शादी नहीं कर रही हैं। उनकी शादी की खबरें सिर्फ अफवाहें ही हैं।

तृषा कृष्णन ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, मुझे पसंद है जब लोग मेरे लिए पर्सनल लाइफ की प्लानिंग बनाते हैं। बस इंतजार कर रही हूं कि वे हनीमून का शेड्यूल भी बना दें। इसके साथ उन्होंने एक स्माइली इमोजी अपने कैप्शन में शामिल किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया कि तृषा कृष्णन की फैमिली और बिजनेसमैन के फैमिली दोनों ने इस शादी को मंजूरी दे दी है।

सूत्रों का दावा है कि परिवार एक-दूसरे को सालों से जानते हैं। हालांकि, तृषा ने खुद किसी भी शादी की पुष्टि नहीं की है। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट अफवाहों को औपचारिक बयान के बिना मजाकिया तरीके से खारिज करती दिख रही है। तृषा शादी को लेकर पहले भी बोल चुकी हैं कि अगर उन्हें सही पर्सनमिलता है तो वह शादी के लिए तैयार हैं, लेकिन समय सही होना चाहिए। तृषा के पेरेंट्स ने रिपोर्ट्स पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

बता दें, तृषा कृष्णनन ने साल 2015 में बिजनेसमैन वरुण मणियन से सगाई की थी, लेकिन करियर को लेकर मतभेदों के कारण यह रिश्ता टूट गया। तृषा ने अपने प्रोफेशनल करियर को प्राइयोरिटी दी है।तब से, उन्होंने अपने पर्सनल लाइफ को काफी हद तक निजी रखा है। हालांकि, तृषा का नाम थलापति विजय संग सालों से जुड़ता आ रहा है। दोनों ने साथ में कई हिट्स दी हैं।

तृषा कृष्णनन और थलापति विजय की करीबी और बॉन्डिंग देखकर फैंस उनके रिलेशनशिप में होने के कयास लगाते आ रहे हैं। खासकर 2023 की फिल्म 'लियो' में दोनों के साथ काम करने के बाद। हालांकि, दोनों ने लगातार कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। विजय की शादी 1999 से संगीता सोरनालिंगम से हुई है और उनके दो बच्चे हैं।

दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी में रिधिमा तिवारी बनीं एक रहस्यमयी राक्षसी

रहस्य, शक्ति और फैंटेसी से भरी दुनिया में कदम रखते हुए, अभिनेत्री रिधिमा तिवारी अब सन नियो के लोकप्रिय शो 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में एक नई ऊर्जा लेकर आ रही हैं। शो में उनकी एंट्री शक्तिशाली राक्षसी के रूप में होगी, जिससे कहानी एक अप्रत्याशित और रोमांचक मोड़ लेगी। उनके आने से दर्शकों को भरपूर ड्रामा, रहस्य और अलौकिक ट्विस्ट देखने को मिलने वाला है। अपना अनुभव साझा करते हुए रिधिमा तिवारी ने कहा,मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि इस प्रोडक्शन हाउस के साथ यह मेरा पहला अनुभव है। हमारी टीम बहुत शानदार है, भले ही मैं शो में छह महीने बाद जुड़ी हूँ, लेकिन सभी ने मेरा पूरे सहज भाव से स्वागत किया। एक कलाकार के रूप में अपने हर किरदार को ईमानदारी से निभाना हमारी ज़िम्मेदारी होती है और मैं इसे पूरी गंभीरता से निभाती हूँ। मेरे किरदार का लुक बेहद ख़ास और अनोखा है। स्टाइलिंग और डिज़ाइनिंग में टीम ने जो मेहनत की है, वह बहुत ही जबरदस्त और सराहनीय है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा,मैं राक्षसी का

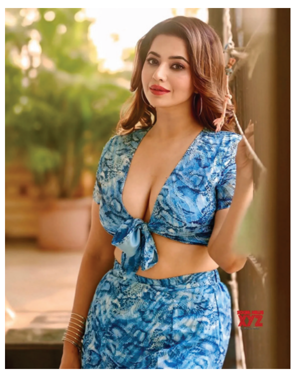

किरदार निभा रही हूँ। यह किरदार सौ वर्षों की तपस्या के बाद अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का उपयोग कर शहर में नकारात्मक ऊर्जा फैला रही है। वह सीधे हीरोइन से नहीं लड़ती, बल्कि अलग-अलग शक्तियों को नियंत्रित कर पूरे उज्जैन शहर में विनाश फैलाती है। हर बार वह इन ऊर्जाओं को दिशा देती है, जिससे उसका किरदार और भी शक्तिशाली और कई उतार-चढ़ाव से भरा है। चूँकि यह एक फैंटेसी थ्रिलर है, इसलिए इसमें कई दिलचस्प मोड़ और ट्विस्ट देखने को मिलेंगे, जिन्हें बच्चे और परिवार दोनों पसंद करेंगे। यह किरदार पूरे समर्पण, ऊर्जा और सहनशक्ति की मांग करता है, लेकिन मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूँ।

'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' उज्जैन की एक लड़की दिव्या की कहानी है, जिसकी ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब उसकी मुलाकात प्रेम से होती है। प्यार, रहस्य और बीते समय के छिपे सच से बुनी यह कहानी परंपरा और तकनीक के संगम को खूबसूरती से दर्शाती है। शो में मेघा रे और सुरज प्रताप सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं।

बॉलीवुड में नई पीढ़ी के स्टार: अनीत पड्डा और कावेरी कपूर जैसे युवा टैलेंट जो सबका ध्यान खींच रहे हैं

बॉलीवुड में एक नई लहर चल रही है और यह अपने साथ कई नई प्रतिभाओं को लेकर आ रही है, ऐसे युवा चेहरे जो बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। चाहे ये स्टार किड्स हों या खुद के दम पर आगे बढ़ने वाले नए चेहरे, इन उभरते सितारों में है अलग पहचान, स्टाइल और शानदार प्रतिभा। कुछ पहले से सुर्खियों में हैं, तो कुछ अपने ग्रैंड डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। आइए, नज़र डालते हैं बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उन चेहरों पर, जो आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय कर सकते हैं। अनीत पड्डा: अपनी शानदार स्क्रीन उपस्थिति और दिलकश व्यक्तित्व के साथ, अनीत पड्डा ने 'सैय्यारा' से हर घर में पहचान बनाई। अपनी मनमोहक परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने के बाद अब उन्हें बॉलीवुड की सबसे रोमांचक नई अभिनेत्रियों में गिना जा रहा है। कावेरी कपूर: प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी, कावेरी कपूर सिर्फ़ एक स्टार किड नहीं हैं – वह एक बहुमुखी कलाकार हैं। एक गायिका, गीतकार और अब अभिनेत्री के रूप में, कावेरी ने 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से शानदार डेब्यू किया। उनकी उपस्थिति पर्दे पर एक ताज़गी और कलात्मक गहराई लाती है। उनके पास कई प्रोजेक्ट भी हैं, जिनमें मासूम 2 और एक सिंगल शामिल है जो जल्द ही रिलीज़ के लिए तैयार है।

राशा थडानी: रवीना टंडन की बेटी राशा अपनी खूबसूरत पर्सनालिटी और आकर्षक लुक्स के लिए सुर्खियाँ बटोर रही हैं। अपने डेब्यू के साथ, वह सिनेमा में अपनी राह खुद बनाने की तैयारी में हैं और प्रशंसकों व फिल्म निर्माताओं दोनों की उन पर कड़ी नज़र है।

अहान शेट्टी: तड़प से धमाकेदार शुरुआत के बाद, सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने साबित कर दिया कि उनमें अपनी जगह बनाने का हुनर है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और शारीरिक बनावट के साथ, उन्हें एक्शन-रोमांस के क्षेत्र में एक मज़बूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

शनाया कपूर: शनाया पहले से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और उन्होंने 'आँखों की गुस्ताखियाँ' से पावरहाउस विक्रांत मैसी के साथ धमाकेदार शुरुआत की है। अपने अभिनय के लिए शानदार समीक्षाएं मिलने के बाद, वह अब आनंद एल राय की सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' में नज़र आएंगी।

अहान पांडे: अनन्या पांडे के कज़िन अहान पांडे ने 'सैय्यारा' में कृष कपूर के किरदार से दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी परफॉर्मेंस ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे आशाजनक नए अभिनेताओं की सूची में शामिल कर दिया है। वीर पहाड़िया: वीर पहाड़िया ने अपनी पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड से हटकर एक अलग रास्ता अपनाया और स्काई फ़ोर्स के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। एक रहस्यमयी आभा और कहानी कहने में गहरी रुचि के साथ, वह देखने लायक सबसे दिलचस्प नामों में से एक हैं।

स्टार परिवारों से लेकर अपने दम पर पहचान बनाने वाले कलाकारों तक – ये सभी युवा अभिनेता बॉलीवुड के बदलते चेहरे का प्रतीक हैं। साहसी, विविधतापूर्ण और बेबाक महत्वाकांक्षी, ये नई पीढ़ी के अभिनेता अपने साथ प्रतिभा, प्रयोग और वैश्विक अपील का एक ताज़ा मिश्रण लेकर आ रहे हैं। जैसे-जैसे इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, एक बात तय है – बॉलीवुड का भविष्य बेहद उज्ज्वल है, और ये नाम उसकी राह रोशन कर रहे हैं।

करवा चौथ के मौके पर सुनीता को गोविंदा ने दिया खास गिफ्ट

देश भर में करवा चौथ का त्योहार का सेलिब्रेश शुरू हो चुका है। आम महिला हो या फिर कोई बड़ी सेलेब्स करवा चौथ के मौके पर व्रत रखती हैं। पति की लंबी उम्र के लिए दुआएं मांगती हैं। अब पति भी अपनी पत्नी के लिए व्रत रखते हैं और जीवनभर साथ निभाने का वादा करते हैं। करवा चौथ के इस खास मौके एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता अहूजा ने पति से मिले महंगे गिफ्ट की झलक दिखाई है। साथ ही गोविंदा को भी सोना बताया है। सुनीता की इस पोस्ट पर फैंस रिएक्ट कर रहे हैं।

सुनीता आहूजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में उन्हें डार्क ग्रीन कलर के सूट में देखा जा सकता है। वह काफी अट्रैक्टिव और खुश नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को बड़े गोल्डन हार से कंप्लीट किया है। यह हार ही उनका करवा चौथ का गिफ्ट है, जोकि उनके पति गोविंदा ने उन्हें दिया है। सुनीता आहूजा सोने का हार पाकर काफी खुश नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस हार को फ्लॉन्ट करते हुए लिखा, सोना कितना सोना है, गोविंदा हीरो नं। 1, मेरा करवा चौथ गिफ्ट आ गया है। सुनीता की तस्वीरों को देखकर फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी और दोनों की जोड़ी को 'एवरग्रीन' बताया। एक फैन ने लिखा, गोविंदा जी का तोहफा और आपका अंदाज, दोनों लाजवाब! दूसरे ने कहा, करवा चौथ का असली हीरो तो गोविंदा जी हैं।

हेमा मालिनी ने रेखा को दी जन्मदिन की बधाई बताया कितना करीबी है दोनों का रिश्ता

हिंदी सिनेमा की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी के चाहने वालों की कमी नहीं है। एक्ट्रेस 76 साल की उम्र में भी राजनीति और नृत्यकला में सक्रिय हैं, लेकिन इसी के साथ वे अपने करीबी लोगों पर प्यार लुटाने का मौका नहीं छोड़ती। हेमा मालिनी ने बॉलीवुड की आइकॉनिक अभिनेत्री रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है और अपनी माताओं के लिए भी दिल को छू जाने वाली बात कही है। ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने अपनी करीबी दोस्त रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने रेखा के साथ अपनी पुरानी फोटोज शेयर की हैं और कैप्शन में लिखा है, आज एक बहुत ही प्यारी दोस्त रेखा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! अंदर से बाहर तक खूबसूरत, आइकॉनिक, उम्र से परे खूबसूरत रेखा इस इंडस्ट्री में मेरी सबसे करीबी दोस्तों में से एक रही हैं, हमेशा मेरी अच्छी सेहत की कामना करती रही हैं। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, हम दोनों की मां हमारी प्रेरणा शक्ति थीं और हिंदी सिनेमा में हमारे करियर बनाने की ज़िम्मेदार रही हैं। रेखा और मेरी जातीय पृष्ठभूमि हमें एक साथ बांधती है और हम अक्सर तमिल में पूरी आत्मीयता से बात करते हैं...ईश्वर से प्रार्थना है कि वह प्यारी रेखा को जीवन भर खुशियां और संतुष्टि प्रदान करें। हेमा मालिनी की बड़ी बेटी और एक्ट्रेस ईशा देओल ने भी रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है।

ईशा ने लिखा, हैप्पी बर्थडे, रेखा जी, आपको बहुत-बहुत सारा प्यार और स्वास्थ्य भेज रही हूं। हेमा के अलावा जैकी श्रॉफ ने भी रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने रेखा की पुरानी फोटोज का एक वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है। जैकी ने वीडियो पर रेखा की फिल्म का ही गाना 'आपकी आंखों में कुछ' लगाया है और जन्मदिन की बधाई दी है। इसके अलावा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने भी रेखा के साथ फोटो पोस्ट कर जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने रेखा को 'रेखा मां' कहकर संबोधित किया है।

उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे रेखा आप ही हमेशा सिनेमा की ओजी रहेंगी।' रेखा आज 71वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में बतौर एक्ट्रेस 'अंजाना सफर' से डेब्यू किया था, लेकिन फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया। फिल्म को दोबारा एक दशक बाद दूसरे नाम से रिलीज किया गया। इस फिल्म से रेखा को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन रेखा उसी वक्त 'सावन-भादो' की शूटिंग कर रही थी। इस फिल्म ने न सिर्फ पर्दे पर अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि रेखा की जिंदगी भी बदल दी।

पूजा भट्ट ने सुनाया फिल्म दुश्मन का किस्सा, कैसे संजय दत्त ने दक्षिण अफ्रीका में बारटेंडर को डराया था

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता पूजा भट्ट अपने पॉडकास्ट द पूजा भट्ट शो में फिल्मों से जुड़ी पुरानी यादें शेयर कर रही हैं। इसकी कुछ क्लिप्स वो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर करती हैं। पूजा भट्ट ने पुरानी यादों में खोकर 1998 में दक्षिण अफ्रीका में फिल्म 'दुश्मन' की शूटिंग के पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे संजय दत्त के डर के चलते एक बारटेंडर उनसे छिपता दिखाई दिया था। पूजा भट्ट ने अपने शो में फिल्म की निर्देशक तनुजा चंद्रा से बात की। इस दौरान उन्होंने 'दुश्मन' की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे और केप टाउन के विक्टोरिया होटल में ठहरे थे, वह समय बहुत ही मजेदार था। मुझे लगता है कि संजू (संजय दत्त) मेरे पिता के साथ कारतूस की शूटिंग से पहले भी वहां गए थे और वह पहले से ही वहां ठहरे हुए थे। उन्होंने आगे कहा, और जब हम लॉबी में गए तो बार बारटेंडर ने हमें होटल में घुसते देख लिया और डर के मारे छिपने लगा। तो मैं हैरान रह गई और मैंने पूछा कि तुम हमसे यहां ऐसे क्यों छिप रहे हो?

तब बारटेंडर ने डरते हुए कहा, वो जो गेस्ट हैं ना, उनकी वजह से हम किसी मुसीबत में न फंस जाएं इसलिए छुप रहे हैं। पिछली बार हमें उनके लिए शराब के एक्स्ट्रा बॉक्स मंगवाने पड़े थे क्योंकि शराब खत्म हो गई थी।

पूजा भट्ट ने यह भी बताया कि कैसे सुबह जल्दी उन लोगों को शूटिंग के लिए जाना था, तब संजय दत्त चाह रहे थे कि यह शाम कभी खत्म न हो।

पूजा भट्ट ने तनुजा से कहा, और मुझे याद है एक शाम हमारी सुबह-सुबह शूटिंग थी और तुम कहती रही कि चलो सब सो जाओ क्योंकि हमें जल्दी उठकर निकलना है और संजू शाम खत्म नहीं करना चाहता था और मेरे भी कुछ प्लान्स थे। तुम ऊपर गईं और संजू भी गलियारे में टहल रहा

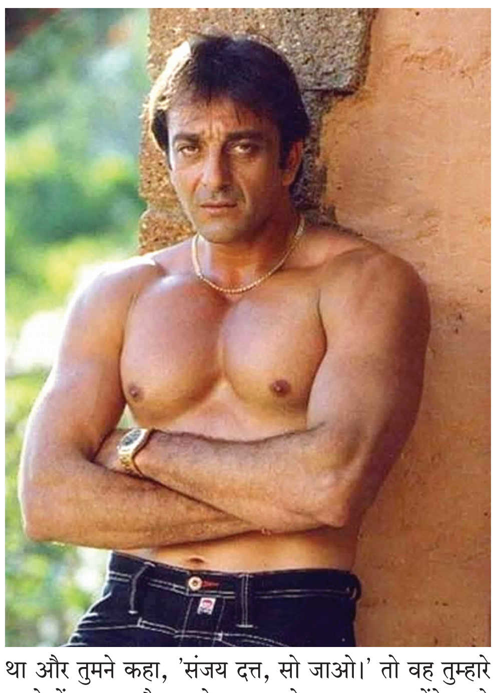

था और तुमने कहा, 'संजय दत्त, सो जाओ।' तो वह तुम्हारे कमरे में आया और तुमसे बात करने लगा था। उन्होंने आगे कहा, और मैं दरवाजे के पास गई और सुनने लगी, तभी अचानक दरवाजा खुल गया और मैं तुम्हारे कमरे में गिर गई। तुम उस पर चिल्ला रही थी, फिर अचानक जोर से हंस पड़ी। तुमने बताया कि संजय दत्त काफी हाई थे और कह रहे थे कि ये शाम कभी खत्म न हो।

फिल्म 'दुश्मन' को पूजा भट्ट और उनके पिता ने प्रोड्यूस किया था। इसमें काजोल, संजय दत्त और आशुतोष राणा लीड रोल में थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक्त्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन–देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहें। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन–देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 04:45 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 03:20 तक
योग : व्यतिपात दोपहर 02:06 तक
करण : कौलव प्रातः 06:09 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 02:24 तक
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:55 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59,सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि रोहिणी सिद्धि योग सायं 03:20 तक , कार्तिक मासे दीप–दानम्

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को और विस्तार देगी राज्य सरकार : गजेन्द्र सिंह

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और मेंटल वेल–बीइंग को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ्‍ा ही मानसिक स्वास्थ्य भी नितांत आवश्यक है। प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं को और विस्तार देने के साथ ही सुदृढ़ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजूबती दी जाएगी।

खींवसर शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया एवं भागदौड़ भरी कार्यशैली ने मानसिक स्वास्थ्य को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के बीच बेहतर तालमेल से चिंता, तनाव, अवसाद जैसे मानसिक विकारों को दूर किया जा सकता है।

खींवसर ने कहा कि सामाजिक स्वीकार्यता कम होने के बावजूद, भावनात्मक और व्यवहारिक समर्थन देकर दूसरों के अवसाद को कम किया जा सकता है। हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी ऐसा अवसर आता है, जब वह बहुत अधिक मानसिक तनाव से घिर जाता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मानसिक विकार होने पर विशेषज्ञों की सहायता लेने में संकोच नहीं करना चाहिए।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मानसिक बीमारी का पता देरी से चलता है। लोगों को मानसिक विकारों को सीमित न रखकर इन विषयों को साझा करना चाहिए है, इससे व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। पंत ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से राज्य में टेली–मानस हेल्पलाइन (1800–891–4416) के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। इस हेल्पलाइन पर कोई भी व्यक्ति तनाव, अवसाद, चिंता या मानसिक परेशानी की स्थिति में तुरंत विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त कर सकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, हेल्पलाइन तथा काउंसलिंग के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आह्वान किया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना आवश्यक है, जिन लोगों को मानसिक स्वास्थ्य लाभ की आवश्यकता है, उन्हें उपचार के लिए अधिक से अधिक जागरूक करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से मानसिक तनाव में वृद्धि हो रही है। जब हमारी असीमित अपेक्षाएं, हमारी वास्तविक उपलब्धियों से अधिक होती हैं, और जो हमें प्राप्त होता है, उसमें अंतर रहता है, तो यही असंतुलन मानसिक अस्वस्थता का कारण बन जाता है।

भजनलाल शर्मा ने त्यौहारी सीजन में साफ–सफाई और सजावट के दिए विशेष दिशा–निर्देश

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली त्यौहार के मद्देनजर देवस्थान विभाग को मंदिरों में विशेष सजावट करने के साथ ही विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजकीय विद्यालयों के सौंदर्यीकरण सहित सार्वजनिक स्थानों पर समुचित रोशनी और सजावट के विशेष दिशा–निर्देश भी प्रदान किए हैं।

शर्मा ने दीपावली पर्व के पावन अवसर पर देवस्थान विभाग के अन्तर्गत सभी मंदिरों एवं प्रन्यास मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार देवस्थान विभाग द्वारा 'पंचपर्व दीपावली' का विशेष आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में दीपावली से पूर्व सभी मंदिर परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, दीपों और विद्युत सजावट से मंदिरों को आलोकित किया जाएगा। इस आयोजन के अन्तर्गत श्रद्धालुओं की सहभागिता से मंदिरों में सामूहिक दीप प्रज्वलन भी किया जाएगा, जिससे 'एक दीप सबके लिए' का संदेश प्रसारित होगा। पंचपर्व दीपावली में रंगोली, महाआरती एवं भक्ति संध्या, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, महाभोग का वितरण भी किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि नगरीय निकायों में पुरानी हो चुकी लाइटों के स्थान पर 2 लाख नवीन स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इसके लिए उन्होंने स्थानीय निकाय विभाग को टेण्डर प्रक्रिया शीघ्र संपादित करने के निर्देश दिए। इन लाइटों के लगने से सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी सुनिश्चित होने के साथ ही अपराधों की रोकथाम करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय विद्यालयों का रंग–रोगन करने के साथ ही, सघन रूप से साफ–सफाई की जाए, जिससे बारिश से प्रभावित विद्यालयों का नया रूप निखर कर आएगा। उन्होंने दीपावली त्योहार से पूर्व विद्यालयों की रंग–रोगन और मरम्मत सुनिश्चित करने के विशेष दिशा–निर्देश दिए हैं। शर्मा के निर्देशानुसार 65 हजार विद्यालयों में मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इनमें 15 हजार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल को बॉयज फंड के माध्यम से रिपेयर किया जा रहा है। साथ ही, एक हजार 500 स्कूलों को स्टेट फंड से सुधारने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में अतिवृष्टि प्रभावित 4 हजार स्कूलों को 2 लाख रूपये प्रति स्कूल के हिसाब से मरम्मत के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है और 16 हजार अतिवृष्टि प्रभावित स्कूलों को यह स्वीकृति दी जा रही है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025 की तैयारियों की उच्च–स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित होने वाली खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025 की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में उच्च–स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

उन्होंने बताया कि यह आयोजन राजस्थान के छह संभागों– जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर और बीकानेर में होगा जिसमें देशभर के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 5000 खिलाड़ी और 2000 अधिकारी एवं स्टाफ भाग लेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि यह आयोजन एक व्यापक अभ्यास है, जिसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि सभी कार्य योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से पूरे हों ताकि राज्य की साख और छवि और सुदृढ़ हो। मुख्य सचिव ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों को निर्देशित किया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स पर केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर गहन निगरानी की जा रही है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि आईटी विभाग के सहयोग से आयोजन की वेबसाइट पर मैस्कॉट और टैगलाइन हेतु एक ओपन क्रिएटिव प्रतियोगिता प्रारंभ की जाए ताकि राज्य के नागरिक भी इसमें भाग ले सकें और इस अभियान का जन–जुड़ाव बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि खेल प्रतियोगिताओं की समस्त जानकारी पोर्टल के माध्यम से सार्वजनिक की जाए ताकि जनता को यह पता रहे कि कौन–सा आयोजन किस स्थान पर हो रहा है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी छह संभाग मुख्यालयों पर खिलाड़ियों के ठहराव की सुगम व्यवस्था करें। खिलाड़ियों के लिए राज्य के संग्रहालयों और दर्शनीय स्थलों पर निःशुल्क प्रवेश की सुविधा दी जाए ताकि वे राजस्थान की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि सभी खेल सुविधाओं को सर्वोत्तम स्तर पर तैयार किया जाए ताकि यह आयोजन देशभर में एक मिसाल बने। उन्होंने संबंधित सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे गति बढ़ाएँ और आगामी उत्सव सीज़न को ध्यान में रखते हुए आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें।

शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि खेल स्थलों की मरम्मत, अधोसंरचना उन्नयन, निविदा प्रक्रियाएँ, निरीक्षण समितियाँ और प्रशासनिक ढाँचा पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। जयपुर में प्रमुख खेल स्थलों का उन्नयन किया जा रहा है, जबकि प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर दो–दो खेलों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्रीड़ा विभाग द्वारा प्रत्येक संभाग में चयनित खेलों की रूपरेखा और बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

बैठक में सभी विभागों की भूमिकाएँ भी स्पष्ट की गईं। वित्त विभाग सभी वित्तीय स्वीकृतियाँ और बजट अनुमोदन की जिम्मेदारी देखेगा, गृह विभाग सुरक्षा और पुलिस प्रबंधन की व्यवस्था देखेगा, जबकि स्वायत्त शासन विभाग स्वच्छता, आवास और नगर प्रबंधन सुनिश्चित करेगा। शिक्षा विभाग खिलाड़ियों के लिए शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा तथा पर्यटन विभाग आयोजन स्थलों पर पर्यटन–संबंधी गतिविधियाँ आयोजित करेगा। चिकित्सा विभाग सभी आयोजन स्थलों पर आवश्यक मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था करेगा, वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग आयोजन के प्रचार–प्रसार, मीडिया समन्वय और सामाजिक जागरूकता की गतिविधियों का संचालन करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा दौरा 17 को

चंडीगढ़ , 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्तूबर, 2025 को हरियाणा के सोनीपत दौरे पर आएंगे। अपने इस दौरे के दौरान वे प्रदेशवासियों को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेगा तथा 'विकसित भारत – विकसित हरियाणा' के संकल्प को और सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री के आगामी कार्यक्रम को लेकर आज चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

तैयारियों को लेकर नायब सिंह सैनी ने की बैठक

नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां समयबद्ध और समन्वित तरीके से की जाएं। उन्होंने उद्घाटन एवं शिलान्यास की जाने वाली संभावित परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की समय–सारिणी, रूट प्लान, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन रणनीति को अंतिम रूप देने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी बुनियादी ढाँचे, आयोजन स्थल की तैयारियाँ निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरी हो जाएँ। सभी संबंधित विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक कमी की भयावह स्थिति : सैलजा

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के आठ जिलों अंबाला, फरीदाबाद, सिरसा, यमुनानगर, पलवल, भिवानी, जींद और हिसार में शिक्षकों की भारी कमी से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कई स्कूलों में एक–एक शिक्षक पर 400 से 500 तक बच्चों का बोझ है, जो किसी भी दृष्टि से शिक्षा की गुणवत्ता के साथ घोर अन्याय है। एक ओर भाजपा सरकार नई शिक्षा नीति का गुणगान करने में लगी हुई है तो दूसरी ओर प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों, संसाधनों की भारी कमी है। सरकार प्राइवेट शिक्षण संस्थानों को बढ़ावा देकर ही सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश तो नहीं कर रही है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेशभर में 15,659 शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं, बकि अंबाला और यमुनानगर जैसे जिलों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है।

आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार खुदकुशी मामले में

मुख्य सचिव और डीजीपी को एनसीएससी का नोटिस

चंडीगढ़ , 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल्ड कास्ट्स (एनसीएससी) ने दलित आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। शुक्रवार को एनसीएससी ने इस सिलसिले में चंडीगढ़ के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। यह नोटिस भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत आयोग की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जारी किया गया है। घटना के बाद आयोग ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू करने का फैसला किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में सभी आरोपियों के नाम, दर्ज एफआईआर की संख्या, तारीख और संबंधित धाराएं, आरोपियों की गिरफ्तारी की स्थिति और पीड़ित परिवार को दिए गए मुआवजे (अगर कोई हो) का ब्योरा शामिल होना चाहिए।

यह कदम दलित समुदाय के अधिकारों की रक्षा और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

एनसीएससी द्वारा मुख्य सचिव और डीजीपी को भेजे गए पत्र में चेतावनी दी गई है कि अगर तय समय सीमा के अंदर जवाब नहीं मिला तो आयोग संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत मिली सिविल कोर्ट की शक्तियों का उपयोग करेगा।

इसके तहत आयोग व्यक्तिगत रूप से या उनके प्रतिनिधि के माध्यम से उनकी हाजिरी के लिए समन जारी कर सकता है। यह कदम मामले में देरी या लापरवाही को रोकने के लिए उठाया गया है।

आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड मामला

जांच के लिए 6 सदस्यीय एसआईटी का गठन चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे नेतृत्व

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के सुसाइड मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे। इनके अलावा पांच आईपीएस और सीपीएस अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया है। एसआईटी में शामिल अन्य सदस्यों में चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप सिंह, एसपी सिटी केएम प्रियंका, डीएसपी (ट्रैफिक) चरणजीत सिंह विर्क, एसडीपीओ (साउथ) गुरजीत कौर और एसएचओ (पश्चिम) जयवीर सिंह राणा शामिल हैं। चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सागर प्रीत ने शुक्रवार को एसआईटी गठन के संबंध में आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया, एफआईआर संख्या 156/2025, धारा 108/3(5) बीएनएस और 3(1)(आर) एससी/एसटी (पीओए) अधिनियम, 2013 के तहत पुलिस स्टेशन सेक्टर–11 (पश्चिम), चंडीगढ़ में आरोपों की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए आईजीपी, चंडीगढ़ की देखरेख में मामले की त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का तत्काल प्रभाव से गठन किया जाता है।

आदेश के अनुसार, एसआईटी मामले में सभी पहलुओं की समयबद्ध तरीके से जांच करेगी, जिसमें साक्ष्य जुटाना, गवाहों से पूछताछ, विशेषज्ञों की राय और कानूनी सलाह जैसे विषय शामिल हैं। जांच पूरी होने पर एसआईटी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। आदेश में यह भी बताया गया है कि एसआईटी जरूरत के अनुसार अन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों को भी शामिल कर सकती है।

2001 बैच के आईपीएस अधिकारी, पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वाई पूरन कुमार चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए थे। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, उन्होंने अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने 9 पन्नों का एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा, जिसमें 15 सेवारत और पूर्व अधिकारियों के नाम हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने उनके 'सुसाइड नोट' में नामजद लोगों के खिलाफ सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की। फिलहाल, इस मामले पर राजनीति जारी है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, अगर उन्हें न्याय नहीं मिला, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा सरकार के तहत किसे न्याय मिलेगा। एक अधिकारी, जिसने बार–बार न्याय मांगा, लेकिन उसे इनकार कर दिया गया। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग चंडीगढ़ में परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा, यह मौत अपने आप में कई सवाल खड़े करती है।

सीएम नीतीश की पार्टी को बड़ा झटका

पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने थामा तेजस्वी का हाथ

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में आज एक बड़ा भूचाल आ गया। जनता दल यूनाईटेड को पूर्णिया क्षेत्र में एक तगड़ा झटका देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा सांसद संतोष कुमार कुशवाहा राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए हैं।

उन्होंने आज दोपहर एक बजे जदयू से इस्तीफा दे दिया हैं। पार्टी में लंबे समय से अनदेखी झेल रहे कुशवाहा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ आज दोपहर तीन बजे के बीच पटना में राजद की सदस्यता ग्रहण की।

कुशवाहा के इस कदम से सीमांचल की राजनीति गरमा गई है। संतोष कुमार कुशवाहा ने जदयू छोड़ने के पीछे नेतृत्व की उपेक्षा को मुख्य कारण बताया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दो बार सांसद रहने के बावजूद जदयू के शीर्ष नेतृत्व द्वारा संतोष कुशवाहा को दरकिनार किया जाना ही उनके इस बड़े फैसले की वजह बना। उनके करीबियों का कहना है कि कुशवाहा राजद के टिकट पर धमदाहा विधानसभा सीट से मैदान में उतरेंगे।धमदाहा विधानसभा सीट वर्तमान में जदयू की वरिष्ठ नेत्री और राज्य सरकार में मंत्री लेसी सिंह के पास है। संतोष कुशवाहा के चुनावी मैदान में उतरने से इस सीट पर मुकाबला सीधा और बेहद कड़ा हो जाएगा। राजद का यह दांव जदयू के मजबूत किले में सेंधमारी करने की एक सोची-समझी रणनीति मानी जा रही है।

सीमांचल में संतोष कुशवाहा को कोइरी समुदाय का एक बड़ा नेता माना जाता है। धमदाहा विधानसभा में मुस्लिम, यादव के साथ कोइरी समाज के मतदाताओं की संख्या भी अधिक है। राष्ट्रीय जनता दल ने संतोष कुशवाहा की नाराजगी को भरपूर भुनाया है। उन्हें पार्टी में शामिल करने से राजद को न सिर्फ धमदाहा सीट पर मजबूती मिलेगी, बल्कि यह निर्णय कुशवाहा वोट बैंक को अपने पाले में खींचने के लिए राजद की एक महत्वपूर्ण चाल भी है।

बता दें कि संतोष कुशवाहा का राजनीतिक जीवन कई बार पाला बदलने वाला रहा है। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने पहली बार 2005 में पहली बार भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। 2010 में उन्होंने बायसी विधानसभा से भाजपा के टिकट पर फिर चुनाव लड़ा। इस बार जीत कर विधायक बने। 2013 भाजपा छोड़कर जदयू में शामिल हो गए। 2014 जदयू के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। 2019 जदयू के टिकट पर पुनः लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। 2024 के लोकसभा चुनाव में जदयू के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे लेकिन निर्दलीय पप्पू यादव उन्हें हरा दिया। अब आज विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने चार दिन बाद ही जदयू छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए।

नित्यानंद राय से मीटिंग के बाद चिराग बोले-

बातचीत अंतिम चरण में हैं, पीएम के रहते सम्मान की चिंता नहीं

पटना (एजेंसियां)। बिहार चुनावों को लेकर एनडीए में सीट बंटवारे की बातचीत जारी है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान के आवास पहुंचे। बिहार चुनाव के लिए एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान के साथ सीट बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान बिहार में एनडीए की सरकार फिर से बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। सब कुछ सकारात्मक है। कहीं कोई दिक्कत नहीं है।

बिहार चुनाव को लेकर बीजेपी के साथ सीट बंटवारे की बातचीत पर एलजेपी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि बातचीत सकारात्मक ढंग से चल रही है और अब अपने अंतिम चरण में है। जिस घोषणा का इंतजार आपलोग कर रहे हैं, वह भी जल्द होने वाली है। हमलोग हर एक चीजों पर विस्तार से चर्चा कर रहे हैं। ताकि बाद में गठबंधन के अंदर किसी भी चीजों को लेकर कोई संशय नहीं हो। हम हर छोटे-बड़े मुद्दे, सीटों, उम्मीदवारों और प्रचार को लेकर विस्तृत चर्चा कर रहे हैं। जहां पर मेरे प्रधानमंत्री हैं, वहां पर मुझे अपने सम्मान करने की चिंता नहीं है।

पप्पू यादव के नोटों से बढ़ा चुनावी तापमान, बाढ़ पीड़ितों में बांटा पैसा, दर्ज हुई एफआईआर

वैशाली (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने आधिकारिक घोषणा कर दी है। पहले चरण में 6 अक्टूबर को मतदान होना है। इसी चरण में वैशाली जिले की आठ विधानसभा सीटों पर भी 6 अक्टूबर को वोटिंग होगी। चुनावी प्रक्रिया की शुरुआत के तहत शुक्रवार से नामांकन दाखिल होना शुरू हो जाएगा।

इसी बीच चुनावी माहौल के बीच पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों से मिलने वैशाली जिले के सहदेई प्रखंड के गनियारी गांव पहुंचे।

यहां उन्होंने गंगा नदी के तेज कटाव से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत की। वहीं, वैशाली में अचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर पप्पू यादव पर एफआईआर दर्ज हो गई है।

मौके पर पप्पू यादव ने स्थानीय पदाधिकारियों को फोन भी लगाया और कटाव पीड़ितों की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया। ग्रामीणों ने सांसद के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिस पर पप्पू यादव ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसी दौरान पप्पू यादव लोगों को आर्थिक सहायता के तौर पर 2000 से 3000 रुपये तक नकद राशि देते नजर आए, जिसकी तस्वीरें और वीडियो कैमरे में साफ तौर पर कैद हुई हैं। लिस्ट से नाम पढ़कर एक-एक कर लोगों को रुपये दिए जा रहे थे।

मुजफ्फरपुर में बागमती नदी बनी मौत का सैलाब, नहाने गए पांच युवक डूबे, दो की मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी में नहाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। उफनती हुई नदी में नहाने गए पांच युवक डूब गए, जिनमें से दो की मौत हो गई, जबकि दो को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। एक युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना शनिवार शाम की बताई जा रही है। पहली घटना गायघाट प्रखंड के बेनीबाद थाना क्षेत्र की है, जहां चार किशोर नहाने के दौरान नदी में डूब गए। बताया जा रहा है कि मृतक और घायल आपस में भाई हैं। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई।

स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से दो किशोरों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया, जबकि दो की पानी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, छोटा भाई डूबने लगा तो बड़ा भाई उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा, लेकिन वह खुद डूब गया। बाद में दोनों को स्थानीय गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान अर्जुन दास के पुत्र नीतीश कुमार (18 वर्ष) के रूप में हुई है। वह एल.एन.एम.यू. दरभंगा में स्नातक प्रथम वर्ष का छात्र था और दरभंगा शहर में रहकर पढ़ाई करता था। वहीं गंभीर रूप से घायल किशोर की पहचान पवन दास के पुत्र केशव कुमार (14 वर्ष) के रूप में हुई है, जिसका इलाज अस्पताल में जारी है।

इसी बीच, गायघाट प्रखंड में ही बेरुआ पंचायत के असिया गांव में एक और हादसा हुआ। सड़क पर बह रहे बाढ़ के पानी में गांव के शंकर महतो के पुत्र आदर्श कुमार (13 वर्ष) की बहने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे पानी से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पूरे मामले पर बेनीबाद थाना के थानाध्यक्ष साकेत कुमार शार्दूल ने बताया कि थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों पर हादसे हुए हैं। दो किशोरों की मौत हो चुकी है। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील की है कि बाढ़ के इस मौसम में कोई भी व्यक्ति या बच्चा नदी या बाढ़ के पानी में न जाए, क्योंकि पानी का बहाव तेज है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है।

एनएच-28 पर ट्रक बना आग का गोला! सामान जलकर खाक, फायर ब्रिगेड ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में देर रात एक बड़ी घटना सामने आई, जहां नेशनल हाइवे के किनारे खड़ी एक लोडेड ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक आग का गोला बन गया और पूरी तरह जलकर खाक हो गया। यह घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक एनएच-28 के पास की बताई जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे की कोशिशों के बाद आग पर काबू पाया गया। इस हादसे के दौरान ट्रक में लोड किया गया सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय वहां कई अन्य ट्रक भी खड़ी थीं, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका थी। गनीमत रही कि आसपास खड़े ट्रकों में आग नहीं लगी, नहीं तो नुकसान और अधिक हो सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना गुरुवार की आधी रात की है। उस समय ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक एनएच-28 के पास खड़ी एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरातफरी मच गई। वहीं, ट्रक के आगे खड़ी दूसरी ट्रक का चालक समय रहते कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

जानकारी के अनुसार, दो ट्रक एक साथ खड़ी थीं, जिनमें पीछे वाली ट्रक में आग लगी। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और ट्रक धू-धू कर जलने लगी। गनीमत यह रही कि आग लगने के समय ट्रक में चालक या उसका सहयोगी मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस और अग्निशमन विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच कर रहे हैं। ट्रक में लोड सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई है।

मौके पर पहुंचे ब्रह्मपुरा थाना के अपर थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि ट्रक में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। घटना के समय ट्रक चालक और उसका सहयोगी मौके पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने बताया कि पूरी घटना की जांच जारी है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

4 प्रधान शिक्षकों पर गिरी गाज

सरकारी स्कूलों में फर्जी हाजिरी बनाकर मिड-डे मील राशि का गबन, वेतन से होगी वसूली

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सूबे के सीतामढ़ी जिले के सरकारी स्कूलों में एमडीएम में घोटाला आम बात हो चली है। बच्चों की फर्जी उपस्थिति दर्ज कर खुलेआम कुछ प्रधान शिक्षक एमडीएम के पैसे ओर राशि का घोटाले करते है। हालांकि जांच में पकड़े जाने के बाद उनसे राशि की वसूली भी होती है। एक बार फिर चार स्कूलों के प्रधान शिक्षक एमडीएम के घोटाले में पकड़े गए है।

ये चारों प्रधान शिक्षक बच्चों की फर्जी उपस्थिति दर्ज कर एमडीएम में घोटाले कर रहे थे। जांच में पुष्टि होने के बाद एमडीएम के डीपीओ ने चारों आरोपित प्रधान शिक्षकों को संबंधित राशि जमा करने का दिया है। साथ ही कहा है कि अगर खुद ही सरकारी खजाने में आर्थिक दंड की राशि जमा नहीं करते है, तो उनके वेतन से कटौती करने की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि पूर्व में एक तरह के कई मामले सामने आ चुके है। फर्जी उपस्थिति दर्ज कर एमडीएम में गड़बड़ी करने वालों की लंबी सूची है।

बताया गया है कि रुन्नीसैदपुर प्रखंड के एमडीएम के साधनसेवी ने डीपीओ को रिपोर्ट किया था कि प्रावि. कुंडल, पासवान टोला में अधिक बच्चों की हाजिरी बनाकर एमडीएम योजना की राशि की निकासी की जाती है। उक्त रिपोर्ट पर डीपीओ ने प्रधान शिक्षक से जवाब मांगा। जवाब संतोषजनक नहीं रहा। डीपीओ ने प्रधान शिक्षक पर 36137 रूपये का आर्थिक दंड निर्धारित करने के साथ ही उक्त राशि संबंधित खाते में जमा करने का आदेश दिया है।

अन्यथा वेतन से वसूल करने की चेतावनी दी गई है। ऐसा ही आरोप प्राथमिक विद्यालय, कुंडल कन्या के प्रधान पर भी लगा है। उन्हें भी 36137 रुपये जमा करने का आदेश दिया गया है।

इधर, परसौनी प्रखंड के मवि, रमुनी के प्रधान शिक्षक पर भी अधिक बच्चों की उपस्थिति दर्ज कर घोटाले का आरोप है। वहां के साधनसेवी की जांच में घोटाला उजागर हुआ है।

एमडीएम के डीपीओ ने प्रधान पर 78413 रुपये, तो बेलसंड प्रखंड के प्रावि. सौली मठ के प्रधान शिक्षक पर 54205 रुपये आर्थिक दंड तय किया गया है और इन दोनों को भी एक सप्ताह के अंदर सरकारी खजाने में उक्त राशि जमा कराने को कहा गया है।

हाजीपुर-मुजफ्फरपुर बाईपास 11 अक्तूबर से होगा चालू, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिलेवासियों के लिए राहत और विकास की नई सौगात लेकर हाजीपुर-मुजफ्फरपुर बाईपास अब तैयार है। यह बाईपास 11 अक्टूबर से आम जनमानस और यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होने से मुजफ्फरपुर शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। जाम की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुगम व तेज हो जाएगा। यह बाईपास 16.87 किलोमीटर लंबा है और हाजीपुर मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-63.17) खंड का हिस्सा है। इसके निर्माण से न सिर्फ शहर के भीतर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, बल्कि दरभंगा, मोतिहारी, सीतामढ़ी, वैशाली और समस्तीपुर जैसे आसपास के जिलों से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह मार्ग सुविधाजनक साबित होगा। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर बाईपास का निर्माण अत्याधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक से किया गया है। इसमें 66 अंडरपास, 4 माइनर ब्रिज और एक आरओबी (रेल ओवर ब्रिज) का निर्माण किया गया है। इन संरचनाओं से स्थानीय निवासियों और वाहनों की सुरक्षित एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की गई है। अंडरपास के जरिए ग्रामीण इलाकों को भी जोड़ा गया है, जिससे किसानों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को सुगम आवाजाही की सुविधा मिलेगी।

बाईपास के शुरू होने से हाजीपुर से दरभंगा, सीतामढ़ी या मोतिहारी की ओर जाने वाले भारी वाहनों को अब शहर के बीच से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इससे शहर में ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, ईंधन की खपत घटेगी और प्रदूषण में भी गिरावट होगी। वाहन चालकों को घंटों तक जाम में फंसे रहने से मुक्ति मिलेगी, समय की बचत होगी और सड़क सुरक्षा में सुधार होगा। जिलाधिकारी सुब्रत सेन ने कहा कि हाजीपुर-मुजफ्फरपुर बाईपास का खुलना जिले और आसपास के क्षेत्रों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस मार्ग के शुरू होने से शहर के अंदर ट्रैफिक दबाव में कमी आएगी और नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही यह मार्ग औद्योगिक, व्यापारिक और पर्यटन विकास को भी नई दिशा देगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करते हुए इस नई सुविधा का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। यह बाईपास जिले के सामाजिक और आर्थिक विकास का नया अध्याय खोलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com